ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सांसद ने उद्यमिता और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए बोलपु का... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 14 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-193

नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार ने किया सनसनीखेज खुलासा

नेपाल के रास्ते भारत में आतंकी भेजने में जुटा पाकिस्तान

नई दिल्ली/काठमांडू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने सनसनीखेज खुलासा किया है। राष्ट्रपति के सलाहकार को मिली खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में मौजूद हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे कुख्यात आतंकी सरगना नेपाल के रास्ते भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में लगे हैं। हाफिज सईद का संगठन लश्कर ए तैयबा और मसूद अजहर का जैश ए मोहम्मद पाकिस्तान-भारत की सीमा को पार करने के बजाए अपने आतंकियों को अब नेपाल के रास्ते से भारत में घुसाने की कोशिश कर रहा है। नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार द्वारा दी गई इस खतरे की जानकारी पर भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है।

हाफिज सईद और मसूद अजहर तैयार कर रहे आतंकवादी

7 मुस्लिम बहुल इलाकों को लॉन्चिंग पैड बनाने की खबर

नेपाल में मुस्लिम जनसंख्या उन सात जिलों में बहुतायत में है, जो यूपी-बिहार से सटे हुए हैं। इन जगहों में आईएसआई के स्लीपर सेल की मौजूदगी है। इन्हीं स्लीपर सेल के सहारे आतंकी भारत में घुसने की फिराक में लगे हैं। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने यह जानकारी भारत के साथ साझा करते हुए इस्लामिक आतंकवाद को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। उन्होंने पिछले दिनों काठमांडू में नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट की ओर से आयोजित सेमिनार में भी यह बात कही और इस खतरे के प्रति आगाह किया।

भारत और नेपाल के बीच 1751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा रेखा है। यहां चौकसी काफी कम होती है। आतंकवादियों के लिए अपनी पहचान छिपा कर इस रास्ते से आना दूसरी जगहों की तुलना में आसान है। जम्मू कश्मीर में आतंकियों की एंट्री पर कड़ा पहरा होने के बाद आतंकी दूसरे दरवाजे की तलाश कर रहे हैं, इसलिए हाल के वर्षों में नेपाल में आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं। नेपाल से भारत के बीच आने-जाने के लिए सड़क मार्ग आसान है।

▶10 पर

बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के लोग थे बिहार के वोटर

बिहार की वोटर लिस्ट में मिले असंख्य घुसपैठिए

नई दिल्ली/पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग के अधिकारियों द्वारा बिहार में घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों (रोहिंग्या) के नाम मतदाता सूची में पाए गए है। बिहार में बड़ी तादाद में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को मतदाता बनवाया गया और उनके नाम वोटर लिस्ट में डाले गए। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है। चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर कहा कि चुनाव आयोग के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने बिहार में चल रही मतदाता सूची की गहन समीक्षा के दौरान पाया कि इसमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों बड़ी संख्या में शामिल हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा कि अवैध प्रवासियों के नाम अंतिम निर्वाचन सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद राष्ट्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में अवैध प्रवासियों को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा करेगा, जिसमें उनके जन्म स्थान की सूक्ष्मता से जांच की जाएगी। बिहार में इस वर्ष चुनाव होना है। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे पांच अन्य राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं।

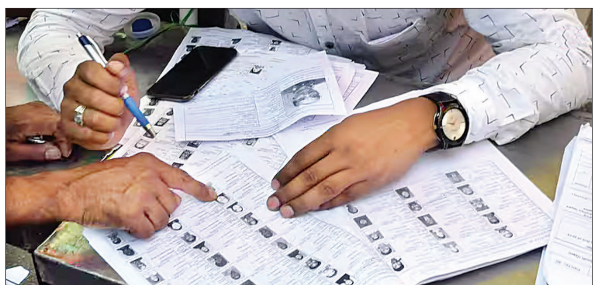

अंतिम सूची से हटा दिए जाएंगे घुसपैठियों के नाम

इसी तर्ज पर पूरे देश में होगी वोटर लिस्ट की जांच

चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और 963 सहायक ईआरओ (एईआरओ) सहित क्षेत्र स्तरीय टीमों की निर्वाचन अधिकारी की ओर से बारीकी से निगरानी की जा रही है। चुनाव आयोग के इन प्रयासों के साथ ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 1.5 लाख बीएलए भी घर-घर जाकर हर मौजूदा मतदाता को शामिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब तक 80.11% मतदाता जमा कर चुके हैं गणना प्रपत्र पाया गया है। 100 फीसदी मुद्रण पूरा होने और अपने पते पर पाए गए सभी मतदाताओं को मतदाता सूची वितरण का काम लगभग पूरा होने के बाद, आज शाम 6 बजे तक संग्रह 6,32,59,497 या

▶10 पर

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जारी हुई अधिसूचना

चार विशिष्ट हस्तियां राज्यसभा के लिए नामित

उज्ज्वल निकम, सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला, डॉ. मीनाक्षी जैन

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चार प्रतिष्ठित नागरिकों को राज्यसभा के लिए नामित किया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह नामांकन चार सांसदों के रिटायर होने से खाली हुई जगह को भरने के लिए किया गया है। नामांकित सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल देवराव निकम, केरल के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद् डॉ. मीनाक्षी जैन शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80 (1) (क) के खंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत इन हस्तियों को राज्यसभा के लिए चुना है। भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा के लिए 12 व्यक्तियों को मनोनीत कर सकते हैं। ये लोग कला, साहित्य और लोक सेवा के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। राज्यसभा के लिए मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला पूर्व विदेश सचिव रहे हैं। उन्होंने पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत का पद भी संभाला है। उन्होंने 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी कार्य किया है। उज्जवल देवराव निकम कानूनी क्षेत्र में एक जाना-माना नाम है। उन्होंने मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में सरकारी वकील के रूप में जिम्मेदारी का निर्वहन किया था।

▶10 पर

दक्षिण के दिग्गज अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन

पीएम मोदी समेत तमाम हस्तियों ने जताई शोक संवेदना

अमरावती, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तेलुगु सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर सितारों में शुमार कोटा श्रीनिवास राव ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में कई दशकों तक राज किया। कोटा श्रीनिवास राव के निधन से पूरे मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनिवास राव के निधन पर गहरा शोक जताया और कहा कि अभिनय कला के सूर्य का अस्त होना वाकई दुखद है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कोटा श्रीनिवास राव के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उन्हें उनकी सिनेमाई प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने अपने शानदार अभिनय से कई पीढ़ियों के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वह समाज सेवा के क्षेत्र में भी आगे रहे और गरीबों तथा दलितों को सशक्त बनाने के लिए काम किया। उनके परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अभिनेता के परिवार के निधन पर शोक जताया है और इसे सिनेमा

▶10 पर

अर्ध सैनिक बल के साथ केंद्र सरकार कर रही धोखा

काडर पदों पर भी हो रही आईपीएस की तैनाती

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) के बारे में बोलती तो बहुत है, लेकिन करती कुछ नहीं। उल्टे केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों के पर कतरने की हरकतें लगातार जारी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सीएपीएफ के काडर पदों पर काडर अफसरों को ही नियुक्त करने का फैसला दिया था। लेकिन केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ताक पर रख दिया और काडर पदों पर भी आईपीएस अफसरों को तैनात करना शुरू कर दिया। यहां तक कि कमांडेंट और सहायक कमांडेंट के काडर पदों पर भी आईपीएस अफसरों को तैनात कर पूरे सीएपीएफ का मनोबल गिराने का काम केंद्र सरकार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार ने रिव्यू पेटिशन दाखिल कर दिया है।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पदोन्नति एवं वित्तीय हितों के मोर्चे पर पिछड़ चुके कैडर अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से उम्मीद बंधी थी कि उनके साथ न्याय होगा। विशेषकर सहायक कमांडेंट, जिन्हें 15 साल में भी पहली पदोन्नति नहीं मिल रही, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उनके चेहरे खिल उठे थे। 23 मई को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ओका और जस्टिस उज्जवल भुयान ने एक अहम फैसले में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में संगठित समूह-ए सेवा (ओजीएएस) लागू करने की बात कही थी। इसके लिए छह माह की समय-सीमा तय की गई। सर्वोच्च अदालत ने इन बलों में बतौर प्रतिनियुक्ति बाहर से आने वाले आईपीएस की संख्या (सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड के स्तर तक) को धीरे-धीरे कम करने की बात कही। उनकी सेवा अवधि अधिकतम 2 वर्ष तक सीमित रखने पर बल दिया। खास बात है कि इस फैसले के बाद सीएपीएफ में डीआईजी और आईजी ही नहीं, कमांडेंट के पदों पर भी आईपीएस की तैनानी होने लगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अभय श्रीनिवास ओका और उज्जल भुइयां द्वारा दिए गए फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पेटिशन में चली गई है। सरकार के इस कदम को 13000 कैडर अधिकारियों के लिए एक बड़ा झटका बताया जा रहा है।

केंद्र ने ताक पर रख दिया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में संगठित समूह ए सेवा (ओजीएएस) लागू किया जाए।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,090/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,15,313/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 20^0

शिवाजी महाराज के 12 किले युनेस्को धरोहर में शामिल

यह सम्पूर्ण देश के लिए गर्व की बात है : मोदी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। यूनाइटेड नेशंस एडुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूनेस्को) ने मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े 12 ऐतिहासिक किलों को अपनी विश्व धरोहर की सूची में शामिल कर लिया है। यह निर्णय पेरिस में आयोजित विश्व धरोहर समिति (डब्लूएचसी) के 47वें सत्र के दौरान लिया गया। भारत के लिए यह 44वीं सम्पत्ति है जिसे यह वैश्विक मान्यता मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सम्पूर्ण देश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि ये ऐतिहासिक दुर्ग मराठाओं की मजबूत रणनीति और शूरवीरता का गवाह हैं।

शिवाजी महाराज के ये किले महाराष्ट्र से तमिलनाडु तक फैले हुए हैं। यूनेस्को के विश्व धरोहर में शामिल किए जाने वाले शिवाजी महाराज के किलों में से 11 किले साल्हेर, शिवनेरी, लोहगढ़, खंडेरी, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजय दुर्ग और सिंधुदुर्ग महाराष्ट्र में हैं। इस लिस्ट में तमिलनाडु स्थित जिंजी किला भी शामिल है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने इन्हें स्वराज्य के लिए बनवाया था। ये किले मराठा साम्राज्य की वास्तुकला (बनावट) और उनकी युद्ध कला को दिखाते हैं।

मराठाओं की मजबूत रणनीति का गवाह हैं ये किले

ये किले अलग-अलग जगहों पर बने हैं। ये दिखाते हैं कि मराठा सैनिक कितने समझदार थे और रणनीतिक रक्षा योजना को दर्शाते हैं। कुछ किले पहाड़ों पर हैं। इन्हें पहाड़ी किले कहते हैं। जैसे साल्हेर, शिवनेरी, लोहागढ़, रायगढ़, राजगढ़ और जिंजी। प्रतापगढ़ किला जंगल के बीच एक पहाड़ पर बना है। पन्हाला एक पहाड़ी पठार पर स्थित किला है। विजयदुर्ग समुद्र किनारे बना है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के मेगा ट्रेड फेयर की पत्रिका का विमोचन

मंत्री शिवानंद एस पाटिल करेंगे उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के राष्ट्रीय स्तर के मेगा ट्रेड फेयर के सफलता पूर्वक आयोजन के लिए सभी सदस्यों की एक बैठक गांधी नगर स्थित होटल देसी मसाला में आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि आगामी 22 जुलाई से 24 तक कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का मेगा फेयर स्थानीय पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार में होगा। मीटिंग का मंच संचालन महिपाल जैन के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान मुख्य रूप से मेगा ट्रेड फेयर की पत्रिका का विमोचन भी किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि लगातार चौथे वर्ष आयोजित होने वाले फेयर में स्टॉल्स के प्रति व्यापारी साथियों में उत्साह है।

उन्होंने बताया कि मंदी के दौर में व्यापारिक क्षेत्र में कैसे नए नए प्रोडक्ट्स ग्राहकों को उपलब्ध करवा कर हम अपने व्यापार को बढ़ा सकते है। इस बाबत फेयर की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि तीन दिवसीय इस मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन कर्नाटक सरकार में टैक्सटाइल मिनिस्टर शिवानंद एस पाटिल करेंगे। जेडआरयूसीसी मेंबर महेंद्र सिंघी सहित अनेक गणमान्य विशिष्टजन भी बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे। उन्होंने आयोजन की रुपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी। सचिव रविन्द्र बंबोली ने बताया कि ट्रेड फेयर की तैयारियां जोरों से चल रही है, जिसमें उन्होंने स्टॉल्स की बुकिंग भी जल्दी से जल्दी होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। बम्बोली ने बताया कि फेयर में आने वाले व्यापारियों के लिए निःशुल्क विभिन्न प्रकार के खाद्य अथवा पेय पदार्थों, भोजन प्रसाद आदि की उत्तम व्यवस्था रखी है।

उपाध्यक्ष महावीर जैन ने विश्वास जताया कि बेंगलूरु व कर्नाटक से आने वाले व्यापारियों की संख्या ज्यादा ज्यादा होगी। जैन के मुताबिक फेयर संबंधी जानकारी अथवा आमंत्रण की पत्रिका का वितरण 8 से 10 हजार लोगों को किया जायेगा। इस दौरान सह सचिव चैंकी जैन, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य गौरव शर्मा, राजेश चोपड़ा, मूल सिंह राजपुरोहित, महेन्द्र जैन सहित एसोसिएशन के पदाधिकारीगण विभिन्न व्यवस्थ-ाओं के सहयोग हेतु मौजूद रहे। सभी का आभार अश्विन सेमलानी ने व्यक्त किया।

हमें प्रतिपल परमात्मा का स्मरण रखना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि एक छोटा सा निमित्त मिलते ही हमारा मन भटक जाता है। हमारा मन और पांचो इंद्रियां मिलकर हमारे मन को विचलित कर देती है। हमें हर दैनिक क्रिया करते समय जयणा का पालन करना चाहिए। थोड़ी सी भी असावधानी रखने से अनेक जीवों की हिंसा हो सकती है। हमारे अपने करण को वश में करने के लिए हमें परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। जो भी हमने अच्छे कार्य किए हैं उनका स्मरण सतत करना है, ताकि हमारे अंतिम समय में भी वह करण स्मरण में आए तब हमारे भाव अच्छे होंगे और अच्छे कार्य के प्रति अनुमोदना हो सके। हमारे अंतिम समय में जैसी मति रहेगी वैसे ही हमारी आगामी भवगति मिलेगी। हमें परमात्मा से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि हमें मार्गानुसारी जीवन व्यतीत करते हुए इस भव को व्यतीत करना चाहिए। करण के साथ जब स्मरण जुड़ जाता है तब हमारी आत्मा का कल्याण हो जाएगा। हम करण और स्मरण के द्वारा इस भव को भी जीत सकते हैं। हमें तीन लोक के नाथ का स्मरण कभी नहीं छोड़ना है। हमें सिर्फ और सिर्फ परमात्मा की शरण को पकड़ कर रखना चाहिए। रविवार को विशेष कार्यक्रम में दादा गुरुदेव इक्तीसा पर आठ टीमों के बीच रोचक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके विजेता बिलाड़ा टीम रही, द्वितीय स्थान विक्रमपुर टीम ने तथा तृतीय स्थान अजमेर टीम ने प्राप्त किया।

घृष्णेश्वर में बेंगलूरु, चेन्नई के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बंधुओं का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु एवं चेन्नई के सदस्य हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन यात्रा के तहत समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में महाराष्ट्र में ज्योतिर्लिंग दर्शन करने पहुंचे। बेंगलूरु व चेन्नई के करीब 150 समाज बंधुओं (महिला, पुरुष) का एक ग्रुप वायुयान से पुणे पहुंचा, वहां से चार बस द्वारा अष्ट विनायक में से एक राजणगांव गणेश के दर्शन कर वहां से शनिसिंगणापुर दर्शन करते हुए सुप्रसिद्ध बारहवें ज्योतिर्लिंग घृष्णेश्वर शिव के दर्शन करने पहुंचा।

घृष्णेश्वर शिव के दर्शन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, चेन्नई समाज अध्यक्ष अशोक शर्मा, चेन्नई समाज महिला अध्यक्षा सरला शर्मा, बेंगलूरु माध्यम महिला अध्यक्षा संतोष शर्मा, चंद्रा शर्मा आदि सभी का माल्यार्पण एवं उपरना पहनाकर स्वागत सत्कार महाराष्ट्र राज्य शाकद्वीपीय ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष संदीप शर्मा, महामंत्री रविन्द्र शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य सुरेश शर्मा, आशीष शर्मा ने किया। अहिल्यानगर महाराष्ट्र समाज अध्यक्ष संजय शर्मा का भी स्वागत किया गया। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज, जलगांव से आए समाज बन्धुओं ने नाश्ता के पैकेट वितरीत किए। महाराष्ट्र सभा द्वारा सभी समाजियों को ओम नमः शिवाय के दुपट्टे पहना के से स्वागत किया गया। महाराष्ट्र राज्य शाकद्वीपीय ब्राह्मण सभा के भूतपूर्व महामंत्री शिवप्रसाद शर्मा, जलगांव भी उपस्थित थे। उनके साथ जलगांव से किशोर शर्मा, प्रकाश शर्मा, संदीप शर्मा, मनीष शर्मा, चालीसगांव से गोविन्द शर्मा, हेमंत शर्मा भी स्वागत सम्मान करने घृष्णेश्वर उपस्थित थे। उमंग, उल्हास पूर्ण, भक्ति भाव भरा माहौल था। शंकर भगवान का जयघोष वातावरण में गुंजायमान होता रहा था। इस अवसर पर चंद्रा शर्मा, राजेश शर्मा, सुरेश शर्मा, जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, भूपेश कश्यप, कैलाश शर्मा, जेठमल शर्मा, मनोज शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

संस्कार जीवन निर्माण की प्रयोगशाला और जीवन की अमूल्य धरोहर है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम अर्हम भवन में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम साध्वी द्वारा नमस्कार महामंत्र के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई। साध्वी श्री संयमलता जी ने कहा व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान वेश, परिवेश से नहीं बल्कि संस्कारों से होती है। संस्कार जीवन निर्माण की प्रयोगशाला है, जीवन की अमूल्य धरोहर है, संस्कार व्यक्ति को संवारने में, कर्तव्य को निखारने की बेजोड़ मिशाल है। आज के बच्चों के पास टेक्नोलॉजी हैं, ज्ञान है, अवसर आदि सब कुछ है पर जो उन्हें सबसे अलग बनाता है वह है संस्कार। बच्चे इक्यू, आईक्यू के साथ एस क्यू यानि अच्छे संस्कारों से अपनी पहचान बनाएं। आचार्य तुलसी द्वारा प्रदत्त ज्ञानशाला-संस्कार निर्माण की शाला है, सुनहरा उपवन है। हर बच्चे को विकसित करने में ज्ञानशाला प्रशिक्षका एवं माता-पिता का विशेष योगदान है। ऐसे ही हमारी ज्ञानशाला चलती रहे। साध्वी मार्दव श्री ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए कहा कि जीवन को ऊंचाई देने एवं सफल बनाने का सुंदर उपक्रम है संस्कार। सॉरी एवं थैंक्यू जैसी छोटी-छोटी बातें ही संस्कार निर्माण करने वाली है, बच्चे हमारे भविष्य को संवारने वाले बने। साध्वी रौनक प्रभा जी ने अपने विचार व्यक्त किये।

निधि चावत द्वारा आचार्य भिक्षु पर आधारित भक्ति गीत का वीडियो लॉन्च किया गया, मंत्र दीक्षा एवं वीडियो के प्रायोजक परिवार मनोहर लाल, राकेश, मुकेश बाबेल परिवार का सम्मान किया गया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं ने मंगलाचरण किया। तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया ने पधारे हुए सभी गणमान्य एवं श्रावक समाज का स्वागत किया। इस अवसर पर टी पी एफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अणुविभा राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, सभा विजयनगर उपाध्यक्ष बाबूलाल बोथरा, महिला मंडल अध्यक्षा महिमा पटावरी, परिषद प्रभारी रोहित कोठारी ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। ज्ञानशाला ज्ञानार्थियों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतिया दी गई, विजयनगर ज्ञानशाला संयोजीका ममता मांडोत, कामाक्षीपल्या संयोजिका टीना मांडोत एवं डिवीनिटी अपार्टमेंट संयोजिका सुनीता पटावरी का अथक श्रम एवं सहयोग रहा।

डोड्डबल्लापुर में सामायिक दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में युवा शाखा कर्नाटक द्वारा रविवार को डोड्डबल्लापुर के एस. एस. जैन भवन में सामायिक दिवस का आयोजन चेयरमैन राकेश लोढ़ा जैन, को-चेयरमैन मनोज बोहरा जैन एवं डोड्डबल्लापुर जिला युवा अध्यक्ष नवीन बाफना जैन के मार्गदर्शन से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय युवा के लिए, आत्मचिंतन का समय सामायिक के संग तथा रील्स नहीं, रियल ज्ञान सामायिक स्वाध्याय है असली प्लान था। जिसने युवाओं को डिजिटल व्यस्तताओं से दूर आत्मचिंतन और धर्म की ओर प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन डोड्डबल्लापुर श्रीसंघ एवं युवा मंडल के तत्वावधान में किया गया, जिसमें प्रातः 7 से 8 बजे तक 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने सामायिक स्वाध्याय किया। युवाध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली जैन एवं महामंत्री किशोर बाफना जैन ने उत्तम व्यवस्था की सरहाना करते हुए श्रीसंघ एवं युवा संघ का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा युवा शाखा द्वारा हो रहे अनेक योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी। युवा प्रचार प्रसार मंत्री यश बाफना जैन ने बताया कि इस पुण्य अवसर पर राष्ट्रीय युवा कानून सलाहकार मंत्री विशाल छल्लानी जैन, कोषाध्यक्ष रुपेश सिसोदिया जैन, सहकोषाध्यक्ष सुनील बम्ब जैन, नवनंदित लुंकड़ जैन, संजय तलेसरा जैन, प्रवीण मुथा जैन, प्रदीप कांटेड जैन, विकास मेहता जैन, सुनील छाज्जेड जैन, डोड्डबल्लापुर जिला युवा टीम से उपाध्यक्ष कमलेश बोहरा जैन, मंत्री निखिल गाड़िया जैन, सहमंत्री कुणाल लुंकड़ जैन, कोषाध्यक्ष रतनलाल ओस्तवाल जैन, ललित बोहरा जैन, मनीष जैन, एस. एस. जैन संघ डोड्डबल्लापुर के मंत्री रमेश कवाड़, सुजीत मक्काना, पदम कवाड़ एवं अनेक युवा साधकों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर धर्म के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। महेश कांकरिया ने संचालन किया।

साधक को यह समझना होगा कि आत्मा बलवान है या कर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में महासती श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि हम जब तक नित्य और अनित्य में भेद नही समझेंगे तब तक जीव और अजीव के भेद का महत्व भी हम नही समझ पाएंगे। शरीर अनित्य है।

आत्मा नित्य है। परन्तु हम शरीर का ध्यान रखते हैं और आत्मा को गौण कर रहे हैं। यह गलती अनंत काल से कर रहे हैं। प्रवचन प्रारंभ करते हुए महासती श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि साधक को यह समझना होगा कि आत्मा बलवान है या कर्म। कर्मो के बंधन ने अनंत शक्ति संपन्न आत्मा को जकड़ लिया है और मुक्ति के लिए हमारे पुरुषार्थ भी आधे अधूरे हैं। ऐसी करणी से मुक्ति पाना संभव नही है। हमारे संकल्प मजबूत होंगे तो ही मंजिल मिल सकती है। प्रवचन सभा में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी द्वारा बड़ी साधु वंदना पर आधारित प्रश्नोत्तर पुस्तिका का विमोचन मदनबाई, सुभाषचंद बोहरा एवं सुरेश कुमार बागरेचा ने किया। सभा में जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद गादिया, मंत्री सुरेन्द्र बेताला, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गादिया सहित अनेक संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बड़ी साधु वंदना पर विमोचित पुस्तक और प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

बेंगलूरु महानगर में प्रारंभ किया अणुव्रत आन्दोलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा निर्देशित अणुव्रत आन्दोलन को जन जन तक पहुंचाने हेतु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत प्रकल्प के बारे रामेश्वरम कैफे के मालिक राघवेन्द्र राउ को अणुव्रत के 11 नियमों की जानकारी दी। कैलाश ने कहा अणुव्रत मानव के मानवीय मूल्यों को उजागर करने वाला उपक्रम है। सभी को अणुव्रती बनाने के लिए प्रेरित किया। अणुव्रती बनकर हम देश के लिए, समाज के लिए एक अच्छे नागरिक बन सकते है। कर्नाटक पर्यावरण प्रभारी संपत चावत भी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर कर्नाटक राज्य प्रभारी सुरेश देरासरिया, मुस्कान नौलुका, खामोश मेहर, ललित देरासरिया भी उपस्थित रहे।

मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी के सानिध्य में गांधीनगर भवन में संयुक्त रूप से मंत्र दीक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगल-ाचरण से हुई। मुनि डॉ पुलकितकुमारजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने जो एक संकल्प लिया था वो आज साकार होते हुए दिख रहा है। मुनि ने नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए सभी बच्चों से संकल्प कराया कि वह प्रतिदिन कम से कम 27 बार नमस्कार महामंत्र का जाप करें एवं स्कूल, कॉलेज या रास्ते में जाते समय कोई भी साधु साध्वी मिलते है तो हाथ जोड़कर मथेंन वंदामी बोलना चाहिए। बच्चों में अपने सिद्धांतों एवं नमस्कार महामंत्र के प्रति अटूट आस्था होनी चाहिए। मुनि ने ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों को नमस्कार महामंत्र का महत्व बताते हुए उनको मंत्र दीक्षा प्रदान की तथा अन्य संकल्प भी दिलाये। अभिभावकों से अपने बच्चों को ज्ञानशाला में अवश्य भेजने और प्रशिक्षकों के श्रम को सार्थक करने को कहा। ज्ञानशाला के 400 बच्चों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और राज-ाजीनगर ज्ञानशाला से लगभग 33 बच्चों ने मुनि से मंत्र दीक्षा ग्रहण की। मुनि आदित्यकुमारजी ने मंत्र दीक्षा के उपलक्ष्य में गीत का संगान किया। ज्ञानशाला के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा परिवार, महिला मंडल परिवार, तेयुप अध्यक्ष जीतेश दक, मंत्री अनिमेष चौधरी, रवि चौधरी, पंकज बोहरा आदि लोग मौजूद रहे।

जीवन में शांति पाने के लिए क्रोध पर काबू पाना सीख लो: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए क्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है। जिस प्रकार पशु को घास तथा मनुष्य को आहार के रूप में अन्न की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार भगवान को भावना की जरूरत होती है। प्रार्थना में उपयोग किए जा रहे शब्द महत्वपूर्ण नहीं बल्कि भक्त के भाव महत्वपूर्ण होते हैं। साध्वी शीतल गुणा जी ने कहा कि कोई भी सुरक्षा मनुष्य को मौत से नहीं बचा सकती। मौत के आगे सुरक्षा भी फेल हो जाती है। हम अपने जीवन की रक्षा के लिए भले ही कितने सुरक्षा कर्मचारी तैनात कर लें लेकिन वे मौत से नहीं बचा सकते। बाहरी सुर-क्षाकर्मी कुछ नहीं कर सकते। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र जैन ने किया।

धर्मस्थल शव दफनाने का मामला

पुलिस जाँच अधिकारी बदलने या मामला एसआईटी को सौंपने के बारे में शिकायतकर्ता का रुख जानेगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ पुलिस ने कहा है कि उन्हें शिकायतकर्ता से इस बारे में उनका रुख जानना होगा कि क्या जाँच अधिकारी (आईओ) बदलने की जरूरत थी या धर्मस्थल में शवों को दफनाने के कथित मामले की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) गठित करने की जरूरत थी, इससे पहले कि वे इस पर कोई फैसला लें।

शनिवार देर रात पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि कुछ वर्ग जनहित में जाँच अधिकारी बदलने या मामले की जाँच एसआईटी को सौंपने की माँग कर रहे हैं। पुलिस को शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों से भी यह पता लगाना होगा कि क्या उन्हें इस माँग के बारे में पता था। बयान में बिना विस्तार से बताए कहा गया है, शिकायतकर्ता के वकीलों द्वारा 11 जुलाई को मीडिया को दिए गए कुछ बयान तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

इस बीच, धर्मस्थल पुलिस ने 11 जुलाई को यूट्यूबर एम.डी. समीर के खिलाफ धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना), 240 (गलत जानकारी देना), 353 (1) (बी) (जनता या जनता के किसी भी वर्ग में भय या चिंता पैदा करने के इरादे से, या जिससे किसी व्यक्ति को राज्य या सार्वजनिक शांति के विरुद्ध अपराध करने के लिए प्रेरित किया जा सके) और बीएनएस (अपराध संख्या 42/2025) के तहत मामला दर्ज किया। 12 जुलाई को एक बयान में, पुलिस ने यूट्यूबर पर अपने चैनल के माध्यम से जनता को दफनाने के मामले में झूठी और मनगढ़ंत जानकारी देने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया है कि शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत और अदालत में दी गई जानकारी के अलावा, यूट्यूबर द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी झूठी और मनगढ़ंत थी। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि शिकायतकर्ता, जिसका दावा है कि उसने एक दशक पहले धर्मस्थल गाँव के अधिकार क्षेत्र में कथित हत्या और बलात्कार पीड़ितों के कई शवों को दफनाया था, ने 11 जुलाई को बेल्टांगडी अदालत के प्रधान सिविल न्यायाधीश और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष शवों के कुछ कंकाल पेश किए, जिनके बारे में उसने दावा किया था कि उसने खुद ही कब्र खोदकर निकाले थे। उसने मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दिया। पुलिस ने शिकायतकर्ता के वकीलों और पंच गवाहों के सामने शवों के अंगों को जब्त कर लिया। शिकायतकर्ता, जिसका दावा है कि उसने 1995 से दिसंबर 2014 के बीच धर्मस्थल में सफाई कर्मचारी के रूप में काम किया था, ने 3 जुलाई को एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि उसे कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। अदालत की अनुमति के बाद, धर्मस्थल पुलिस ने 4 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 211 (ए) के तहत मामला दर्ज किया। चूँकि शिकायतकर्ता ने नाम न बताने की शर्त रखी है, इसलिए पुलिस ने उसका विवरण सार्वजनिक नहीं किया है। 10 जुलाई को जिले के सक्षम प्राधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता को सुरक्षा प्रदान करने की मंजूरी दे दी गई थी।

अगले कुछ दिनों तक राज्य में और अधिक बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मौसम में लगातार बदलाव के कारण राज्य में बारिश का दौर बढ़ गया है। बेंगलूरु समेत राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

तटीय, मलनाड और आंतरिक इलाकों में आंशिक और व्यापक बारिश हुई है। राजधानी बेंगलूरु में शनिवार दोपहर से शुरू हुई बारिश शाम तक जारी रही। शाम के बाद रुकी बारिश रविवार दोपहर फिर से शुरू हो गई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हल्की बारिश के कारण बादल छाए रहने से वाहन चालकों और लोगों के दैनिक कार्यों में बाधा आई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर से सक्रिय हो गया है और बारिश बढ़ेगी। अगले सप्ताह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों ने कहा कि बारिश का एक और दौर शुरू होने के संकेत हैं। तटीय और मलनाड जिलों में, जहाँ लगातार बारिश के कारण भारी बारिश हो रही थी, पिछले तीन दिनों से बारिश में भी कमी आई है। हालांकि, राज्य के आंतरिक भागों के कई हिस्सों में, जो लगातार शुष्क मौसम के कारण बारिश की कमी से जूझ रहे थे, शनिवार से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे के जयापुरा गेट के पास रविवार सुबह हुई एक दुर्घटना में एक कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चिकनायकनहल्ली निवासी तमन्ना गौड़ा (56) के पुत्र मुथुराज (28) और मूल रूप से हासन निवासी चालक सचिन (27) इस दुर्घटना के शिकार हुए। वे बेंगलूरु में रहते थे और सुबह मदुविनाकुडी गाँव से एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद स्विफ्ट कार से मैसूरु से बेंगलूरु लौट रहे थे, तभी चालक का नियंत्रण खो गया और जयापुरा गेट के पास सड़क किनारे लगे एक बैरियर से टकरा गई। टक्कर में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना चालक के नींद में गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जानकारी मिलते ही रामनगर यातायात पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, निरीक्षण किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। एक्सप्रेसवे पर सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद से दुर्घटनाएँ नियंत्रण में आई हैं, लेकिन सप्ताहांत में इस सड़क पर यातायात काफी ज्यादा होता है। गाड़ियाँ ऐसे चलती हैं मानो हवा में तैर रही हों। अगर चालक नियंत्रण में गाड़ी चलाएँ तो दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने परिषद की नियुक्तियों को रोका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद की चार सीटों की नियुक्ति को लेकर डी.के. शिवकुमार विवादों में हैं और 16 तारीख को होने वाली बैठक में इस पर बातचीत होने की संभावना है। केपीसीसी मीडिया इकाई के अध्यक्ष रमेश बाबू, दलित संघर्ष समिति के नेता डी.जी. सागर, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश अमीन मट्टू और एनआरआई इकाई की उपाध्यक्ष आरती कृष्णा के नाम विधान परिषद सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए सुने गए हैं। सूची को राज्य भवन भेजे जाने के चरण में ही रोक दिया गया है। शिवकुमार ने शिकायत की है कि उनके द्वारा सुझाए गए लोगों को नियुक्ति में मौका नहीं मिला, और इस वजह से पूरी सूची को ही रोकना पड़ा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के ईमानदार व्यवहार की उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। चार संभावित नामों की सूची मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सौंपी है। सूची जब राज्य भवन भेजी जाने वाली थी, तभी लीक हो गई। रमेश बाबू, जिन्हें इसकी जानकारी मिली, मुख्यमंत्री को सूचित करने पहुंचे थे। इसी दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आरती कृष्णा से पूछा क्या आप पहले से ही अनिवासी भारतीय इकाई में कार्यरत हैं? उन्होंने बताया कि आपको एक वर्ष के लिए विधान परिषद का सदस्य नियुक्त किया जा रहा है। आरती कृष्णा यह जानकर व्यथित हो गई कि उनका कार्यकाल केवल एक वर्ष का है। आलाकमान स्तर पर प्रभावशाली होने के कारण, उन्होंने तुरंत दिल्ली में नेताओं से संपर्क किया और अपनी शिकायत व्यक्त की। इस प्रकार, राज्य भवन पहुँचने वाली सूची को रोक दिया गया।

इस अंतराल में विभिन्न प्रकार के असंतोष और चर्चाएँ उत्पन्न हुईं। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि विधान परिषद के लिए बी.एल. शंकर और विनय कार्तिक के नामों की सिफारिश की गई थी। दिनेश अमीनमट्टू को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ओर से और डी.जी. सागर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से नामित किया गया था। डी.के. शिवकुमार द्वारा सुझाए गए नामों की जगह, आलाकमान ने आरती कृष्णा का नाम जोड़ दिया। चौथे पद के लिए हर नेता ने तीन-चार नाम सुझाए थे। इनमें से रमेश बाबू का नाम सिद्धरामैया और मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों ने सुझाया था।

इस तरह, रमेश बाबू का नाम सर्वसम्मति से चौथे पद के लिए चुना गया। मंत्री प्रियांक खड़गे भी इस पर अड़े थे। आरती कृष्णा की शिकायत के कारण सूची राज्य भवन पहुँचने में देरी होने के कारण, डी.के. शिवकुमार सतर्क हैं। हालाँकि जिन लोगों को उन्होंने सलाह दी थी, उनके नाम सूची में नहीं हैं क्योंकि यह पार्टी का फैसला है, फिर भी बिना किसी देरी के हस्ताक्षर करने वाले डी.के. शिवकुमार ने अपने समर्थकों के साथ हो रहे अन्याय की निंदा शुरू कर दी है।

तुंगभद्रा नदी में नहाते समय तीन युवक डूबे

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। संत के दर्शन के लिए मंत्रालय गए राज्य के सात श्रद्धालुओं में से तीन तुंगभद्रा नदी में एक हृदयविदारक घटना में डूब गए। डूबने वाले युवकों की पहचान कोडागु जिले के सांगापुर गाँव के अजित कुमार (20), हासन जिले के अरसिकेरे के सचिन जी.के. (20) और प्रमोद जी.एम. (20) के रूप में हुई है।

ये तीनों युवक, जो अपने चार अन्य दोस्तों के साथ मंत्रालय के राघवेंद्र श्री के दर्शन करने आए थे, उफनती तुंगभद्रा नदी में नहाने के लिए उतरे तो पानी में बह गए। मंत्रालय पुलिस, जो तुरंत मौके पर पहुँची, ने युवकों को बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें उफनती तुंगभद्रा नदी से नहीं बचाया जा सका। मंत्रालय पुलिस स्टेशन ने बताया कि लगातार अभियान के बाद, पानी में बह गए तीनों युवकों के शवों को बाहर निकाल लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए एमिगेपुरम जनरल अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया है। तीनों युवक दोस्त थे और अपनी डिग्री की पढ़ाई कर रहे थे। कॉलेज की छुट्टियों के कारण, वे राजा के दर्शन करने मंत्रालय आए थे और नदी में चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब वे पानी में उतरे, तो उनके पैर फिसल गए और वे बह गए। मंत्रालय पुलिस, दमकल विभाग और श्रीमत के कर्मचारियों द्वारा रविवार सुबह नदी में फिर से खोजबीन करने के बाद तीनों के शव नदी से निकाले गए।

बेंगलूरु में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के लिए बीएमआरसीएल डिपो का उन्नयन करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के नम्मा मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की तैयारी में, बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) अपने मौजूदा ट्रेन डिपो का उन्नयन कर रहा है ताकि अतिरिक्त रेक, विशेष रूप से पर्पल और ग्रीन लाइनों के लिए, जहाँ आने वाले महीनों में 21 नई ट्रेनें आने वाली हैं। वर्तमान में, मेट्रो ट्रेन संचालन पीन्या (ग्रीन लाइन के लिए), कडुगोडी-व्हाइटफील्ड (पर्पल लाइन के लिए) और बैयप्पनहल्ली स्थित डिपो द्वारा समर्थित है। आर.वी. रोड और बोम्मासंद्रा के बीच आगामी येलो लाइन की सेवा के लिए हेब्बागोडी में एक नया डिपो भी बनाया गया है। बीएमआरसीएल अधिकारियों के अनुसार, अतिरिक्त ट्रेन सेटों के समर्थन के लिए पीन्या डिपो का कई उन्नयन किया जा रहा है। इन सुधारों में अतिरिक्त प्लेटफार्मों का निर्माण, तीन-डिब्बों वाले कोचों के लिए एक जैकपिट और अन्य आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण शामिल है। एक अधिकारी ने बताया, इन कार्यों की कुल लागत 1.94 करोड़ अनुमानित है। ये सुधार ट्रेनों के कुशल संचालन और रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे मेट्रो नेटवर्क में सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है। इस बीच, बैयप्पनहल्ली डिपो में 249.19 करोड़ की लागत से बड़े पैमाने पर पुनर्विकास कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। यह उन्नत सुविधा बीएमआरसीएल प्रणाली में दो-स्तरीय संरचना वाली पहली सुविधा होगी। पुनः डिजाइन किया गया डिपो बाहरी रिंग रोड खंड (चरण 2ए) पर चलने वाली 16 ट्रेनों और एयरपोर्ट लाइन (चरण 2बी) पर विपरीत दिशाओं में चलने वाली 21 ट्रेनों को सहारा देने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है। बैयप्पनहल्ली दोनों कॉरिडोर के बीच में स्थित है और हवाई अड्डे के पास नए शेट्टीगेरे डिपो के चालू होने तक परिचालन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

अधिकारी ने आगे कहा वर्तमान में, बैयप्पनहल्ली डिपो चल्लघट्टा को व्हाइटफील्ड से जोड़ने वाली 43.49 किलोमीटर लंबी पर्पल लाइन की सेवा प्रदान करता है।

हालाँकि, एक बार पुनर्निर्माण पूरा हो जाने के बाद, पर्पल लाइन के रखरखाव की जिम्मेदारी कडुगोडी और चल्लघट्टा डिपो के बीच विभाजित हो जाएगी, क्योंकि उन्नत बैयप्पनहल्ली डिपो एयरपोर्ट लाइन का संचालन शुरू कर देगा।

इन विकास कार्यों के अलावा, विस्तारित मेट्रो नेटवर्क को सहयोग देने के लिए पाँच नए डिपो निर्माणाधीन हैं। इनमें शेट्टीगेरे (एयरपोर्ट लाइन), कोथनूर (नागवारा से कलेना अग्रहारा तक पिंक लाइन), अंजनपुरा (ग्रीन लाइन विस्तार), चल्लघट्टा (पर्पल लाइन विस्तार), और हेब्बागोडी (येलो लाइन) शामिल हैं।

भाजपा कांग्रेस विधायकों को ईडी और आयकर छापों की धमकी दे रही: विजयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक और कांग्रेस नेता विजयानंद कशप्पनवर ने हुंगुंड में दावा किया है कि भाजपा ने प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग के जरिए निशाना बनाने के लिए 55 कांग्रेस विधायकों की सूची तैयार की है और वह उनमें से एक हैं। उन्होंने रविवार को संवाददाताओं से कहा भाजपा इस बात से नाराज है कि हम कांग्रेस छोड़कर उनके साथ नहीं जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी बदले की भावना से काम ले रही है। वह अपने राजनीतिक फायदे के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। दुर्भाग्य से, आम लोगों को यह पता नहीं है। भाजपा उन्हें गुमराह कर रही है। उन्होंने आगे कहा कर्नाटक में भाजपा कभी अपने दम पर सत्ता में नहीं आई। वह हमेशा विपक्षी विधायकों को अपने पाले में लाती रही है। उसने उन्हें लुभाने के लिए डर और पक्षपात का इस्तेमाल किया है। लोगों को ऐसी बातें जानने का हक है।

गुफा से दो बेटियों के साथ रूसी महिला को बचाया गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आध्यात्मिकता में रुचि रखने वाली एक रूसी महिला और उसके दो छोटे बच्चों को उत्तर कन्नड़ जिले के कुमता तालुक की शांत लेकिन दुर्गम रामतीर्थ पहाड़ियों में स्थित एक सुदूर गुफा से बचाया गया। पुलिस ने महिला की पहचान 40 वर्षीय नीना कुटीना उर्फ मोही के रूप में की है, जो एक व्यावसायिक वीजा पर रूस से भारत आई थी और हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से गहराई से प्रभावित होकर गोवा होते हुए पवित्र तटीय शहर गोकर्ण पहुँची थी। उसके बच्चे, प्रेया (6) और अमा (4), उसके साथ जंगल के बीचों-बीच गए थे, जहाँ वे लगभग दो हफ्ते से पूरी तरह एकांत में रह रहे थे। वहाँ, मोही ने एक रुद्र मूर्ति रखी और प्रकृति के बीच आध्यात्मिक शांति की तलाश में पूजा और ध्यान में अपना दिन बिताया। उसके दो छोटे बच्चे ही उसके एकमात्र साथी थे। हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद शुक्रवार को नियमित गश्त के दौरान, सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर श्रीधर और उनकी टीम ने गुफा के बाहर कपड़े लटके हुए देखे। उत्सुकता और सतर्कता से, अधिकारी रामतीर्थ पहाड़ी की घनी झाड़ियों से होते हुए आगे बढ़े और गुफा में मोही और उसके दो बच्चों को पाया। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा हमारी गश्ती टीम ने रामतीर्थ पहाड़ी में गुफा के बाहर सूखने के लिए लटकी हुई साड़ियाँ और अन्य कपड़े देखे। जब वे वहाँ गए, तो उन्होंने मोही को उसके बच्चों प्रेया और अमा के साथ देखा। उन्होंने आगे कहा यह बहुत आश्चर्यजनक था कि वह और उसके बच्चे जंगल में कैसे जीवित रहे और उन्होंने क्या खाया। शुक्र है कि जंगल में रहने के दौरान उसके या उसके बच्चों के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। उनके अनुसार, महिला संभवतः गोवा से गुफा तक पहुँची थी। यह भी पता चला कि उसका वीजा 2017 में समाप्त हो गया था। उन्होंने कहा कि वह कितने समय से भारत में रह रही है, यह स्पष्ट नहीं है। नारायण ने आगे कहा हमने एक साध्वी द्वारा संचालित आश्रम में उसके रहने की व्यवस्था की है। हमने उसे गोकर्ण से बेंगलूरु ले जाने और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बेंगलूरु-मैसूरु रेल मार्ग के केंगेरी-हेज्जला खंड में एक नए रोड अंडर ब्रिज का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बेंगलूरु-मैसूरु रेल मार्ग के केंगेरी-हेज्जला खंड में लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 16 (रामोहल्ली गेट) पर एक नए रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की आधारशिला रखी और लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 15 (चल्लाघट्टा गेट) के स्थान पर एक पूर्ण रोड अंडर ब्रिज का उद्घाटन किया। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से क्षेत्र में यातायात और सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इस अवसर पर बोलते हुए वी. सोमन्ना ने देश भर में रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज परियोजन-ाओं के पूर्ण वित्तपोषण और क्रियान्वयन के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में 640 से अधिक रोड अंडर ब्रिज और रोड ओवर ब्रिज (आरयूबी और आरओबी) पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित चल्लघट्टा आरयूबी और आगामी रामोहल्ली आरयूबी, लेवल क्रॉसिंग पर देरी को कम करके और मैसूरु रोड की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करके स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत प्रदान करेंगे। वी. सोमन्ना ने कहा कि बेंगलूरु के 100 किलोमीटर के दायरे में सभी लेवल क्रॉसिंग गेटों को अगले तीन वर्षों के भीतर समाप्त करने की योजना है। उन्होंने शहर में चल रही और आगामी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में भी बात की, जिनमें स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत यशवंतपुर और बेंगलूरु छावनी स्टेशनों का पुनर्विकास और केएसआर बेंगलूरु स्टेशन का विश्व स्तरीय मानकों के अनुरूप उन्नयन शामिल है। मंत्री ने आगे कहा कि केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना प्रगति पर है, बयप्पनहल्ली-होसूर लाइन का दोहरीकरण किया जा रहा है और बेंगलूरु के पास एक मेगा कोचिंग टर्मिनल विकसित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आरयूबी के निर्माण से स्थानीय निवासियों की लंबे समय से लंबित मांगें पूरी होंगी और इससे महत्वपूर्ण स्थानों और धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले यात्रियों को लाभ होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लंबे प्रतीक्षा समय को कम करने और सड़क दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए लेवल क्रॉसिंग हटाना आवश्यक है। उन्होंने आगे देश भर में इस तरह के बुनियादी ढाँचे के उन्नयन में तेजी लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस अवसर पर टी.एन. जावरायी गौड़ा, विधान परिषद सदस्य, आशुतोष माथुर, बेंगलूरु मंडल के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, राजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्री त्रिशला बहू मंडल ने अपनी दसवीं वर्षगांठ मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री त्रिशला बहू मंडल ने अपनी दसवीं वर्षगांठ महासती निर्मला जी तथा श्री वर्धमान स्थानक वासी राजाजीनगर संघ के तत्व-ावधान में मनाई। राजाजीनगर संघ के सभी पदाधिकारी, त्रिशला महिला मंडल के पदाधिकारी, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, ब्राह्मी कन्या मंडल जीनेश्वर युवा, महावीर पाठशाला के टीचर्स उप-स्थित थे। सर्वप्रथम मंगलाचरण यशोदा दक, अरुणा, सपना ललवानी ने किया तथा स्वागत गीत नीमा देरासारिया तथा सीमा देरासरिया ने गाया। त्रिशला बहू मंडल के मंत्री ललिता कटारिया ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष सीमा बोहरा ने मंडल की गतिविधियां बताई। अध्यक्ष नीतू लुंकड़, जिनके नेतृत्व में 10 साल मंडल चला ने नई 7 कप्तान की टीम बनाई और घोषणा की। कोषाध्यक्ष हेमा चाणोदिया ने मंडल का लेखा-जोखा सुनाया। सह मंत्री ममता बागरेचा ने मंच का संचालन किया और सलाहकार रेखा श्रीश्रीमाल ने सभी को धन्यवाद दिया। संघ के अध्यक्ष प्रकाश चंद और मंत्री नेमीचंद दलाल ने भी बधाई प्रेषित की और कहा कि मंडल की निष्ठा और सेवा कार्य सभी के लिए जीवंत मिशाल है। त्रिशला महिला मंडल के अध्यक्ष सुशीला बाई एवं मंत्री रेखा पोकरणा ने भी बहू मंडल का हौसला बढ़ाया और शुभकामनाएं दी। कांता बागरेचा ने भी पाठशाला में अपने बच्चों को भेजने की प्रेरणा दी और मंडल को शुभकामनाएं दी। बहू मंडल के मेंबर्स डिंपल बोहरा, सुनीता कोठारी, चंद्रा कटारिया, अमिता नाहर, प्रीति मुणोत ने अपने भाव प्रकट किये और सभी को शुभकामनाएं दी। मास्टर मीठालाल पटवा का भी संघ पदाधिकारी द्वारा बहुमान हुआ। त्रिशला बहू मंडल के सभी सदस्यों ने बड़े जोश से भाग लिया और सभी का हौसला बढ़ाया।

अपना अस्तित्व आत्मा को जगाने में लगाएं: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित पूज्य साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी उपासना ने अपने प्रभावशाली प्रवचन में कहा कि जिस व्यक्ति की अनमोल घड़ियाँ धर्म में व्यतीत हो गईं, समझ लो उसका जीवन सफल और पुण्यमय हो गया। साध्वीश्री ने कहा कि यह मानव जीवन बहुत ही अनमोल और क्षणभंगुर है। ठीक उसी ओस की बूंद की तरह, जो सूरज की पहली किरण के आते ही विलीन हो जाती है। इसलिए समय रहते धर्म के रंगों से जीवन को रंगना चाहिए, क्योंकि जो धर्म से जुड़ता है वही जानता है कि जीवन का उद्देश्य क्या है। उन्होंने आगे कहा हर इंसान का अस्तित्व एक दिन मिट जाता है, इसलिए समय को केवल बाहरी अस्तित्व बनाने में नहीं, आत्मा को जगाने में लगाना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। साध-वीश्री ने सम्यक्त्व को आत्मा का स्वभाव बताते हुए कहा कि जो धर्म और आत्मा से जुड़ता है, वही सच्चा धर्मात्मा है। धर्म का पथ कठिन भले हो, लेकिन जिसने एक बार इस राह पर कदम रखा, उसे एक न एक दिन आत्मिक मंजिल अवश्य प्राप्त है। इस अवसर पर ब्राह्मी कन्या मण्डल द्वारा आयोजित भिक्षु दया के आयोजन में 30 कन्या मंडल एवं पाठशाला के सदस्यों ने भाग लिया। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। धर्म सभा में उप-स्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या निर्मलाजी ने मांगलिक एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

ब्राह्मी कन्या मंडल की ओर से स्तवन की प्रस्तुति रही। इस अवसर पर गौतमचंद ओस्तवाल, गणेशमल गुगलिया, नानालाल कोठारी व अन्य अनेक संघों से श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा किया गया।

जिंदगी की डोर एक बार छूट जाए तो फिर कभी भी जुड़ नहीं सकती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित पूज्य गुरुदेव श्री लोकेश मुनि जी ने व्याख्यान की शुरुआत करते हुए उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय में उल्लेख का वर्णन करते हुए फरमाया कि जिंदगी की डोर एक बार छूट जाए तो फिर कभी भी जुड़ नहीं सकती। जो कार्य आवश्यक है वह नहीं करना आलस है और जो कार्य वर्जित है उन्हें करना प्रमाद है और हमें प्रमाण को पूर्णतः त्यागना चाहिए। जैन आगमों में उल्लेखित है कि माता-पिता और दुखियारों की सेवा सबसे उत्तम कार्य है। पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने उत्तम जीवन के सदमार्ग को समझाया। प्रातः उठते ही देव स्मरण, गुरु नमन, सामायिक व व्याख्यान ग्रहण कर स्वाध्याय करना, संयम नियम दान करना, इच्छा अनुसार तप करना और दूसरों से अच्छे गुणों का श्रवण करना यही सब सर्वोत्तम जीवन का शुभ मार्ग है। श्री श्रमण संघीय उपाचार्य पूज्य श्री गणेशीला-लजी महाराज साहब की जन्म जयंती पर उन्हें भावपूर्ण वंदना व्यक्त की गई और उनकी महिमा का गुणगान किया गया। अच्छी संख्या में बेंगलूरु के उप नगरों से जन्मेदिनी उपस्थित थी। गौतमचंद नाबरिया ने गीत प्रस्तुत किया। गौतम चंद ओस्तवाल ने अपनी भावना व्यक्त की। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

सावन मेले में झूमी महिलाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सावन के महीने के आते ही महिलाओं व बच्चों को सावन की मस्ती का रंग चढ़ ही जाता है। सावन में बादल बरसते है तो मौसम भी सुनहरा बन जाता है। जिगनी स्थित मीनाक्षी रिसॉर्ट में शनिवार को प्रातः 10 बजे से ही अग्रवाल समाज की महिला शाखा अग्रवाल महिला मंडल द्वारा सावन महीना पवन करे शोर सावन मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष रतन लाल सिंघल, विक्रम अग्रवाल, रवि तायल, मदन अग्रवाल सहित युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला मंडल की अध्यक्षा नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल ने द्वीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। तत्पश्चात महिलाओं ने मनोरंजक खेल, झूला झूलने का आनन्द लेते हुए बचपन की यादें ताजा करने के लिए ठेला टपरी स्टॉल लजीज व्यंजन के साथ धमाल की पुल पार्टी व डीजे पर रेन डांस का भरपूर आनंद लिया। इस मेले में महिला मंडल की पूरी टीम का सहरानीय सहयोग रहा। अध्यक्ष सुभाष बसल ने सुंदर आयोजन के लिए महिला शक्ति को बधाई दी। सचिव सतीश गोयल ने महिला मंडल का आभार व्यक्त किया। आईपीपी अंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल भी उपस्थित थी। गणेश मित्तल ने सुन्दर सजावट के साथ लजीज व्यंजनों का आनन्द दिलाया।

बच्चों के लिए मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन राजराजेश्वरी नगर में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग कुल 70 बच्चों ने नमस्कार महामंत्र के सामूहिक संगान के साथ मंत्र दीक्षा ग्रहण की। साध्वी जी ने अपने प्रेरणा पाथेय में मंत्र दीक्षा को महत्वपूर्ण उपक्रम बताते हुए ज्ञानशाला के बच्चों को मंत्र में कितनी शक्ति होती है, छोटी सी कहानी के माध्यम से प्रेरणा दी। साथ ही खाते समय मोबाइल टीवी नहीं देखने के त्याग दिलाए। जैन धर्म, तेरापंथ युवक परिषद धर्म आदि आध्यात्मिक संस्कारों के सिंचन का कार्य करती है। बच्चों में सुसंस्कार एवं संघ व संघपति के प्रति प्रगाढ़ श्रद्धा जागृत होती रहे, इस हेतु मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। परिषद् मंत्री संदीप बैद ने सभी का स्वागत किया।

मंत्र दीक्षा कार्यशाला में ज्ञानशाला केंगेरी एवं राजराजेश्वरी नगर के बच्चो द्वारा प्रेरणादाई नाट्य प्रस्तुति दी गई। साध्वी बोधिप्रभा जी ने गीतिका गाकर प्रेरित किया। समाज के छोटे छोटे बच्चों में आध्यात्मिक विकास हेतु हमारी संस्था समय समय पर ऐसे कार्यक्रम करती रहती है। संचालन दर्शन तातेड एवं ज्ञान शाला शिक्षका सुधा दुगड़ ने किया। आभार तेयुप सहमंत्री प्रथम महेश मंडोत ने व्यक्त किया। तेयुप, तेरापंथ सभा, ट्रस्ट, महिला मंडल के पदाधिकारीगण, श्रावक श्राविका समाज, ज्ञानशाला परिवार राजराजेश्वरी नगर, केंगेरी आदि की उपस्थिति रही। यह जानकारी परिषद मीडिया प्रभारी विपुल जैन ने दी।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में कान सिंह राजपुरोहित की स्मृति में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 120 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। जांच के दौरान 56 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। जिन्हें चिकित्सकीय परामर्श के बाद कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र अस्पताल भेजा जाएगा। शिविर में अस्पताल के डॉक्टर अजय वेंकट और डॉक्टर विलय पारेख ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर की व्यवस्थाएं विजयकांत बी. एवं नर्सिंग कर्मियों ने संभाली। इस अवसर पर गवरी देवी, राजेश सिंह, संतोष कंवर, वन्या कंवर, विराट सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

शिवमोग्गा जेल के कैदी ने मोबाइल फोन निगला, सर्जरी हुई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गांजा तस्करी के आरोप में जेल की सजा काट रहे एक व्यक्ति ने कथित तौर पर मोबाइल फोन निगल लिया, जिससे उसके खिलाफ एक और मामला दर्ज हो गया। 30 वर्षीय दौलत उर्फ गुंडू ने इस साल 24 जून को जेल कर्मचारियों से संपर्क किया और बताया कि पत्थर का एक टुकड़ा निगलने के बाद उसे पेट में दर्द हो रहा है।

कर्मचारी उसे मैकगैन अस्पताल ले गए। उचित जाँच के बाद, डॉक्टरों ने उसके पेट में एक बाहरी वस्तु देखी और सर्जरी की सलाह दी। उसकी सर्जरी हुई और डॉक्टरों को एक इंच चौड़ा और तीन इंच लंबा एक मोबाइल फोन मिला। डॉक्टरों ने 8 जुलाई को मोबाइल फोन जेल अधिकारियों को सौंप दिया। अगले दिन, शिवमोग्गा जेल अधीक्षक पी. रंगनाथ ने शिवमोग्गा के तुंगा नगर पुलिस थाने में दौलत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जेल के अंदर प्रतिबंधित वस्तु ले जाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। शिवमोग्गा जिला अदालत ने जून 2024 में ड्रग तस्करी से संबंधित एक मामले में दौलत को दोषी ठहराया। उसे 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

अब्दुल रहमान हत्याकांड मामले में दसवा आरोपी हिरासत में लिया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कोलट्टामाजालू निवासी अब्दुल रहमान की हत्या और कलंदर शफी पर हमले के सिलसिले में बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस साल की शुरुआत में 27 मई को बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में धारा 191(1), 191(2), 191(3), 118(1), 118(2), 109, 103 सहपठित 190बीएनएस 2023 के तहत दर्ज अपराध संख्या 54/2025 के संबंध में कुल नौ लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। जांच आगे बढ़ने पर, शनिवार को बंटवाल के पुडु गाँव निवासी प्रदीप (34) को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई उचित प्रक्रिया के अनुसार शुरू की जाएगी।

कर्ज का बोझ न झेल पाने के कारण दो किसानों ने की आत्महत्या

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंडागोल तालुका के बारादवाड़ा गाँव में एक ही गाँव के दो किसानों ने आत्महत्या कर ली। मृतक रविराज जादर (42) और बसवनगौड़ा पाटिल (56) हैं। पिछले 24 घंटों में दोनों किसानों ने आत्महत्या की है, जिससे गहरी चिंता व्याप्त है। पता चला है कि पिछले चार-पाँच सालों से भारी बारिश और सूखे से तबाह इन किसानों ने खेती के लिए बैंकों और निजी तौर पर कर्ज लिया था। पुलिस ने बताया कि इन किसानों ने शनिवार रात अपने घरों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुंडागोल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है।

कांग्रेस विधायक सड़कों पर खड़े होकर गारंटी योजनाओं की बात कर रहे: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक सड़कों पर खड़े होकर गारंटी योजनाओं की बात कर रहे हैं। सत्ता में आने से पहले आपने जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? मालुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले और बाद में डीसीएम डी.के. शिवकुमार के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि हर महीने गारंटी देना संभव नहीं है, जब संभव होगा तब देंगे। आप कब देंगे? राज्य की जनता पूछ रही है।

गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एच.एम. रेवन्ना ने खुद कहा कि हम हर तीन महीने में देंगे। फिर, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि वह गृहलक्ष्मी को हर महीने पैसा देने की कोशिश करेंगी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि जब जिला और तालुक पंचायत चुनाव आएंगे तो वे इसे देंगे। उन्होंने कहा कि जनता दल ने 50 लाख सदस्यों के लक्ष्य के साथ राज्य में पार्टी को संगठित करने के लिए अभियान शुरू किया है।

1984 दंगा केस में कांग्रेस नेता टाइटलर के खिलाफ गवाही

टाइटलर के उकसावे पर गुरुद्वारा जला, 3 सिखों को मारा गया

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में 1984 सिख विरोधी दंगों से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा मामले में आरोपी जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में गवाह हरपाल कौर बेदी के बयान दर्ज किए गए। बेदी ने आरोपी टाइटलर की कोर्ट में पहचान की। बेदी ने कहा कि टाइटलर की ओर से जान से मारने की धमकियां मिलीं जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान बेदी ने घटना वाले दिन का हाल बताते हुए कहा कि पुलबंगश गुरुद्वारे पर टाइटलर आया और उसने भीड़ को उकसाया। टाइटलर के उकसाने के बाद भीड़ ने गुरुद्वारा जलाया और तीन सिखों को मार डाला। गुरुद्वारे के पास उनकी टीवी की होलसेल की दुकान थी। उस दुकान को भीड़ ने लूटा।

जब बेदी अपने घर से निकलकर देखा तो भीड़ दुकान को लूट रही थी। टाइटलर कार से आया और गुरुद्वारे के पास आकर भीड़ को उकसाया, जिसके बाद भीड़ ने गुरुद्वारा में आग लगा दी। शाम को भीड़ आई और तिलकराज के घर छिपे हुए सिखों को निकालकर काट डाला और छत से नीचे फेंक दिया। सिखों की हत्या करने के बाद उनका शव रेहड़ी पर डाला और उस पर टायर डालकर आग लगा दी। बेदी ने कहा कि उनके पति अमरजीत बेदी भी कांग्रेस के नेता थे और टाइटलर उनकी दुकान पर आता था जिसकी वजह से उन्होंने टाइटलर को पहचान लिया।

नौ जुलाई को गवाह रवींद्र सिंह चौहान का बयान दर्ज किया गया था। इसके पूर्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके का 16 मई को क्रॉस एग्जामिनेशन किया गया था। 18 मार्च को फोरेंसिक विभाग के सीनियर साइंटिफिक अफसर अमितोष कुमार का बयान दर्ज किया गया था। 28 जनवरी को टाइटलर के आवाज के नमूने रिकॉर्ड करने वाले फोरेंसिक लेबोरेटरी के अधिकारी का बयान दर्ज किया गया था। कोर्ट में टाइटलर के रिकार्डेड आवाज के नमूने को कोर्ट में प्ले किया गया था।

इस मामले की शिकायतकर्ता लखविंदर कौर का क्रॉस-एग्जामिनेशन 12 नवंबर, 2024 को किया गया था। लखविंदर कौर ने कहा था कि ग्रंथी सुरेंद्र सिंह ने उन्हें बताया कि उनके पति बादल सिंह को गुरुद्वारा पुलबंगश के पास भीड़ ने हत्या कर दी। टाइटलर उस भीड़ को उकसा रहे थे और कह रहे थे कि सिखों को मार दो, उजाड़ दो, गुरुद्वारा को आग लगा दो। टाइटलर ने राउज एवेन्यू की ओर से आरोप तय करने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है जो अभी लंबित है। हाईकोर्ट ने 11 नवंबर 2024 को राउज एवेन्यू कोर्ट में ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने 30 अगस्त 2024 को टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 149, 153ए, 188, 109, 295, 380, 302 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था।

अर्बन नक्सल बिल के खिलाफ एकजुट नहीं हुआ विपक्ष

महाराष्ट्र के एमवीए गठबंधन में नहीं रही एकता

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। क्या महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अधिकारी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन एकजुट नहीं रही? यह बड़ा सवाल इसलिए खड़ा हुआ क्योंकि महाराष्ट्र की विधानसभा और विधान परिषद में हाल ही में महाराष्ट्र स्पेशल पब्लिक सिक्युरिटी (एमएसपीएस) बिल अत्यंत आसानी से पारित हो गया। जबकि ऐसा माना जा रहा था कि विपक्ष इस बिल का पुरजोर विरोध करेगा और सरकार को मुश्किल पेश आएगी।

इस बिल को अर्बन नक्सलिज्म के खिलाफ बताया गया है और यह साफ दिखाई दिया कि विपक्ष ने इस मामले में रणनीतिक एकजुटता नहीं दिखाई हालांकि अभी यह देखना बाकी है कि इस कानून के खिलाफ क्या महाराष्ट्र में लोग सड़कों पर उतरेंगे? विधानसभा और विधान परिषद में मौका गंवाने के बाद विपक्षी नेताओं का डेलिगेशन अगले हफ्ते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने जा रहा है। एमवीए में शामिल दल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) वामपंथी संगठनों के साथ मिलकर फडणवीस सरकार के खिलाफ पूरे महाराष्ट्र में अभियान शुरू करने की योजना बना रहे हैं हालांकि उन्हें कितना समर्थन मिलेगा यह देखने वाली बात होगी?

विपक्ष ने इस संबंध में सरकार की ओर से बनाई गई समिति को 12 हजार सुझाव भेजे थे लेकिन इसमें से सिर्फ तीन को ही स्वीकार किया गया। कांग्रेस के सीनियर नेता और महाराष्ट्र के एक पूर्व मंत्री ने खुलकर स्वीकार किया और कहा, एमवीए के भीतर कोई एकता नहीं है, हर पार्टी वही कर रही है जो उसे ठीक लगता है, अगर हमने विधानसभा में सामूहिक रूप से अपनी सहमति दर्ज कराई होती तो हमें ऐसे कानून के खिलाफ सरकार की मंशा पर सवाल उठाने का मौका मिलता।

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा, हम नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ हैं लेकिन अगर सरकार कानून के जरिए विरोधियों को परेशान करेगी तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। विपक्ष का कहना है कि इस कानून के लागू होने पर सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सत्ता का दुरुपयोग कर सकती है और महाराष्ट्र के अंदर एक ऐसा राजनीतिक माहौल बन सकता है जिसमें सरकार पर सवाल उठाने वाले किसी भी शख्स को अर्बन नक्सल करार दिया जा सकता है और उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। महाराष्ट्र में इससे पहले भी मीसा और टाडा कानून के दुरुपयोग को लेकर आवाज उठ चुकी है।

नहीं मनाने दिया गया विवादास्पद शहीदी दिवस

नेकां के नेता हुए नजरबंद, श्रीनगर में लगी निषेधाज्ञा

जम्मू, 13 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर में 13 जुलाई को विवादास्पद शहीदी दिवस मनाने से रोक दिया गया। कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार में ही उसके नेताओं के साथ-साथ मीरवायज उमर फारूक को भी नजरबंद कर दिया गया। श्रीनगर के कई इलाकों में अघोषित निषेधाज्ञा की स्थिति लागू रही।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शहीदी दिवस की तुलना ब्रिटिश भारत में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड से की। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस और विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और उन्हें 13 जुलाई के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मजार-ए-शोहदा (शहीदों की कब्रगाह) की ओर जाने से रोक दिया। वर्ष 1931 में इसी दिन श्रीनगर सेंट्रल जेल पर हमला करने वाले इस्लामिक कट्टरपंथियों को रोकने के लिए महाराजा हरि सिंह की पुलिस को गोलियां चलानी पड़ी थीं। इसमें 22 लोग मारे गए थे।

रविवार सुबह पुलिस ने श्रीनगर के केंद्र लाल चौक से 5 किमी दूर, पुराने शहर के नौहट्टा इलाके में स्थित ऐतिहासिक कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़कों को सील कर दिया।

नेकां, पीडीपी और पीपुल्स कांफ्रेंस के दर्जनों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें उनके घरों में बंद कर दिया और बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी। पूर्ववर्ती राज्य में 13 जुलाई को पारंपरिक रूप से आधिकारिक अवकाश के रूप में मनाया जाता था।

सरकार और विपक्षी दल कब्रिस्तान जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते थे। केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के एक साल बाद, जुलाई 2020 में यह अवकाश रद्द कर दिया गया और आधिकारिक श्रद्धांजलि समाप्त कर दी गई।

पहले, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक आधिकारिक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाता था, जहां जम्मू कश्मीर पुलिस की टुकड़ियां भी श्रद्धांजलि अर्पित करती थीं।

केंद्र द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अधीन जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को घोषणा की कि श्रीनगर जिला प्रशासन ने नौहट्टा के ख्वाजा बाजार की ओर जाने वाले सभी लोगों को अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। पुलिस ने चेतावनी दी कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी का बड़ा खुलासा

कांग्रेस ने दानदाताओं से की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया उनके साथ धोखाधड़ी की गई। ईडी ने कहा कि जिन लोगों ने दान दिया उनमें से कुछ को टिकट दिए गए। स्पेशल जज विशाल गोगने ने आरोपियों का पक्ष सुनने के लिए 14 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने इस मामले में गवाहों के बयान का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को जिन लोगों ने दान दिया उनके साथ धोखाधड़ी की गई। कुछ दानदाताओं को टिकट भी दिए गए। राजू ने गांधी परिवार की उस दलील का विरोध किया कि एसोसिएटेड जनरल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। उन्होंने कहा कि एजेएल ही मूल रुप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी।

इस मामले में 5 जुलाई को लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी बल्कि वह इस संस्था को बचाना चाहती थी, क्योंकि वह स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी। चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है। एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरु, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने 1937 में की थी। चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी।

4 जुलाई को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने एक आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित मामला बनाया। ईडी ने आश्चर्यजनक से भी ज्यादा मामला बनाया है। ये मनी लांड्रिंग का ऐसा मामला है जिसमें संपत्ति का कोई जिक्र नहीं है। यंग इंडियन ने पूरी कार्रवाई एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड को कर्ज मुक्त करने के लिए की। हर कंपनी अपने को कर्ज मुक्त करने के लिए कानून के मुताबिक कदम उठाती है। कंपनियां अपने को कर्ज मुक्त करने के लिए दूसरी कंपनी को दे देती हैं। यंग इंडियन लाभ कमाने वाली कंपनी नहीं है। ईडी ने सालों तक कुछ नहीं किया और किसी निजी शिकायत को आधार बनाकर कार्रवाई शुरु की।

ईडी की ओर से 3 जुलाई को दलीलें पूरी कर ली गई थीं। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा था कि यंग इंडियन 2000 करोड़ की आपराधिक आय प्राप्त करने का एक साधन था और यह मनी लांड्रिंग का एक क्लासिक मामला है। राजू ने कहा था कि शेयर होल्डिंग सिर्फ नाम के लिए है और अन्य आरोपी गांधी परिवार की कठपुतली हैं। ईडी ने कहा था कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी कांग्रेस को नियंत्रित करते हैं। उनका उद्देश्य 92 करोड़ प्राप्त करना नहीं था, बल्कि उनका उद्देश्य 2000 करोड़ रुपए प्राप्त करना था। ईडी ने कहा था सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने 2000 करोड़ की संपत्ति के लिए मात्र 50 लाख रुपए ही दिए। ईडी ने कहा था कि एसोसिएटेड जनरल्स लिमिटेड का स्वामित्व लेने के बाद गांधी परिवार के नियंत्रण वाली यंग इंडियन लिमिटेड ने घोषणा की कि वो नेशनल हेराल्ड अखबार का प्रकाशन नहीं करेगा।

कोर्ट ने 2 मई को इस मामले में सोनिय गांधी, राहुल गांधी समेत सात आरोपियों को नोटिस जारी किया था। ईडी ने 15 अप्रैल को कोर्ट में अभियोजन शिकायत दाखिल किया था। ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को आरोपी बनाया है। ईडी ने मनी लाऊंड्रिंग कानून की धारा 44 और 45 के तहत शिकायत दाखिल किया है। इस मामले में शिकायतकर्ता सुब्रह्मण्यम स्वामी का आरोप है कि दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपए की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए साजिश के तहत यंग इंडियन लिमिटेड को एजेएल की संपत्ति का अधिकार दिया गया। स्वामी का कहना है कि हेराल्ड हाउस को केंद्र सरकार ने समाचार पत्र चलाने के लिए जमीन दी थी, इस लिहाज से उसे व्यावसायिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

पहलगाम नरसंहार का जख्म भरने में वक्त लगेगा

पर्यटकों की संख्या बढ़ी पर पिछले रिकार्ड से कोसों दूर

जम्मू, 13 जुलाई (ब्यूरो)। सभी पक्ष दावा कर रहे हैं कि कश्मीर में पर्यटन फिर से शिखर की ओर है। पर इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि पहलगाम नरसंहार के जख्म भरने में समय लगेगा। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बावजूद आने वालों का आंकड़ा पिछले रिकार्ड से कोसों दूर है।

कश्मीर में डल झील के किनारे 17वीं सदी के मध्य में स्थित निशात उद्यान लंबे समय से पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करता रहा है। लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, 17वीं सदी में मुगलों द्वारा बनाए गए प्रत्येक राशि चिन्ह को दर्शाने वाले बारह सीढ़ीदार उद्यानों में सन्नाटा छा गया। ढाई महीने बाद, झील के किनारे स्थित जबरवान पहाड़ों की पृष्ठभूमि वाला दूसरा सबसे बड़ा लोकप्रिय उद्यान पिछले कुछ हफ्तों में धीरे-धीरे पर्यटकों की संख्या बढ़ने के बाद फिर से जीवंत हो उठा है, जो घाटी में पर्यटन के पुनरुत्थान को दर्शाता है। हमले के बाद कश्मीर में पर्यटकों का आना बंद हो गया, जिसमें पहलगाम में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू संचालक मारे गए और पर्यटकों की संख्या घटकर मात्र सौ रह गई।

उद्यानों की देखरेख करने वाले एक अधिकारी के बकौल, निशात और सबसे बड़े मुगल उद्यानों शालीमार और चश्माशाही में पर्यटकों की संख्या फिर से बढ़ गई है और प्रतिदिन औसतन 4000-5000 पर्यटक आते हैं। इनमें से 70 प्रतिशत पर्यटक हैं। इन उद्यानों में पर्यटकों की आवाजाही पुष्प कृषि विभाग द्वारा नियंत्रित की जाती है, जो इनके रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार है। लेकिन पर्यटकों की संख्या अभी भी 22 अप्रैल से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच पाई है, जब उद्यानों में प्रतिदिन औसतन 9,000 पर्यटक आते थे और सप्ताहांत में यह संख्या 12,000 के आंकड़े को पार कर जाती थी।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अनुसार, पर्यटकों की संख्या में यह वृद्धि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा आयोजित बैठकों और सम्मेलनों सहित विश्वास निर्माण की पहलों के कारण है। उन्होंने श्रीनगर में 7 और 8 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय पर्यटन सचिवों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि ये प्रयास फलदायी होंगे और आने वाले दिनों में कश्मीर में पर्यटन फिर से पूरे जोश में आ जाएगा। वैसे जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने देश के प्रमुख पर्यटन मेले, ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर का उद्घाटन करने के लिए कोलकाता का दौरा किया और माना कि इस क्षेत्र में पर्यटन धीरे-धीरे फिर से पटरी पर लौट रहा है। उन्होंने पर्यटन को पुनर्जीवित करने में मदद के लिए केंद्र की भी सराहना की।

पर्यटन विभाग पर्यटकों की ताजा कुल संख्या बताने से कतरा रहा है, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि वे धीरे-धीरे बढ़ रही संख्या से खुश हैं। उनका मानना है है कि शरद ऋतु तक, जब चिनार के पत्ते गहरे लाल रंग के हो जाते हैं, पर्यटकों की संख्या में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। कश्मीर ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के प्रमुख रऊफ तरांबू मानते हैं कि सितंबर तक पर्यटकों की आमद बढ़ने की उम्मीद है, जब कई राज्यों में छुट्टियां होती हैं। उन्होंने बताया कि चालू सीजन में, आतिथ्य क्षेत्र में 15 प्रतिशत बुकिंग हो रही है और ज्यादातर पर्यटक निम्न और मध्यम वर्ग से हैं।

जैन धर्म व दर्शन में सामायिक क्रिया का विशेष महत्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर दक्ष प्रभाकर सूरीश्वर आराधना भवन महालक्ष्मी लेऑऊट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य भगवंत श्री प्रभाकर सूरीश्वर एवं साध्वी तत्वत्रयाश्री जी की निश्रा में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में आचार्य भगवंत श्री प्रभाकरसुरि ने कहा कि जैन धर्म व दर्शन में सामायिक की क्रिया की विशेष महत्ता बताई है। भगवान महावीर ने सामायिक करने वाले श्रावक-श्राविका को बहुत पुण्यशील बताया। सामायिक का अर्थ है समता की साधना। इस क्रिया में जैन श्रावक-श्राविकाएं एकांत भाव में रहकर तीर्थंकरों व धर्म का चिंतन करते हैं।

जो व्यक्ति रोज सामायिक करता है वह व्यक्ति बिना धन या पदार्थ व्यय किए बिना महानपुण्य कर्म का संचय करता है। भगवान महावीर ने कहा है कि जो पुण्य श्रावक रोज सामायिक करता था वह महान श्रावक है। हम भी पुण्य श्रावक की भांति सामाजिक कार्य करके जीवन को धन्य बनाएं। यदि हम सच्चे जैन धर्म के उपासक है तो सर्वप्रथम हमें सामायिक का महत्व समझना पड़ेगा। रोज सामायिक करना जैन धर्म के श्रावक-श्राविकाओं का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा कि आत्मा प्रतिदिन लाखों मुद्राओं का दान करती है और दूसरी मात्र दो घड़ी की शुद्ध सामायिक करती है, तो वह स्वर्ण मुद्राओं का दान करने वाली आत्मा, सामायिक करने वाले की समानता प्राप्त नहीं कर सकती। आर्त और रौद्र ध्यान को त्याग कर संपूर्ण सावद्य (पापमय) क्रियाओं से निवृत्त होना और एक मुहूर्त पर्यन्त मनोवृत्ति को समभाव में रखना- इसका नाम 'सामायिक व्रत' है। जैसे- जहाँ रानी मधुमक्खी बैठती है, वहाँ दूसरी मधुमक्खियाँ छत्ते को बाँधकर, मधु का संचय करती हैं। वैसे ही, सामायिक भी रानी मधुमक्खी के समान है।

सामायिक की साधना प्रारंभ करने पर उसमें स्वाध्याय, जप, ध्यान, भावना आदि साधना के कई अंग गतिशील होते हैं और फिर उसमें भावरूप मधु का संचय होता है। सामायिक धार्मिक-आध्यात्मिक व्यायामशाला के समान है, जिसमें आत्मा भाव-व्यायाम करके, अपने सद्गुणों को पुष्ट करता हैं। धर्म सभा में मुनि महापद्म विजयजी, मुनि पद्मविजयजी एवं साध्वीजी तत्वत्रया श्रीजी, गोयम रत्ना श्रीजी एवं परमप्रज्ञाश्रीजी का भी सानिध्य रहा। यह जानकारी जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने दी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

योगी सरकार ने विरासत संजोने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया

पर्यटन स्थल में बदलेंगे 11 ऐतिहासिक भवन और किले

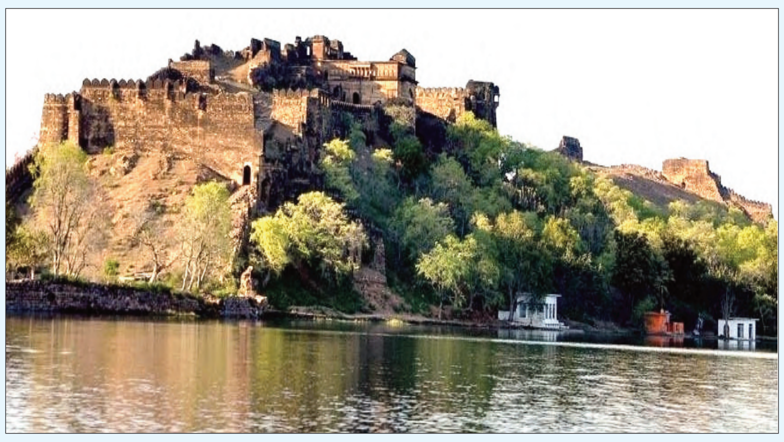

लखनऊ, 13 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने खंडहर में तब्दील हो रहे राज्य के ऐतिहासिक धरोहरों को नया जीवन देने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। पर्यटन विभाग प्रदेश के 11 पुराने किलों और भवनों को चमकाने की तैयारी में है। विभाग ने एजेंसियों के माध्यम से इसके लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) आमंत्रित किया है। ये काम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत होगा, जहां एजेंसी इन जगहों को डिजाइन करेगी, बनाएगी, पैसे लगाएगी, चलाएगी और बाद में सरकार को सौंप देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शुरू होने जा रही इस पहल से न सिर्फ इन विरासत किलों और भवनों का इतिहास बचेगा, बल्कि स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा और हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा।

इन 11 विरासत स्थलों में ललितपुर का तालभेहट किला, बांदा का रनगढ़ और भुरागढ़ किला, गोण्डा की वजीरगंज बारादरी, लखनऊ का आलमबाग भवन, गुलिस्तान-ए-एरम और दर्शन विलास, कानपुर की टिकैत राय बारादरी, महोबा का मस्तानी महल और सेनापति महल, झांसी का तहरौली किला और मथुरा का सीताराम महल (कोटवान किला) शामिल हैं। ये सभी जगहें अपनी खास वास्तुकला और इतिहास की कहानियों के लिए मशहूर हैं। इनका पुनरोद्धार करके इन्हें होटल, सांस्कृतिक केंद्र या संग्रहालय में बदला जाएगा, ताकि पर्यटक यहां ठहर सकें और इतिहास को करीब से महसूस कर सकें। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में ये योजना खास तौर पर फायदेमंद होगी, जहां पर्यटन बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

योगी सरकार का ये कदम इसलिए भी खास है, क्योंकि इससे यूपी की सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के साथ-साथ आधुनिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन विभाग के मुताबिक, ये परियोजना न सिर्फ इन पुरानी इमारतों को नया रूप देगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए रास्ते भी खोलेगी। मुख्यमंत्री ने पहले ही इको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। उनकी ये कोशिशें यूपी को देश और दुनिया में पर्यटन का एक चहेता डेस्टिनेशन बना रही हैं। अयोध्या, काशी, और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों के साथ-साथ राज्य के अन्य प्राचीन मंदिरों और तीर्थ स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। 2024 में 65 करोड़ पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थलों का दौरा किया, जो इन पहलों की सफलता को दर्शाता है।

यूपी पंचायत चुनाव

14 अगस्त से शुरू होगा मतदाता बनाने का काम

बीएलओ खटखटाएंगे घर-घर का दरवाजा

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए 14 अगस्त से मतदाता बनाने का काम शुरू हो जाएगा। पंचायत चुनाव में मतदाता बनाने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाएंगे। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रति 800 मतदाताओं पर एक बीएलओ तैनात किया है। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त से यह अभियान प्रारंभ होगा।

प्रदेश की 57694 ग्राम पंचायतों, 826 क्षेत्र पंचायतों और 75 जिला पंचायतों के लिए अगले साल अप्रैल-मई में चुनाव होने हैं। इसके लिए व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। 1 जनवरी 2025 को जिन युवाओं की उम्र 18 वर्ष हो चुकी है, वे इस चुनाव में वोट देने के योग्य माने जाएंगे। पुराने मतदाताओं का सर्वे और नए मतदाता बनाने के लिए 14 अगस्त से 29 सितंबर तक अभियान चलेगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के विशेष कार्याधिकारी और विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा बताते हैं कि बीएलओ घर-घर जाकर लोगों को मतदाता बनने के लिए जागरूक करेंगे। प्रयास रहेगा कि डेढ़ माह लंबे चलने वाले इस अभियान में एक भी पात्र व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल होने से वंचित न रहे। मतदाता बनने के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं, जिनकी बीएलओ घर-घर जाकर जांच करेंगे।

आईएसआई से नजदीकी बढ़ाने काठमांडू गया था छांगुर

अवैध धर्मांतरण से अलग बन रही थी खौफनाक साजिश

बलरामपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण से इतर छांगुर बाबा और उसके साथियों की बेहद खौफनाक साजिश का राजफाश हुआ है। छांगुर आईएसआई से नजदीकी बढ़ाने काठमांडू गया था। काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास में बीते दिनों आईएसआई एजेंटों का जमावड़ा हुआ था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार ये देश विरोधी षडयंत्र, सामाजिक समरसता और सद्भाव के खात्मे के प्रयास के तीन अहम मोहरे हैं। मिशन आबाद के लिए आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू परिवारों के अवैध धर्मांतरण से इतर इनकी साजिश बेहद खौफनाक रही।

ये पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी हाथ मिलाने की तैयारी में थे। इसके लिए छांगुर काठमांडू भी गया था, लेकिन समय रहते सुरक्षा एजेंसियों ने तीनों को दबोचकर प्रदेश और देश को बड़ी अनहोनी से बचा लिया।

बीते दिनों नेपाल के पूर्व सैनिकों का एक सम्मेलन राजधानी काठमांडू स्थित पाकिस्तान दूतावास में आयोजित हुआ, जिसमें पाकिस्तान की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी (एनडीयू) का प्रतिनिधिमंडल मौजूद था। पाकिस्तान दूतावास के सैन्य सलाहकार कर्नल मुहम्मद अली अल्वी भी मौजूद थे। दुनिया को दिखाने के लिए भले ही यह एक्सचेंज प्रोग्राम था, लेकिन इस कार्यक्रम के बाद पाकिस्तानी दल ने भारत सीमा का दौरा किया था, जिसमें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भी थे। नेपाल के सीमावर्ती जिले दांग के एक कद्दावर धार्मिक नेता के साथ छांगुर आईएसआई से नजदीकी बढ़ाने काठमांडू तक भी पहुंचा था, लेकिन तब सुरक्षा कारणों से वह पाकिस्तानी दूतावास में दाखिल नहीं हो सका।

इसकी रिपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी, जिसके बाद छांगुर, नीतू उर्फ नसरीन और नवीन उर्फ जलालुद्दीन की निगरानी बढ़ाई गई। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार छांगुर एक विशेष योजना लेकर नेपाल गया था। वह चाहता था कि उसके माध्यम से हिंदू से मुस्लिम बनीं युवतियों व महिलाओं का निकाह नेपाल में मौजूद आईएसआई एजेंटों व स्लीपर सेल से कराई जाए। इससे एजेंटों की सीमावर्ती कस्बे में गतिविधि बढ़ती। देश विरोधी सूचनाएं एकत्रित करने में आसानी होती और खाड़ी देशों में उसका कद भी बढ़ता।

इसके लिए वह सिद्धार्थनगर के बढ़नी में भी ठौर तलाश रहा था। इसी सिरे को पकड़ते हुए एजेंसियों ने जांच आगे बढ़ाई तो अवैध धर्मांतरण के तार महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, बंगाल के साथ ही आजमगढ़, अयोध्या, श्रावस्ती व गोरखपुर से भी जुड़ते गए।

इनकी अगली कोशिश यहां रोहिंग्याओं की बड़ी खेप लाने की थी, जिन्हें छांगुर हिंदू बता धर्मांतरण कराता। इस पूरे षड्यंत्र के केंद्र में बलरामपुर के उतरौला तहसील निवासी छांगुर और उसकी राजदार नीतू ही रही। जमीन तैयार करने में नवीन भी पूरी मदद कर रहा था। छांगुर की पीर छवि को आगे कर फंडिंग की व्यवस्था खुद संभाल रहा था।

छांगुर के 30 बैंक खातों की ईडी को मिली जानकारी

बैंकों से 10 साल के लेनदेन का ब्यौरा मांगा गया

लखनऊ, 13 जुलाई (ब्यूरो)। प्रवर्तन निदेशालय की टीम को धर्मांतरण गैंग के सरगना छांगुर और उसके गुर्गों के 30 बैंक खातों की जानकारी मिली है। ईडी ने इन खातों में बीते 10 साल में हुए लेन-देन का स्टेटमेंट संबंधित बैंकों से मांगा है।

एटीएस ने जांच में छांगुर और उसके करीबियों के 40 से अधिक बैंक खातों के जरिए 100 करोड़ रुपये का लेन-देन होने का खुलासा किया था।

ईडी ने अभी नवीन रोहरा के खातों की पड़ताल नहीं शुरू की है। नवीन के सभी बैंक खाते विदेश (दुबई) में होने की वजह से ईडी को इंतजार करना पड़ सकता है। इन खातों की जानकारी के लिए विदेश मंत्रालय के जरिए दुबई में भारतीय दूतावास से आग्रह किया जाएगा, ताकि दुबई सरकार की मदद लेकर ब्योरा मंगाया जा सके। अब तक की जांच में सामने आया है कि छांगुर के गिरोह द्वारा खरीदी गई अधिकतर संपत्तियां नीतू रोहरा उर्फ नसरीन के खातों में आई रकम से खरीदी गई थी।

यह रकम दुबई के कुछ बैंक खातों से ट्रांसफर हुई थी, जो उसके पिता के होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। फिलहाल ईडी के अधिकारी छांगुर और नीतू की पुलिस कस्टडी रिमांड खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उन्हें मनी लांड्रिंग के केस में अपनी कस्टडी में लेने के बाद रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा सके।

निजीकरण के साथ ही खत्म हो जाएंगे 16 हजार आरक्षित पद

बिजली कर्मचारियों आंदोलन में परिवार भी कूदे

लखनऊ, 13 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश में पूर्वांचल और दक्षिणांचल के 42 जिलों में बिजली निजीकरण की तैयारी चल रही है। निजीकरण के बाद दोनों निगमों के 16 हजार आरक्षित पद खत्म हो जाएंगे। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण के विरोध में आंदोलन तेज होता जा रहा है। दोनों निगमों के आरक्षित 16 हजार पदों को बचाने के लिए सम्मेलन शुरू हो गया है। कानपुर और वाराणसी के बाद अब 15 जुलाई को आगरा में आरक्षित पदों को लेकर सम्मेलन होगा। दूसरी तरफ संघर्ष समिति ने दावा किया है कि आंदोलन में बिजली कर्मियों के परिजनों के साथ ही उपभोक्ता भी जुड़ रहे हैं।

प्रदेश में पूर्वांचल और दक्षिणांचल के 42 जिलों में बिजली निजीकरण की तैयारी चल रही है। निजीकरण के बाद दोनों निगमों के 16 हजार आरक्षित पद खत्म हो जाएंगे। इन आरक्षित पदों को कैसे बचाया जाएगा, इसे लेकर पावर आफिसर्स एसोसिएशन सरकार से लेकर पावर कार्पोरेशन तक को ज्ञापन दे चुका है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में निगमवार आरक्षण बचाओ सम्मेलन शुरू किय गया है। कानपुर और वाराणसी के बाद अब 15 जुलाई को आगरा में सम्मेलन होगा। इसमें बिजली कर्मियों को निजीकरण से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जाएगी।

पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि आगरा में शाम पांच बजे होने वाले इस सम्मेलन में 16 हजार आरक्षित पदों को बचाने के लिए आरपार की लड़ाई का एलान किया जाएगा। रविवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में सम्मेलन की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी केन, मनोज सोनकर ने कहा कि आरक्षित पदों को किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर प्रदेश के सभी सरकारी विभाग इस मुहिम में साझा रणनीति के तहत आंदोलन चलाएंगे। पहले पदोन्नतियों में आरक्षण छीना गया और अब आरक्षण भी ही छीनने की कोशिश की जा रही है। इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की रविवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में तय किया गया कि निजीकरण के विरोध में तमाम किसान और अन्य उपभोक्ता भी उतर आए हैं। ऐसे में इस आंदोलन से बिजली कर्मियों, उनके परिजनों के साथ ही आम उपभोक्ताओं को भी जोड़ा जाएगा। बैठक में तय किया गया कि निजीकरण की निविदा प्रक्रिया शुरू होते ही जेल भरो आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। पहले सभी पदाधिकारी और जिन लोगों ने रजिस्टर में नाम लिखवा रखा है, वे जेल आएंगे। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से बिजली कर्मी जेल भरो आंदोलन में हिस्सा लेंगे। समिति के अध्यक्ष संजय सिंह चौहान एवं महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि फेडेरेशन की काउंसिल बैठक के खुले सत्र में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, संयुक्त किसान मोर्चा और उपभोक्ता मंच भी हिस्सा लेगा।

बिजली दर निर्धारण को लेकर विद्युत नियामक आयोग 15 को आगरा और 17 जुलाई को नोएडा में जन सुनवाई करेगा। राज्य उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा इन दोनों सुनवाई में उपभोक्ताओं का पक्ष रखेंगे। वह टोरेंट पावर व नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) आने के बाद उपभोक्ताओं को हुए नुकसान से संबंधित आंकड़े तैयार कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि निजीकरण के बाद टोरेंट पावर व एनपीसीएल मालामाल हो रहे हैं। समझौता के तहत 2200 करोड़ रुपए टोरेंट को ऊर्जा विभाग को लौटाना था, लेकिन उसने अभी तक एक रुपया भी नहीं लौटाया है। आरोप लगाया कि नोएडा पावर कंपनी में उपभोक्ता सामग्री और ट्रांसफार्मर खरीद से जुड़े मामले में भी विभाग को नुकसान पहुंचाया है। सुनवाई में उपभोक्ता परिषद एनपीसीएल की पत्रावली को दबाए रखने का मुद्दा भी उठाएगा।

निजीकरण के विरोध में 20 जुलाई को लखनऊ में आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन की बैठक होगी। इसमें आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे और सचिव पी रथनाकर राव ने बताया कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल के निजीकरण की चल रही प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। महाराष्ट्र में समानांतर वितरण लाइसेंस के माध्यम से बिजली वितरण के निजीकरण और टैरिफ-आधारित कंपीटीटिव बिडिंग के माध्यम से ट्रांसमिशन प्रणाली के निजीकरण, ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण और एक राज्य के स्वामित्व वाली बिजली उत्पादन कंपनी (जीईएन-सीओ) से जुड़े संयुक्त उद्यम (ज्वाइंट वेंचर) के गठन पर चर्चा होगी।

सबसे भारी कांवड़ लेकर चल रहे सहारनपुर के मनोज

कंधों पर 351 लीटर गंगाजल लेकर चल रहा युवक

सहारनपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सहारनपुर के नयागांव निवासी मनोज 306 दिन में हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल लेकर पहुंचे हैं। यह लंबी यात्रा उन्होंने बिना किसी अभ्यास के शुरू की थी और अब गांव पहुंचने में 6-7 दिन शेष हैं।

सहारनपुर जनपद के नकुड़ में इस वर्ष कांवड़ यात्रा में अभी तक की सबसे भारी कांवड़ नजर आई। श्रद्धा और धैर्य का एक असाधारण उदाहरण पेश करते हुए नकुड़ के गांव नयागांव निवासी मनोज कुमार 306 दिनों से लगातार कांवड़ यात्रा पर हैं। उन्होंने हरिद्वार से 351 लीटर गंगाजल अपने कंधों पर लेकर सफर शुरू किया था और अब वह सहारनपुर रोड स्थित हरि कॉलेज के पास पहुंच चुके हैं।

मनोज का कहना है कि यह यात्रा उन्होंने किसी मन्नत या दिखावे के लिए नहीं की है। उन्होंने न तो कोई अभ्यास किया, न ही कोई पूर्व योजना बनाई थी।

केवल भोले बाबा का नाम लिया और निकल पड़े 351 लीटर गंगाजल को दोनों कंधों पर दो बड़ी केनों में बांधकर।

हर केन में लगभग 175 लीटर जल है और इसका कुल वजन इतना अधिक है कि मनोज एक दिन में मात्र एक किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाते हैं। उन्होंने बताया कि इस गंगाजल को अपने कंधों पर अकेले उठाकर हरिद्वार से लेकर अब तक सफर किया है। गांव तक पहुंचने में अभी लगभग 6-7 दिन और लग सकते हैं। मनोज की इस विलक्षण भक्ति-यात्रा को देखकर राह चलते लोग हैरान रह जाते हैं। कोई उन्हें प्रणाम करता है, कोई जल पिलाता है, तो कोई उनके साहस को सलाम करता है। उनकी इस साधना ने कांवड़ यात्रा को एक नया रूप और गहराई दे दी है।

संपादकीय

खून खराबे का खेल

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों को निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाजवैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की एनआईए जैसी एजेंसियों के साथ तालमेल से राज्य की एजेंसियों को अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद भी मिल सकती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पंजाब में अपराधियों व आतंकवादियों का गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रह गया है। यह न केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है, बल्कि आधुनिक तकनीक व हथियारों की मदद से मारक साबित हो रहा है। इससे बड़ा संकट यह भी है कि ये अपराध वैचारिक रूप से अस्थिर भी हैं। निस्संदेह, यह एक बड़ी चुनौती है और इससे निबटने में जितनी देरी होगी, पंजाब में स्थितियां सामान्य बनाने में उतनी मुश्किल होती जाएगी। अपराधियों से निपटने के लिये मजबूत खुफिया तंत्र और जनसहयोग कारगर सिद्ध हो सकता है।

> संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है।

जूनोसिस रोगों के कारण हो जाती है 10 लाख लोगों की मौत

सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का कारण बनती जूनोटिक बीमारियां

योगेश कुमार गोयल

> जूनोटिक बीमारियां दुनियाभर में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का प्रमुख कारण बनी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जूनोटिक बीमारियों में रेबीज, लाइम रोग, एवियन इन्फ्लूएंजा, इबोला, सार्स, वेस्ट नाइल, कोविड-19 इत्यादि शामिल हैं, जिनका सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था तथा आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव हो सकता है। आमतौर पर जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों को ही 'जूनोटिक डिजीज' कहा जाता है। आइसीएमआर के अनुसार जब कोई संक्रामक बीमारी जानवरों से मनुष्यों में पहुंचती है तो उसे 'जूनोसिस' कहते हैं और इसी प्रकार जब मनुष्यों से कोई संक्रामक बीमारी जानवरों में पहुंचती है तो उसे 'रिवर्स जूनोसिस' कहा जाता है।

विश्वभर में मनुष्यों में होने वाली सभी संक्रामक बीमारियों का लगभग 60 प्रतिशत तथा उभरते संक्रामक रोगों का 75 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा जूनोटिक रोगों का है। जूनोटिक बीमारियां दुनियाभर में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का प्रमुख कारण बनी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जूनोटिक बीमारियों में रेबीज, लाइम रोग, एवियन इन्फ्लूएंजा, इबोला, सार्स, वेस्ट नाइल, कोविड-19 इत्यादि शामिल हैं, जिनका सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था तथा आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव हो सकता है। आमतौर पर जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों को ही 'जूनोटिक डिजीज' कहा जाता है। आइसीएमआर के अनुसार जब कोई संक्रामक बीमारी जानवरों से मनुष्यों में पहुंचती है तो उसे 'जूनोसिस' कहते हैं और इसी प्रकार जब मनुष्यों से कोई संक्रामक बीमारी जानवरों में पहुंचती है तो उसे 'रिवर्स जूनोसिस' कहा जाता है। बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी अथवा कवक जूनोसिस के रोगजनक हो सकते हैं, जो सीधे सम्पर्क, भोजन, पानी अथवा पर्यावरण के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकते हैं। जूनोटिक बीमारियां संक्रामक होती हैं, जो संक्रमित जानवरों के सीधे सम्पर्क में आने से अथवा संक्रमित खाद्य पदार्थों और दूषित पानी के जरिये इंसानों में फैलती हैं। इस प्रकार की संक्रामक बीमारियों का फैलाव मच्छरों के जरिये भी होता है। जानवरों के काटने से फैलने वाला क्यू बुखार भी जूनोसिस रोगों में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि वर्तमान में विश्वभर में 200 से भी ज्यादा जूनोसिस बीमारियां हैं। जूनोसिस बीमारियों फैलाने में सबसे ज्यादा भूमिका बैक्टीरिया की होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक 538 तरह के बैक्टीरिया, 307 प्रकार के फफूंद, 287 कृमि, 217 वायरस तथा 66 प्रकार के प्रोटोजोआ से जानवरों से इंसानों में बीमारी फैलती हैं और हर साल दुनिया के निम्न-मध्यम आय वाले देशों में ही 10 लाख लोगों की मौत जूनोसिस रोगों के कारण हो जाती है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 6 जुलाई को जूनोटिक बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दुनियाभर में 'विश्व जूनोसिस दिवस' मनाया जाता है। 6 जुलाई को ही यह दिवस मनाने का कारण यही है कि फ्रांसीसी जीवविज्ञानी लुई पाश्चर ने इसी दिन 6 जुलाई 1985 को जूनोसिस रोग के खिलाफ पहले टीके का सफल प्रयोग किया था। उन्होंने उस दिन एक युवा लड़के को रेबीज का पहला टीका सफलतापूर्वक लगाया था, जिसे एक पागल कुत्ते ने काट लिया था। जूनोटिक

बीमारियों को समझने और रोकथाम की दिशा में वह बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। लुई पाश्चर की उस अभूतपूर्व उपलब्धि ने न केवल उस लड़के की जान बचाई थी बल्कि जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली जूनोटिक बीमारियों के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत भी की थी। इसीलिए जूनोटिक बीमारी के खिलाफ पहले टीकाकरण के दिन 6 जुलाई को ही 'विश्व जूनोसिस दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 'जूनोस' शब्द ग्रीक से उत्पन्न हुआ है, जहां 'जून' का अर्थ है जानवर और 'नोसोस' का अर्थ है बीमारी। जानवरों के साथ मनुष्यों का लंबा रिश्ता रहा है, फिर चाहे वह शिकार को लेकर रहा हो या उन्हें पालतू जानवरों के रूप में रखने को लेकर। हालांकि पहले के समय में महामारी और बीमारियों का प्रसार कम होता था लेकिन जनसंख्या विस्फोट और लोगों के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी के साथ ही बीमारियों और महामारियों में फैलने की क्षमता तेजी से बढ़ी है। 'इंटरनेशनल लाइव स्टॉक रिसर्च इंस्टीट्यूट' की एक रिपोर्ट के अनुसार जूनोसिस यानी प्राणी जनित रोग 1415 प्रकार के होते हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत रोग पशु, कीट, कीड़े से मनुष्यों को होते हैं, जिनके संक्रमण से पहले यदि बचाव के लिए वैक्सीन नहीं लगी हो तो मनुष्य की मौत होने की भी आशंका रहती है। जानवरों से मनुष्यों को 868 तरह के गंभीर रोग होते हैं, जिनमें से कई जानलेवा हो सकते हैं। इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि पशु चाहे पालतू हो अथवा घुमंतु, उसके काटने, पंजे की खरोंच लगने पर भी तुरंत अपना इलाज कराना चाहिए क्योंकि पशुओं से लगाव में हुई जरा सी भी अनदेखी न केवल सेहत पर बल्कि जिंदगी पर भी भारी पड़ सकती है। खसरा, चेचक और इन्फ्लूएंजा इत्यादि कई बीमारियां शुरूआत में जूनोटिक बीमारियों के रूप में शुरू हुई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक एंथ्रेक्स, ब्रूसेलोसिस इत्यादि बैक्टीरियल जूनोज जीवाणु संक्रमण के कारण होते हैं, जो पशुओं से मनुष्यों में फैल सकते हैं जबकि रेबीज, इबोला, कोविड-19 इत्यादि वायरल जूनोज हैं। टोक्सोप्लासमोसिस, लीशमैनियासिस जैसे रोग परजीवी जूनोज की श्रेणी में आते हैं। दाद जैसे जूनोटिक फंगल संक्रमण कवक के कारण होते हैं, जो जानवरों से मनुष्यों में फैल सकते हैं और इन्हें फंगल जूनोज कहा जाता है। स्क्रब टाइफस जानलेवा रोग भी कीटों के जरिये होने वाला जूनोसिस रोग है। कृन्तकों द्वारा प्रसारित हंता वायरस संक्रमण अथवा जंगली पक्षियों द्वारा फैलने वाली एवियन इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियां वन्यजीव जूनोज होती हैं, जिनमें मुख्य रूप से मनुष्यों तथा वन्यजीवों के बीच परस्पर क्रिया शामिल होती है। मवेशियों से ब्रूसेलोसिस तथा बिल्लियों से होने वाला टोक्सोप्लासमोसिस इत्यादि रोग घरेलू पशु जूनोज की श्रेणी में आते हैं। दूषित जल स्रोतों से होने वाला 'लेप्टोस्पायरोसिस' जलजनित प्रमुख जूनोटिक रोग है। मच्छरों से फैलने वाला डेंगू, मलेरिया, जेई, फाइलेरिया और किलनी से फैलने वाला लाइम रोग सदिश-जनित जूनोज हैं। संक्रमित जानवरों, उनके शरीर के तरल पदार्थ अथवा दूषित सतहों के सीधे सम्पर्क से होने वाले संक्रमण को प्रत्यक्ष सम्पर्क जूनोज कहा जाता है। वर्तमान में बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, इबोला, रेबीज, निपाह, लेप्टोस्पाइरोसिस, हुकवॉर्म, साल्मोनेलोसिस, ग्लैंडर्स, एवियन इन्फ्लूएंजा, वेस्ट नाइल वायरस जैसी बीमारियां जूनोसिस डिजीज हैं। वायरस, पैरासाइट्स, फंगस इत्यादि के कारण जानवरों से इंसानों में फैलने वाली जूनोसिस बीमारियों से मनुष्यों में हल्के से लेकर गंभीर बीमारी तक हो सकती है और कई मामलों में यह मौत का कारण भी बन सकती हैं। कुत्ते, बंदर, बिल्ली तथा अन्य पशुओं के काटने पर होने वाले रैबीज का अब तक इलाज नहीं मिल सका है। इसके लिए काटने के तुरंत बाद एहतियातन एंटी रैबीज वैक्सीन की सभी डोज लगवाना ही बचाव का उपाय है। जूनोसिस रोगों से बचाव के उपायों को लेकर पशु विशेषज्ञों का कहना है कि पशुओं का नियमित टीकाकरण कराएं और पशुओं को छूने के बाद हाथ अवश्य धोएं। पालतू जानवरों के साथ भी न सोएं बल्कि उनके सोने, रहने और खाने की अलग व्यवस्था करें। पशु में कोई भी असामान्य व्यवहार दिखाई देने पर उसकी तत्काल पशु चिकित्सालय में जांच कराएं। पशुओं के दड़बे, खाल, शौच इत्यादि की जगह की नियमित सफाई करें। चूंकि जूनोटिक रोगों में तेजी से फैलने की प्रवृत्ति होती है और अक्सर लोग जानवरों से फैलने वाले जूनोटिक रोगों को लेकर अनजान होते हैं, इसलिए इन बीमारियों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाना बेहद जरूरी है ताकि वे जूनोसिस रोगों के संभावित खतरों से बच सकें।

देश | दुनिया से

ज्ञान शील एकता परिषद की विशेषता

वर्तमान में तमिलनाडु में मतांतरण के कारण लवणया की आत्महत्या का विषय हो इन सभी पर अखिल भारतीय विद्याथा परिषद ने अपना पक्ष रखा और आन्दोलन किया। शिक्षा, रोज़गार, समाज निर्माण, देश की सीमाओं की सुरक्षा आदि तमाम विषयों को लेकर परिषद वर्षो से निरंतर काम करता आ रहा है। ज्ञान शील एकता परिषद की विशेषता अखिल भारतीय विद्याथा परिषद देश के युवाओं को अपनी माटी के प्रति प्रेम और समर्पण भाव के जागरण का एक संगठन है। यह तो हम सभी जानते है की ए.बी.वी.पी. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचार परिवार का ही यह एक छात्र संगठन है। जिस तरह से 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई उसी प्रकार से 9 जुलाईं 1948 को देश भर में विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के बीच में देश भत्ति का विचार जागृत हो। वही आज का छात्र आज का ही नागरिक इस भाव से वो परिपूर्ण हो इस ध्येय को पूर्ण करने के हेतु स्वतंत्रता के मात्र एक वर्ष बाद ही इस संगठन का विधिवत शुभ आरम्भ हुआ। ऐसा भी नही है की उस से पहले संघ का कार्यं छात्रों में नही था बल्कि काम तो था और ऐसे तमाम युवा छात्र स्वयंसेवकों ने देश की शासनिक पराधीनता के मुत्ति संग्राम में हिस्सा भी लिया था। लेकिन विशेषकर छात्रों में काम हो इस उदेश्य के लिए अखिल भारतीय विद्याथा परिषद (ए.बी.वी.पी.) नामक संगठन बना। 1947 में भारत तो अंग्रेजो की गुलामी से मुत्त हो गया लेकिन देश के सामने कईं संकट भी खड़े हो गए थे, ऐसे में देश का युवा अपनी भूमिका स्वरियता से निभाये इस अभीष्ट का हेतु बन परिषद अपने अस्तित्व में आया। विद्याथा परिषद जो छात्र जीवन में ही युवा मन के भीतर देश के प्रति प्रेम, लोगों के प्रति करुणा और समाज में समरसता के भाव का जागरण कर देता है। एक साधारण से छात्र से छात्र नेता और फिर देश समाज को नेतृत्व देने वाले व्यत्तित्व निर्माण की पाठशाला ही तो है अखिल भारतीय विद्याथा परिषद है। देश का प्रत्येक हिस्सा हमारा है, यह नारे आज भी हमारे कानो में अपना वो स्वर पूंक जाते है, जिनके स्वर की झंकार हमें देश के कण -कण से जोड देती है। वही यह नारे हमें भारत की जीवंत आत्मा का साक्षात्कार छण मात्र में कराने की शत्ति भी रखते है। कश्मीर हो या गोहाटी अपना देश अपनी माटी यह क्या? कोईं कोरे नारे थे या वुछ उससे अधिक था। अखिल भारतीय विद्याथा परिषद सदैव युवा शत्ति को पढ़ना और संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहा, ये संघर्ष शिक्षा के ढाँचे में परिवर्तन को लेकर था, तो वही देश के मुद्दों के साथ भी ये जुड़ा रहा। इसलिए जब भारत में बंगलादेशी घुसपैठ के विरुद्ध समाज में जागरण का विषय आया तो परिषद का एक-एक कार्यंकर्ता इसे सम्पूर्ण देश के जनमानस तक पहुचाने के कार्यं में लग गया। बंगलादेशी घुसपैठी बाहर करो ये नारा दिया गया, जिसे परिषद के लाखों कार्यंकर्ताओ ने ज़न -जन तक पहुँचाया। पूवरेत्तर भारत का शेष भारत के साथ एकात्म स्थापित करने के लिए 1966 में अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन (एष्ठ्य) नामक एक नया आयाम परिषद के कार्यंकर्ताओं ने खड़ा किया, जिसका परिणाम है की पूरे पूर्वतर भारत में राष्ट्रीय एकत्व भाव का निर्माण हुआ है। वही ईंसाईं मिशनरीयो के विरुद्ध आम समाज का जागरण भी हुआ है। अखिल भारतीय विद्याथा परिषद ने देश की अखंडता और देश में समरस समाज का निर्माण हो इस अभीष्ट को अपने काम का आधार बनाया और जिसमें छात्रों की भूमिका अग्रणी है। इसलिए हमने कहा छात्र शत्ति-राष्ट्र शक्ति इस राष्ट्र शत्ति को देश में बढ़ रहे हिप्पी संस्वृति और वामपंथी विचार प्रभाव से मुत्त रखना बेहद .ज़रूरी है। देश भर के विश्वविद्यालयों में वामपन्थी विचारो के प्रभाव ने भारत के अपने दैशिक चितन से हमें विमुख किया दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानो में भी माता सीता, प्रभु राम, भत्त हनुमान को लेकर अनर्गल साहित्य पढ़ाया जाता आ रहा था परिषद ने जब इसके विरुद्ध अभियान लिया तो ये चीजें पाठाम से बाहर की गईं। वही समता, समरसता को लेकर क्या? हमारा इतिहास नही है की देश में समरसता निर्माण और पूज्ये बाबा साहब अम्बेडकर के नाम पर माराठवाडा यूनिर्वसिटी का नामकरण हो की इसकी माँग किस छात्र संगठन ने की थी। जहाँ एक तऱफ महाराष्ट्र में दलित पेंथर की राजनीति अपने ज़ोरों पर थी जो हिसा का भी सहारा लेने से कोईं परहेज़ नही कर रहे थे। वही ए.बी.वी.पी. था जिसने संवैधानिक माध्यम से इस कार्यं को अंजाम दिया। हम जाने की अखिल भारतीय विद्याथा परिषद ने समता यात्रा निकाल नामांतरण आंदोलन चलाया और शांति पूर्ण रूप से चले आंदोलन से बदलाव भी हुए। इस विचार को ध्येय मान समरसता हेतु बिहार में 1988 के दौर में एक पद यात्रा निकाली गईं, इसी तरह हमारे वनवासी बन्धुओ के लिए गुवाहटी में इसी वर्ष एक वनवासी विद्याथा सम्मेलन का आयोजन किया गया। ये सभी आंदोलन 70-80 के दशक में चले लेकिन क्या आज हम समाजिक समरसता के विचार से भिन्न हुए तो ऐसा नही अभी वुछ ही वर्षो पहले परिषद ने पूरे देश भर में हमारे अनुसूचित जाति बन्धुओ के बीच सामाजिक अनुभूति का एक कार्यांम लिया जिसका बड़ा ही सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। वही ए.बी.वी.पी. ने समाज में प्रतिनिधित्व सभी को मिले सभी को सामान अवसर मिले इसलिए जब एक बड़ा वर्ग मण्डल आयोग का विरोध कर रहा था तो ए.बी.वी.पी. ने उसका समर्थन ही किया था। देश में 70 के ही दशक में आपातकाल लगा दिया गया इस ूर सरकार के ख़िलाफ़ जनजागरण का कार्यं ए.बी.वी.पी. ने किया। जिसमें हज़ारों की संख्या में ए.बी.वी.पी. के कार्यंकर्ताओं को ज़ैल में जाना पड़ा लेकिन उनका हौसला पस्त नही हुआ। देश में क्या चल रहा है इसे दुनिया में पढ़ रहे भारत मूल के छात्र भी जाने इस हेतु वल्र्ड ओर्गनईंजेशन स्टूडेंटस एण्ड यूथ 1985 में बना।

कुछ | अलग

मिनी समझौता

मिनी समझौता नईं दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय में इस बात की चर्चा है कि भारत और अमेरिका के बीच एक अहम समझौता हुआ है। दोनों देशों के बीच जो सीमित समझौता हुआ है यह दोनों देशों के बीच कईं सप्ताह तक चली बातचीत का परिणाम है। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक बातचीत के दौरान भारत अपनी मुख्य शर्तो पर अड़ा रहा जबकि बातचीत में शामिल अमेरिकी अधिकारियों में भी बातचीत करने की इच्छा देखने को मिली। इसलिए बातचीत आगे बढ़ सकी। दरअसल मिनी समझौते का विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है किन्तु एक बात बिल्वुल स्पष्ट है कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव में शिथिलता आने की संभावना है। असल में इस मिनी समझौते के तहत दोनों देशों के वार्ताकारों ने वुछ विशेष क्षेत्रों को ही शामिल किया और जिन क्षेत्रों में ज्यादा विवाद है उन्हें सहज करने के लिए दोनों देशों को समय मिल गया है। इसलिए दोनों देशों को लगा कि यही मिनी समझौता बड़े समझौते का मार्ग खोल सकता है, इसलिए दोनों ने फिलहाल सीमित समझौते को मानकर व्यापारिक वूटनीति का सहारा लिया। सच तो यह है कि भारत ने जिस तरह अपने राष्ट्रीय हितों को महत्व देते हुए वृषि उत्पादों को लेकर अड़ा रहा, उससे अमेरिका को लगा कि यदि वह भी भारत की शर्तो को आधार मानकर अड़ियल रुख अपनाएगा तो बातचीत टूटना तय है। वाशिंगटन डीसी के लिए भी जरूरी था कि वुछ विशेष क्षेत्रों को बातचीत में शामिल करके भविष्य के एक बड़े क्षेत्र के समझौते की संभावनाओं का द्वार खोलने में ही भलाईं है।

आप का | नजरिया

विकास पर भारी बढ़ती जनसंख्या

इन दिनों भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय कोरोना काल में रुकी पड़ी भारत की जनगणना जैसे विश्व के सबसे बड़े अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। वहीं विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक वैश्विक उत्सव है। यह दिन 'पांच अरब का दिन' (11 जुलाई 1987) की याद में मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी पांच अरब लोगों की हो गई थी। भारत में आजादी के समय कुल जनसंख्या 33 करोड़ थी जो 2011 की जनगणना के मुताबिक बढक़र 125 करोड़ पहुंच गई थी। यूएन के अनुमानों के अनुसार, वर्तमान में भारत की जनसंख्या 146.39 करोड़ है। आने वाले दशकों में ये आंकड़ा करीब 1.70 अरब तक जाएगा और फिर लगभग 40 साल बाद गिरावट शुरू होगी। भारत की युवा जनसंख्या अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 वर्ष उम्र वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 वर्ष उम्र वर्ग में 17 प्रतिशत तथा 10-24 उम्र वर्ग में 26 प्रतिशत युवा हैं। देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी उम्र (15-64 वर्ष वर्ग) वाली है। भारत की 65 फीसदी युवा आबादी जहां भारत का संबल है तो वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी जैसी बड़ी चुनौती का पर्याय भी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार मई-2025 में भारत में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत थी। आज भारत में बड़ी संख्या में शिक्षित युवा वर्ग बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। बढ़ती जनसंख्या से प्रवासियों का एक राज्य से दूसरे राज्यों को पलायन बढ़ा है जो रोजगार को लेकर अब आपसी संघर्ष में बदल रहा है और इसका राजनीतिक लाभ के लिए भी इस्तेमाल हो रहा है। बड़े शहरों में रेहड़ी फड़ी की बढ़ती भीड़ से सडक़ों, गलियों में अतिक्रमण बढने से ट्रैफिक जाम की समस्याएं खड़ी हो रही हैं। इस बार विश्व जनसंख्या दिवस 2025 की थीम है, युवा वर्ग को ऐसा समर्थ बनाना, जहां वे निष्पक्ष और आशाजनक दुनिया में अपने मनचाहे परिवार की

रचना कर सकें। इससे अभिप्राय है कि युवा वर्ग को अपना भविष्य बनाने में मदद करना है, कि कब परिवार शुरू करें, कितने बच्चे हों और कैसे स्वस्थ माहौल में जियें। अस्सी के दशक से हम सभी 'हम दो हमारे दो' का नारा सुनते आए हैं। लेकिन अब 'हम दो हमारे दो' के बाद नई पीढ़ी के नौजवान 'हम दो हमारा एक' की नीति पर चल पड़े हैं, जिससे धीरे धीरे जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम स्वतः गति पकड़ रहा है। लेकिन इसको लेकर केवल मध्यमवर्गीय शिक्षित युवा पीढ़ी ही गंभीर है, वर्ना अधिकांश अशिक्षित या अद्र्धशिक्षित वर्ग के लोग अभी भी तीन से चार बच्चों के साथ परिवार नियोजन की मांग की धज्जियां उड़ाते नजर आते हैं। यही कारण है कि बढ़ती आबादी के चलते भारत, विश्व की चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के बावजूद विकासशील देशों की कतार में खड़ा है। भारत की बढ़ती जनसंख्या का असर वैश्विक भूख सूचकांक-2025 (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) की रिपोर्ट में भी देखा जा सकता है, जिसमें 127 देशों की सूची में भारत 105वें स्थान पर है। 2024 के इंडेक्स में भारत का स्कोर 27.3 था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों ने इसके लिए नीतियों के खराब कार्यान्वयन, प्रक्रियाओं में प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। बढ़ती आबादी के पीछे अशिक्षा, अंधविश्वास, परिवार नियोजन के तौर-तरीकों में जागरूकता का अभाव और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही जैसे बुनियादी कारण हैं। ऐसा अनुमान है कि जनसंख्या वृद्धि के कारण नई पीढ़ी को भविष्य में बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ेगा। आज भी भारतीयों को बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, भुखमरी, चिकित्सा सुविधाओं, कुपोषण, स्वच्छ पेयजल की कमी, अच्छी शिक्षा, बिजली-पानी के संकट और गरीबी से बुरी तरह से जूझना पड़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या के कारण बेरोजगारी में वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव, शहरीकरण और झुग्गियों का विस्तार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर बोझ और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याओं में भी इजाफा हो रहा है। इसके अलावा ग्रामीण आवास की समस्या, गंदा पानी और कूड़ा कचरा जैसी समस्याएं अलग से मुंह बाए खड़ी हैं। यदि समय रहते सरकारों ने आने वाली पीढियों को सुंदर एवं सुखी जीवन देने के लिए अभी से प्रयास शुरू नहीं किए तो भविष्य में भावी पीढियों के समक्ष आपसी संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है।

दृष्टि | कोण

पालमपुर की सुंदरता को बचाने की चुनौती

पालमपुर हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत पर्यटक स्थल है, जहां मीलों लंबे फैले चाय के बागानों के हरे-भरे दृश्य और प्राकृतिक दृश्यावलियां लोगों के दिलों को सुकून और शांति पहुंचाती हैं और लोगों/पर्यटकों को बार-बार यहां घूमने आने के लिए आमंत्रित करती हैं, तो वहीं पालमपुर की पहचान यहां के पढ़े लिखे प्रबुद्ध और समृद्ध समाज से भी है। लेकिन अब समय के साथ साथ पालमपुर की बढ़ती आबादी, प्रवासी कामगारों की भीड़, पड़ोसी गांवों से पढने आने वाले विद्यार्थियों/कर्मचारियों और बाहर से आने वाले सैलानियों के कारण शहर के अंदर भीड़भाड़ वाला आलम बन चुका है तो वहीं पार्किंग की कोई सुव्यवस्थित प्रणाली के न होने के चलते जगह जगह लगने वाले ट्रैफिक जामों की वजह से लोगों को भारी परेशानियों से रोजाना दो चार होना पड़ता है। बढ़ते शहरीकरण और पर्यटन के कारण कई समस्याओं से जूझता हुआ यह कस्बा अब ट्रैफिक जाम, नशा तस्करों, अव्यवस्थित पार्किंग, गंदगी, अतिक्रमण, संकरे मार्गों, सडक़ों की तंगी और निराश्रित पशुओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। यदि आप बैजनाथ की तरफ से पालमपुर की ओर आएं तो पालमपुर के निकट जैन मार्बल/कपिला और निर्दोष क्लीनिक से आगे सब्जी मंडी, बराका मोड़, आईसीआई सीआई बैंक एरिया और फिर नए बने बाईपास पुल और उसके नीचे विशाल मेगामार्ट और नए बस स्टैंड तक जैम पैक वाली हालत बनी रहती है। यही हाल ग्रेंड प्लाजा, राम चौक और घुग्घर चौक वाले इलाकों का है। यहां सडक़ें बेहद संकरी भी हैं। आजकल सुबह के समय वोल्वो बसों के पालमपुर शहर में प्रवेश से रोक के कारण निजी टैक्सी चालकों की पौबारह है। वे कालू दी हट्टी से पालमपुर के अंदर तक आने के लिए मुंहमांगा किराया मांगते हैं। पालमपुर के

चारों ओर भीड़भाड़ और बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को साफ महसूस किया जा सकता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि क्या यह समस्याएं प्रशासन, नगर निगम और स्थानीय विधायक के संज्ञान में नहीं हैं अथवा वे जानबूझकर अंजान बने हुए हैं? इतने साल बीत जाने के बावजूद इस खूबसूरत शहर को सुचारू यातायात प्रणाली, व्यवस्थित पार्किंग और अन्य जन उपयोगी सुविधाओं से क्यों वंचित रखा गया है, यह बात समझ से परे है और मांग पालमपुर को जिला बनाए जाने की जाती है। जब वर्तमान हालात ही काबू से बाहर हैं तो फिर क्या गारंटी है कि जिला बनाने के बाद पालमपुर के हालात व्यवस्थित हो जाएंगे? दूसरे अभी चंद वर्ष पहले ही पालमपुर को आसपास की पंचायतों को मिलाकर नगर निगम का दर्जा दिया गया था। लेकिन सवाल फिर भी बरकरार है कि नगर नियोजन के नाम पर पालमपुर के हालात सुधारने के लिए एमसी ने क्या क्या योजनाएं बनाईं, जिनमें सबसे बड़ी मांग पार्किंग की है। आज के दौर में कोई इनसान अपनी गाडियों को दूरदराज खड़ी करके पैदल भटकना नहीं चाहता है। वहीं कुछ छपरी टाइप या सिरफिरे ड्राइवर सडक़ों पर अपनी गाडियां बेतरतीब खड़ी करके यहां वहां घूमते फिरते हैं। भला दो तीन ट्रैफिक कर्मचारी कहां कहां व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भटकते रहेंगे? अतएव ट्रैफिक पुलिस वालों की संख्या बढ़ाने की तुरंत आवश्यकता है। शिमला, मनाली, डलहौजी और धर्मशाला को छोड़ दें तो इन दिनों पालमपुर जैसे शहर अब पर्यटकों की दूसरी पसंद बनते जा रहे हैं, जहां दूसरे राज्यों से पर्यटक तीन चार दिन गुजारने के लिए और सुकून भरी जिंदगी का आनंद उठाने आ रहे हैं। अब पहाड़ी जगहों पर भी भीड़भाड़ और अव्यवस्थाएं ही लोगों को झेलने को मिलें तो कोई क्योंकर ही यहां आना चाहेगा? सवाल यह भी उठता है कि आखिर एक सामान्य शहरी दुनिया जहान के टैक्स भरने के बावजूद क्योंकर सुविधा रहित अव्यवस्थित वातावरण में रहे? फिर नगर निगम, उपमंडल, विधायक और दूसरे सरकारी इदारों में बैठे लोग क्या कर रहे हैं? यदि उनके पास न नीति, न नीयत और न ही दूरदृष्टि है, और दावे करेंगे कि विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। पालमपुर शहर के बीच से होकर गुजरने वाले ट्रैफिक को डाइवर्ट करने के लिए एक अल्टरनेट रिंग रोड या बाइपास जरूरी है।

उत्तर कोरिया के सहयोग से रूस ने किए यूक्रेन पर 623 हवाई हमले, 13 लोगों की मौत

कीव,13 जुलाई (एजेंसियां) ।

उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मॉस्को को 'बिना शर्त समर्थन' देने की घोषणा की है। यह बात उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है। उत्तर कोरिया में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात में किम ने स्पष्ट किया कि प्योंगयांग 'यूक्रेन संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए रूसी नेतृत्व की ओर से उठाए गए सभी कदमों के साथ पूरी तरह खड़ा है'। इसी सहयोग के चलते रूस ने यूक्रेन पर इस महीने का चौथा बड़ा हमला करते हुए शनिवार को एक भीषण ड्रोन और मिसाइल हमले की बौछार कर दी, जिसमें कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। यह हमला खास तौर पर पश्चिमी यूक्रेन के उन इलाकों में किया गया जहां माना जा रहा था कि यहां अटैक होना मुश्किल होगा।

यूक्रेन की वायुसेना के मुताबिक, रूस ने बीते 24 घंटों में 623 ड्रोन और 26 मिसाइलें दागीं। इनमें से 319 ईरानी-निर्मित 'शहीद' कामिकाजे ड्रोन थे, जो हाल के हफ्तों में रूस की हमलावर रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन चुके हैं। यूक्रेनी सेना ने आधे से ज्यादा ड्रोन और अधिकांश मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन उसके बावजूद हमले ने कई इलाकों को दहला दिया। लविव क्षेत्र में हुए एक ड्रोन हमले में 12 लोग घायल हो गए। इस क्षेत्र को अब तक विदेशी सैन्य मदद पहुंचाने के सुरक्षित केंद्र के रूप में देखा जाता था। स्थानीय गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि कई रिहायशी इलाकों में विस्फोट हुए। पूर्वोत्तर यूक्रेन के खारकीव में 8 ड्रोन और 2 मिसाइलें गिरीं, जिससे 3 लोग घायल हो गए। शहर के मेयर इगोर तेरेखोव ने कहा कि रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। शनिवार सुबह, ड्निप्रोपेट्रोव्स्क इलाके में मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा सुमी क्षेत्र में रूसी गाइडेड बम गिरने से भी दो लोगों की जान चली गई। पश्चिमी अधिकारियों का दावा है कि पिछले एक साल में उत्तर कोरिया ने लगभग 11,000 सैनिक रूस भेजे हैं ।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश ने शेख हसीना के खिलाफ चली नई चाल, बेटी को डब्ल्यूएचओ ने भेज दिया छुट्टी पर

लंदन। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना भी मुश्किल में हैं। उन पर भी एक विशेष ट्रिब्यूनल ने गंभीर आरोप लगाते हुए शेख हसीना को 'मानवता के खिलाफ अपराध' के आरोपों में अभियुक्त घोषित कर दिया। बताया गया कि पिछले साल छात्र आंदोलन के दौरान सैकड़ों छात्रों की मौत के मामले में यह कदम उठाया गया। ट्रिब्यूनल ने हसीना के साथ पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को भी आरोपी माना है। फिलहाल हसीना और खान दोनों भारत में निर्वासन में हैं और अदालत में पेश नहीं हुए।वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की डायरेक्टर साइमां वाजेद को अनिश्चितकालीन छुट्टी पर भेज दिया है। साइमां हसीना की बेटी हैं। यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगा रही है। डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस घेब्रेयेसस ने एक आधिकारिक ईमेल में जानकारी दी कि साइमां वाजेद तत्काल प्रभाव से छुट्टी पर जाएंगी। उनकी जगह अब डॉ कैथरीन बोहेमे डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया कार्यालय का कार्यभार संभालेंगी। साइमां को हटाने के पीछे मोहम्मद यूनुस सरकार को जिम्मेदार माना जा रहा है। क्योंकि बांग्लादेश की एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) ने ही साइमां पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने डब्ल्यूएचओ की हाई-प्रोफाइल नौकरी पाने के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता को लेकर झूठा दावा किया था। साथ ही उन्होंने अपनी मां के पद का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं, आरोप है कि उन्होंने ढाका की बंगबंधु मेडिकल यूनिवर्सिटी में मानद पद होने की झूठी जानकारी दी, जिसे विश्वविद्यालय ने खारिज कर दिया। इसके अलावा, उन पर शुचोना फाउंडेशन के जरिए करीब 2 l8 मिलियन डॉलर (लगभग 24 करोड़ रुपये) की फंडिंग में अनियमितता करने का आरोप भी है ।

पाकिस्तान में बारिश का कहर 16 दिन में 98 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। अरब सागर से आई नमी की वजह से पंजाब में मॉनसून एक्टिव है। लाहौर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ गई है। एनडीएमए के अनुसार, 26 जून से यानी 16 दिन में अब तक देशभर में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 98 लोगों की जान चली गई है और 185 अन्य घायल हो गए हैं। पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 37 मौतें हुईं, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं, इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा में 30 लोगों की जान गई।अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कई जगह तेज बारिश से नदियों का पानी बढ़ सकता है। कुछ कमजोर इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका जताई गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और पंजाब की प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से सावधान रहने और पानी भरे हुए इलाकों में जाने से बचने की अपील की है। खासकर 17 जुलाई तक अलर्ट रहने के कारण लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिंधु, काबुल, झेलम और चिनाब सहित सभी प्रमुख नदियों में पानी का बहाव बढ़ने की संभावना है।

बोले शहबाज- मियां वो तो बख्श दिया हम तो भारत में परमाणु बम फोड़ने वाले थे

इस्लामाबाद। छात्रों के सामने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ खूब ढींगे मारते दिखाई दिए। उन्होंने

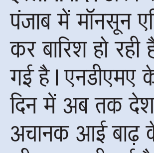

कहा कि मियां हम तो परमाणु बम भारत पर फेंकने ही वाले थे, वो तो उनकी किस्मत अच्छी थी सो बच गए। शरीफ ने यह टिप्पणी इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विद्यार्थियों के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों भारत के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को भी उन्होंने याद किया। शरीफ ने कहा कि भारतीय सैन्य हमलों में 55 पाकिस्तानी मारे गए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने पूरी ताकत से जवाब दिया। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शरीफ ने जवाब दिया, 'पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों और राष्ट्रीय रक्षा के लिए है, न कि हमले के लिए। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 6 मई की देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

लंदन में प्रतिबंधित संगठन पैलेस्टाइन एक्शन के समर्थन में प्रदर्शन 40 से अधिक लोग गिरफ्तार

लंदन,13 जुलाई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन सरकार द्वारा पैलेस्टाइन एक्शन को आतंकी संगठन घोषित किए जाने के खिलाफ शनिवार को लंदन के केंद्रीय हिस्से में हुए प्रदर्शन में 42 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह प्रदर्शन उस निर्णय के विरोध में था, जिसमें समूह को टेररिज्म एक्ट 2000 के तहत प्रतिबंधित किया गया है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि इन गिरफ्तारियों में से अधिकांश प्रतिबंधित संगठन का समर्थन करने के आरोप में की गईं। इसमें नारे लगाना, कपड़े पहनना, झंडे या प्रतीक दिखाना जैसी गतिविधियां शामिल थीं। एक व्यक्ति को सामान्य हमले (कॉमन असॉल्ट) के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

यह लगातार दूसरा सप्ताह था जब प्रदर्शनकारियों ने पैलेस्टाइन एक्शन के समर्थन में प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह भी इसी तरह के प्रदर्शन में 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

प्रदर्शनकारी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नेता महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की प्रतिमाओं के नीचे एकत्रित हुए। शांतिपूर्वक हुए इस प्रदर्शन में कुछ लोगों के हाथों में आई अपोज जेनोसाइड, आई सपोर्ट पेलेस्टाइन एक्शन जैसे संदेश लिखे पोस्टर थे। पुलिस और मीडियाकर्मियों की भारी मौजूदगी में प्रदर्शनकारियों को घेरे रखा गया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी जमीन पर लेट गए, जिन्हें पुलिस ने उठाकर वेटिंग पुलिस वैन में बैठाया। इस दौरान उनके बैग्स की तलाशी ली गई और पोस्टर-जैसे सामग्री जब्त की गई।

इस प्रदर्शन के साथ ही मैनचेस्टर, कार्डिफ और उत्तरी आयरलैंड के लंडनडेरी में भी इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

ब्रिटेन सरकार ने 20 जून को ऑक्सफोर्डशायर स्थित ब्राइज नॉर्टन आरएएफ बेस में हुए एक घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना के बाद पैलेस्टाइन एक्शन पर प्रतिबंध लगाया। कार्यकर्ताओं ने लाल पेंट और लोहे की छड़ों से दो विमानों को क्षति पहुंचाई थी, जिससे अनुमानित 07 मिलियन पाउंड (लगभग 79 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। इस घटना में 22 से 35 वर्ष की उम्र के चार लोगों को गिरफ्तार कर आपराधिक साजिश और राष्ट्रहित के खिलाफ प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोपों में अभियुक्त बनाया गया है। इन्हें 18 जुलाई को सेंट्रल क्रिमिनल कोर्ट में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन के टेररिज्म एक्ट 2000 के तहत 81 संगठनों को आतंकी सूची में रखा गया है, जिनमें हमास और अल-कायदा जैसे संगठन भी शामिल हैं। अब पैलेस्टाइन एक्शन के समर्थन को भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है, जिसके लिए अधिकतम 14 वर्षों की सज़ा का प्रावधान है।

ट्रंप का टैरिफ बम: मैक्सिको समेत यूरोपियन यूनियन पर लगेगा 30 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ का राग अलापा है। जबसे ट्रंप राष्ट्रपति बने हैं वे रात दिन सिर्फ टैरिफ के बारे में सोचते हैं। शनिवार को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक लेटर पोस्ट किया। उसमें लिखा था कि मैक्सिको और यूरोपियन यूनियन से सामान के आयात पर 30 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा। यह फैसला 1 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप ने अमेरिका के दो सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर्स पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। उन्होंने मैक्सिको के नेता को लिखे पत्र में माना है कि उनका देश अवैध प्रवासियों के प्रवाह को रोकने में मददगार साबित हुआ है। उन्होंने इस पत्र में यह भी कहा है कि देश ने उत्तरी अमेरिका को नार्को-तस्करी के मैदान बनने से नहीं रोका है। साथ ही अपने लेटर में यूरोपिय संघ के साथ व्यापार असुंतलन की बात भी उन्होंने कही है। तीन दिन पहले डोनाल्ड ट्रंप ने 7 देशों के प्रमुखों को लेटर भेजा था। ये सात देश अलेजरिया, इराक, लिबिया, फिलिपिंस, श्रीलंका आदि थे। उन्होंने तब संतुलित और निष्पक्ष ट्रेड की बात कहते हुए 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की बात कही थी।

ईरान की अमेरिका को दो टूक कहा- बात तभी होगी जब हम पर हमला नहीं होगा

तेहरान, 13 जुलाई (एजेंसियां) ।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता की बहाली एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना सुरक्षा गारंटी के अब कोई बातचीत नहीं होगी।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराजची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से कहा, हमारा देश हमेशा से परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत के लिए तैयार रहा है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बातचीत की प्रक्रिया युद्ध में तब्दील न हो। लेकिन क्या ईरान की ये शर्त इजरायल मानेगा

अरागची का यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले 12 दिनों में ईरान पर इजरायल की बमबारी और 22 जून को अमेरिका के हवाई हमले से ईरान के कई न्यूक्लियर और मिलिट्री प्रतिष्ठान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका या अन्य देश बातचीत चाहते हैं, तो पहले यह ठोस गारंटी दें कि ऐसे हमले दोबारा नहीं होंगे। ईरान का कहना है कि इन हमलों के चलते अब बातचीत की प्रक्रिया और जटिल हो गई है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने भी कहा कि अमेरिकी हमलों ने उनके परमाणु ठिकानों को इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया है कि अब तक वहां पहुंचना और क्षति का पूरा आकलन करना भी संभव नहीं हो पाया है।

जहां अमेरिका और इजरायल का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियारों के बेहद करीब पहुंच चुका है, वहीं ईरान ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान की संप्रभुता का हिस्सा है और वह इसे अपनी जमीन पर ही जारी रखेगा। अब निगाहें अमेरिका पर हैं कि क्या वे इस शर्त के साथ बातचीत की बहाली को स्वीकार करते हैं या टकराव का रास्ता और गहराता है।

वहीं ईरान ने इस घटनाक्रम के बाद संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी एजेंसी आईएईए से सहयोग भी सस्पेंड कर दिया है और उसके निरीक्षकों को हटा लिया गया है। अरागची ने कहा कि अब एजेंसी से अनुरोधों पर ईरान केस-बाय-केस आधार पर, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए प्रतिक्रिया देगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि हमलों से क्षतिग्रस्त परमाणु साइटों में रेडियोएक्टिव लीक और बम विस्फोट का गंभीर खतरा है, जिससे न केवल ईरान, बल्कि पूरे क्षेत्र की सुरक्षा खतरे में है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने का प्रयास

लंदन में पुलिसअधिकारी पार्लियामेंट स्कवायर के पास फिलिस्तीन मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने का प्रयास करते हुए।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के करीबी मंत्री का रिश्वत लेने संबंधी ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल, जांच शुरू

काठमांडू, 13 जुलाई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कैबिनेट के सामान्य प्रशासन तथा संघीय मामलों के मंत्री राजकुमार गुप्ता पर 78 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। मंत्री के साथ एक महिला तथा एक पुरुष के बीच बातचीत का ऑडियो इस समय विभिन्न सोशल मीडिया तथा ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पर वायरल हो रहा है। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने इसकी जांच शुरू कर दी है।

ऑडियो में एक सरकारी नियुक्ति और एक ट्रांसफर रुकवाने के बदले 78 लख रुपये रिश्वत मांगने का जिक्र सुनाई दे रहा है। करीब 10 मिनट के इस हालांकि, ऑडियो की सत्यता अभी जांची नहीं गई है, लेकिन इसमें मंत्री राजकुमार गुप्ता की ओर से जिला भूमि आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति करने के लिए 25 लाख रुपये मांगने की बात सामने आ रही है।

इसी तरह सामान्य प्रशासन मंत्रालय के एक प्रदेश स्तर के सरकारी कर्मचारी का ट्रांसफर रुकवाने के लिए 53 लाख रुपये रिश्वत मांगने की बात भी इस वायरल ऑडियो में सुनी जा सकती है।

एंटी करप्शन ब्यूरो के आयुक्त जयबहादुर चंद्र ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो की लिखित शिकायत ब्यूरो को मिली है। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है और उस कथित ऑडियो को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेज दिया गया है।

ऑडियो वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टियों सहित सत्तारूढ़ दल के नेता भी सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता के इस्तीफा की मांग कर रहे हैं।

विपक्षी दल माओवादी के प्रवक्ता अग्नि सापकोटा ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से अपने मंत्रिमंडल के सहयोगी राजकुमार गुप्ता को बर्खास्त किए जाने की मांग की है। सापकोटा ने कहा है कि वायरल ऑडियो में राजकुमार गुप्ता की आवाज स्पष्ट है और रिश्वत लेने की बात सामने आने पर यदि मंत्री अपना इस्तीफा नहीं दे रहे हैं तो प्रधानमंत्री को उन्हें तत्काल बर्खास्त कर देना चाहिए। इसी तरह सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस ने भी सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता और पार्टी के कई नेताओं ने अलग-अलग बयान देकर नैतिकता के आधार पर राजकुमार गुप्ता से इस्तीफा देने की मांग की है।

शांति पर संशय: हमास के 35 ठिकानों पर इजरायल ने किया हमला

गाजा, 13 जुलाई (एजेंसियां) ।

इजरायल का आरोप है कि हमास 'समझौते को जानबूझकर तोड़ रहा है और लचीलापन नहीं दिखा रहा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब इजरायल ने 35 हमास ठिकानों को निशाना बनाया। कुल मिलाकर गाजा में संघर्ष विराम को लेकर चल रही बातचीत एक बार फिर अनिश्चितता में घिर गई है। शनिवार को हमास और इजरायल ने एक-दूसरे पर बातचीत में अड़चन डालने का आरोप लगाया। इस दौरान कतर में मध्यस्थता की कोशिशें जारी रहीं, जबकि इजरायली बंधकों के परिजन सरकार पर समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक फिलिस्तीनी सूत्र ने बताया कि इजरायल गाजा के कई हिस्सों में अपने सैनिक बनाए रखना चाहता है, जो 60 दिन के संघर्ष विराम में सबसे बड़ी बाधा बन गया है।

बातचीत के बीच गाजा में बमबारी जारी रही। गाजा सिटी के निवासी बासम हमदान ने कहा, 'हम सो रहे थे कि अचानक धमाका हुआज मां और तीन बच्चों के शव टुकड़ों में मिले।' दक्षिणी गाजा में घायलों को गधों पर लादकर या कंधों पर उठाकर अस्पताल लाया गया। इजरायली सेना का कहना है कि उसने 48 घंटों में गाजा में 250 से ज्यादा 'आतंकी ठिकानों' पर हमला किया। वहीं, हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि अब तक 57,882 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, इजरायल करीब 40 प्रतिशत गाजा क्षेत्र में सैन्य मौजूदगी बनाए रखना चाहता है, जिससे लाखों विस्थापित फ़िलिस्तीनी रफा के पास सीमित इलाके में फंसे रहेंगे। हमास का मानना है कि ये नक्शे गाजा पर दोबारा कब्जे को जायज ठहराने की कोशिश हैं। बातचीत में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के कतर पहुंचने तक विराम की बात कही गई है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, रविवार को इजरायल नई योजनाएं पेश कर सकता है। 2023 और 2024 के दो संघर्षविरामों में 105 इजरायली बंधकों की रिहाई हुई थी। फिलहाल 49 बंधक अब भी हमास की कैद में हैं, जिनमें से 27 की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इजरायली वायुसेना ने गाजा के उत्तरी हिस्से में स्थित बैत हनून इलाके पर बीते एक घंटे में जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्स के अनुसार, इन हमलों में हमास के कम से कम 35 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें अंडरग्राउंड सुरंगें भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने इन हवाई हमलों का वीडियो जारी करते हुए बताया कि यह कार्रवाई बैत हनून में हमास के खिलाफ तेज हुए सैन्य अभियानों का हिस्सा है। इलाके में मौजूद सुरंग नेटवर्क को ध्वस्त कर आतंकियों की गतिविधियों पर लगाम कसने की कोशिश की जा रही है।

ईरान में हमले के दौरान जेट में आई खराबी

पिछले महीने ईरान और इजराइल के बीच हुए 12 दिन के युद्ध के दौरान एक खतरनाक तकनीकी खामी ने इजराइली वायुसेना को पलभर के लिए संकट में डाल दिया था। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, एक एफ-15 लड़ाकू विमान के फ्यूल टैंक में खराबी आ गई थी, जब वह पहले ही ईरान की सीमा में काफी अंदर पहुंच चुका था। इस स्थिति में विमान को मजबूरी में ईरान में आपात लैंडिंग करनी पड़ सकती थी। यह एक ऐसा कदम था जिसे इजरायल किसी भी कीमत पर टालना चाहता था। हालांकि मिशन के साथ कोई ईंधन भरने वाला विमान तैनात नहीं था, लेकिन तुरंत एक रीफ्यूलिंग प्लेन भेजने की योजना बनाई गई। साथ ही एक वैकल्पिक योजना भी तैयार की गई थी, जिसमें विमान को किसी पड़ोसी देश में इमरजेंसी लैंडिंग करानी थी ताकि ईरान में उतरने से बचा जा सके।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

नई दिल्ली,13 जुलाई (एजेंसियां)। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती

कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ।

न्यूज ब्रीफ

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम, 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

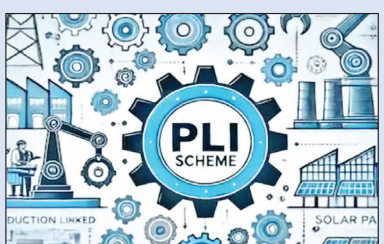

नई दिल्ली। भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंपनियों का जलवा

मुंबई। भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही।

साप्ताहिक समीक्षा : अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी और इंडो यूएस ट्रेड डील में देरी से रहा अस्थिरता का माहौल

नई दिल्ली,13 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी को अनिश्चितता और इंडो-यूएस ट्रेड डील में हो रही देरी के कारण पिछले सप्ताह स्टॉक मार्केट में लगातार अस्थिरता का माहौल बना रहा। इस वजह से 7 जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार ज्यादातर समय उतार चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ कारोबार करता रहा। 11 जुलाई को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 932.42 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,500.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 311.15 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ 25,149.85 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई के लार्जकैप इंडेक्स में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन कंपनी, हिंदुस्तान जिंक, इंडस टावर्स, वेदांता और इंफो एज इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर मैनकाइंड फार्मा, वारी एनर्जीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, डाबर इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्ज कैप इंडेक्स की तरह ही बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी साप्ताहिक आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से आरती इंडस्ट्रीज, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, भारत फोर्ज, अरबिंदो फार्मास्यूटिकल्स, एंड्यूरेंस टेक्नोलॉजीज, प्रेसीजन फोर्जिंग्स, भारती हेक्साकॉम और सोना बीएलडब्ल्यू के शेयर गिरावट के साथ कारोबार करने के बाद टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर प्रीमियर एनर्जीज, रिलैक्सो फुटवियर्स, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स, डेल्ही वेरी, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, इमामी, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स और कमिंस इंडिया के शेयर 5 से 11 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्जकैप और मिडकैप की तरह ही बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में भी पिछले सप्ताह गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि इस सूचकांक में तुलनात्मक रूप से थोड़ी कम गिरावट दर्ज की गई। स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ इस इंडेक्स में शामिल केआर रेल इंजीनियरिंग, हैंप्टन स्काई रियल्टी, सिंधु ट्रेड लिंक्स, ड्रीमफोक्स सर्विसेज, सिगाची इंडस्ट्रीज, साधना नाइट्रोकेम, गरवारे हाईटेक फिल्म्स, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज, दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल कॉरपोरेशन, इंडियन मेटल एंड फेरो एलॉयज, शारदा क्रॉपकेम और एनएसीएल इंडस्ट्रीज के शेयर 7 से लेकर 14 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एक्मे सोलर होल्डिंग्स, पेनिनसुला लैंड्स, जॉन क्रोकरील इंडिया, जयप्रकाश पावर वेंचर्स, शिवा सीमेंट, डिश टीवी इंडिया और फोर्स मोटर्स के शेयर 15 से 39 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

सेक्टोरल फ्रंट पर देखें, तो बीएसई का टेलीकॉम इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 4.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का आईटी इंडेक्स 3 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 2.7 प्रतिशत, ऑटोमोबाइल, मेटल, पीएसयू बैंक और एनर्जी इंडेक्स दो प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बीएसई का एफएमसीजी इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में दो प्रतिशत उछल गया। इसी तरह पावर इंडेक्स भी 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

नई दिल्ली,13 जुलाई (एजेंसियां)। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है। बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था।

बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रही।

स्विगी पर ग्राहक और डिलीवरी स्टाफ की होती है रैंकिंग

ऑनलाइन फूड और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी अपने ग्राहकों और डिलीवरी स्टाफ की गोपनीय रैंकिंग करता है, जिसका सीधा असर सेवा की गुणवत्ता और इंसेंटिव्स पर पड़ता है। एक कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के अनुसार हर ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर की एक खास रैंक होती है। ग्राहकों को उनकी खरीदारी की आदतों के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है हाई-वैल्यू, मीडियम-वैल्यू और लो-वैल्यू। हाई-वैल्यू ग्राहक नियमित ऑर्डर करने वाले होते हैं, फ्रॉड ग्राहकों पर रहती है खास निगरानी जिन्हें तेज सपोर्ट और बेहतर रिफंड पॉलिसी मिलती है। लो-वैल्यू ग्राहक वे होते हैं जो नए होते हैं या कम ऑर्डर करते हैं। इसके अलावा बार-बार रिफंड मांगने वाले ग्राहकों को 'फ्रॉड यूजर' के तौर पर चिह्नित किया जा सकता है। यदि कोई ग्राहक हर ऑर्डर पर शिकायत करता है, तो उसका खाता निगरानी में आ जाता है। दो-तीन मामलों के बाद कंपनी ग्राहक को शिकायत ईमेल से भेजने को कहती है। लगातार गड़बड़ी दिखने पर ग्राहक को 'फ्रॉड' श्रेणी में डाल दिया जाता है। डिलीवरी पार्टनर्स की रैंकिंग उनके प्रदर्शन जैसे डिलीवरी की संख्या और स्पीड पर निर्भर करती है। टॉप रैंकिंग वालों को अधिक ऑर्डर और इंसेंटिव मिलते हैं।

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

नई दिल्ली,13 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

अधिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

पिछले सप्ताह 880 रुपये तक उछला सोना, चांदी में 5,000 रुपये की तेजी

नई दिल्ली,13 जुलाई (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,710 रुपये से लेकर 99,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 91,400 रुपये से लेकर 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 880 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी साप्ताहिक आधार पर मजबूती आई है। सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद चांदी 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बेहद रोमांचक हुआ लॉर्ड्स टेस्ट, इतिहास रचने से सिर्फ 135 रन और दूर भारत, केएल राहुल के सहारे टीम

लंदन,13 जुलाई (एजेंसियां) । भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे लॉर्ड्स टेस्ट में चार दिन का खेल पूरा हो चुका है।

इस रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम को आखिरी दिन जीत के लिए 135 रनों की जरूरत है। वहीं टीम इंडिया के अभी 6 विकेट बाकी हैं। मैच में चौथा दिन खत्म होने के बाद भारतीय टीम ने 193 रन का पीछा करते हुए 58 रन बना लिए हैं। अब आखिरी दिन लॉर्ड्स पर इतिहास रचने के लिए भारतीय टीम के बल्लेबाजों को संभलकर इस छोटे टारगेट को चेज करना होगा।

192 रन पर सिमटी इंग्लैंड की पारीइससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन के तीसरे सत्र में इंग्लैंड की दूसरी पारी 192 रनों पर सिमट गई। दूसरी पारी में भारत के लिए सर्वाधिक सफल गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर रहे। सुंदर ने 4 विकेट लिए। जीत दर्ज करने और सीरीज में बढ़त बनाने के लिए टीम इंडिया को सिर्फ 193 रन का टारगेट मिला।

इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत बिना किसी विकेट के 2 रन से की थी। पहले सत्र की शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते नजर आए। पहले सत्र में इंग्लैंड ने महज 98 रन के स्कोर पर अपने 4 टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज खो दिए थे। इस स्थिति से बाहर आना टीम के लिए मुश्किल था, और ऐसा ही हुआ। पूरी टीम 192 रन पर सिमट गई।पिछली पारी में शतक लगाने वाले जो रूट मात्र 40 रन बनाए, हालांकि वह इंग्लैंड टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स (33 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 67 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन यह जोड़ी टूटते ही टीम का निचला क्रम बिखर गया।

अगर भारतीय गेंदबाजी की बात करें तो वाशिंगटन सुंदर ने शानदार गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और सिराज ने 2-2 जबकि रेड्डी और आकाश दीप को 1-1 विकेट मिले।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 387 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 104, जेमी स्मिथ ने 51 और ब्रायडन कार्स ने 56 रन की पारी खेली थी।

भारत की पहली पारी 387 रनों पर समाप्त हुई थी।

टीम इंडिया के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल में शतक लगाया था। वह 100 रन बनाकर आउट हुए। ऋषभ पंत ने 74 और रवींद्र जडेजा ने 72 रनों की महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारी खेली थी। इसके अलावा करुण नायर ने 40 रनों का योगदान दिया था।

न्यूज ब्रीफ

त्रिकोणीय श्रृंखला : न्यूजीलैंड ने चोटिल एलन की जगह कॉनवे को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने विकेटकीपर

बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को टी20 स्क्वाड में शामिल किया है। उन्होंने फिन एलन की जगह ली है, जो मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 के दौरान लगी चोट के कारण बाहर हो गए थे। न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने एक बयान में कहा कि हम फिन के लिए वाकई बहुत दुखी हैं। मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पा रहे हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र की चौकड़ी के अतिरिक्त कवर के रूप में मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन को भी टीम में शामिल किया है। त्रिकोणीय श्रृंखला की शुरुआत कल यानी सोमवार से हो रही है। श्रृंखला का फाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को साउथ अफ्रीका से खेलेगी।

शास्त्री बोले, शुभमन, ऋषभ और गंभीर रणनीति पर बात कर रहे होंगे

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन कोच गौतम गंभीर लॉर्ड्स की बालकनी में कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत के साथ मैच की रणनीति पर बात कर रहे होंगे। इस मैच में भारतीय टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल 387 रनों का पीछा कर रहा थी। तभी गंभीर को टीम के इन प्रमुख खिलाड़ियों के साथ बात करते हुए देखा गया था। शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान कहा, वे रणनीति पर बात कर रहे होंगे कि इस धीमी पिच पर, जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वे किस तरह की फील्डिंग लगाएंगे। यह घटना तीसरे दिन के दूसरे सत्र के दौरान हुई। पहले कप्तान गिल और उपकप्तान ऋषभ आपस में बात कर रहे थे। इसके बाद गंभीर भी इसमें जुड़ गए। बीच में वह कुछ निर्देश भी देते हुए दिखाई दिए। कप्तान और उपकप्तान दोनों ही कोच की बातों से सहमत नजर आये। इस मैच में भारतीय टीम ने भारत ने पहली पारी में कुल 387 रन बनाए, जो इंग्लैंड के स्कोर के बराबर था। पंत ने तीसरे दिन 74 रन बनाये पर वह रन आाउट होने के कारण शतक नहीं लगा पाये। वहीं केएल राहुल ने शतक बनाया जबकि रविंद्र जडेजा ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाया, जिससे भारतीय टीम ने भी इंग्लैंड के 387 रनों की बराबरी की। इस मैच में राहुल और ऋषभ के बीच चौथे विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी हुई।

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने, 35 वीं बार खाता नहीं खोल पाये

लॉर्ड्स। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में

असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछड़ दिया है। लॉर्ड्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34-34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं। वहीं तेज गेंदबाज जहीर खान के नाम भारत के लिए सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने का शर्मनाक रिकॉर्ड है, वह अपने करियर मं कुल 43 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल के रास्ते...

यहां वीजा नहीं लगता और हर दिन हजारों लोग सीमा पार करते हैं। नेपाली दस्तावेज बनाना यहां आसान है।

नेपाल में हिंदू बहुसंख्यक हैं। इसके बाद बौद्ध का नंबर आता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यहां मुस्लिमों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है, खास कर भारत-नेपाल से सटे तराई क्षेत्रों में। साल 2021 की जनगणना के मुताबिक नेपाल में मुस्लिमों की जनसंख्या 4.27 फीसदी है। ये लोग सबसे ज्यादा सात जिलों में रहते हैं जो यूपी-बिहार से सटे हुए हैं। इन जगहों में आईएसआई के स्लीपर सेल की मौजूदगी काफी है। इनका इस्तेमाल भारत-नेपाल सीमा की जानकारी लेने और आतंकियों की घुसपैठ के लिए किया जा सकता है।

राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने भारत-नेपाल के मजबूत सहयोग की चर्चा की और खुफिया जानकारी शेयर करने, मनी लॉन्ड्रिंग पर एक्शन और सीमा की चौकसी बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने पाकिस्तान में आतंकवाद को मिल रही पनाह को क्षेत्रीय देशों और सार्क के लिए बड़ी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर एक मजबूत चोट था। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान स्थित 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। थापा ने याद दिलाया कि पहलगाम हमले में एक नेपाली भी आतंकवाद की भेंट चढ़ गया था। इससे पता चलता है कि आतंकवाद की जद में सिर्फ एक देश नहीं बल्कि कई देश हैं।

पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगना और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई नेपाल की जमीन का आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल पहले भी करती रही है। 1999 में इंडियन एयरलाइंस का विमान आईसी-814 का अपहरण नेपाल की राजधानी काठमांडू से ही किया गया था। यह विमान काठमांडू से दिल्ली आ रहा था। आतंकवादी काठमांडू एयरपोर्ट की सुरक्षा चूक का फायदा उठाते हुए फ्लाइट में चढ़ गए। आतंकियों के पास आधुनिक हथियार थे। इनलोगों ने विमान का अपहरण कर लिया था। अपहरण के बाद विमान को कंधार ले जाया गया था और भारत की जेलों में बंद दर्जनों कुख्यात आतंकियों को रिहा करने के बाद ही अपहृत विमान और यात्रियों को छोड़ा गया था। उसमें एक भारतीय यात्री की हत्या कर दी गई थी। विमान के बदले रिहा हुए आतंकियों में जैश ए मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर भी शामिल था।

बिहार की...

80.11 फीसदी पार कर गया। इसका मतलब है कि बिहार में हर 5 में से 4 मतदाताओं ने मतदाता सूची जमा कर दी है। इस गति से, अधिकांश ईएफ 25 जुलाई 2025 से काफी पहले एकत्र किए जाने की संभावना है।

चुनाव आयोग ने कितने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में पाए हैं, उसका खुलासा नहीं किया है। बिहार में कुल करीब 7.89 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा कि अवैध प्रवासियों के नाम अंतिम निर्वाचन सूची में नहीं शामिल किए जाएंगे। यह 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी, इसके लिए ऐसे लोगों की उचित जांच एक अगस्त के बाद की जाएगी। चुनाव आयोग अंततः भारत भर में विदेशी अवैध प्रवासियों को हटाने के लिए मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा करेगा, जिसमें उनके जन्म स्थान की विस्तार से जांच की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और 963 सहायक ईआरओ (एईआरओ) सहित क्षेत्र स्तरीय टीमों की निर्वाचन अधिकारी की ओर से बारीकी से निगरानी की जा रही है। चुनाव आयोग के इन प्रयासों के साथ ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 1.5 लाख बीएलए भी घर-घर जाकर हर मौजूदा मतदाता को शामिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं,100 फीसदी मुद्रण पूरा होने और अपने पते पर पाए गए सभी मतदाताओं को मतदाता सूची वितरण का काम लगभग पूरा होने के बाद, आज शाम 6 बजे तक संग्रह 6,32,59,497 या 80.11 फीसदी पार कर गया। इसका मतलब है कि बिहार में हर 5 में से 4 मतदाताओं ने मतदाता सूची जमा कर दी है। इस गति से, अधिकांश ईएफ 25 जुलाई 2025 से काफी पहले एकत्र किए जाने की संभावना है।

चार विशिष्ट...

उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के आम चुनावों में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। राज्यसभा के लिए नामित किए गए सी. सदानंदन मास्टर केरल के भाजपा सदस्य हैं। वे पूर्व में शिक्षक रहे हैं। उन्हें भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। सदानंदन को 25 जनवरी 1994 में राजनीतिक हिंसा के शिकार बनाया गया था। तब उनके पैतृक गांव पेरिंचरी के पास माकपा कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट दिए थे।

राज्यसभा के लिए नामित किए गए लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सदानंदन मास्टर के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्री सदानंदन मास्टर का जीवन साहस और अन्याय के आगे न झुकने की प्रतिमूर्ति है। हिंसा और धमकी भी राष्ट्र विकास के प्रति उनके जज्बे को डिगा नहीं सकी। एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी उनके प्रयास सराहनीय हैं। युवा सशक्तिकरण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता है। राष्ट्रपति जी द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर उन्हें बधाई। सांसद के रूप में उनकी भूमिका के लिए शुभकामनाएं।

राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा नामित की गई डॉ. मीनाक्षी जैन प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में इतिहास की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर रही हैं। उज्ज्वल निकम ने 1993 मुंबई ब्लास्ट और 26/11 जैसे कई हाई-प्रोफाइल मामलों में अभियोजन का नेतृत्व किया है। हर्षवर्धन श्रृंगला ने विदेश सचिव रहते हुए भारत की कूटनीतिक रणनीतियों में अहम भूमिका निभाई है।

ये नामांकन संसद के उच्च सदन में विविध क्षेत्रों की विशेषज्ञता को स्थान देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चारों हस्तियों को बधाई देते हुए कहा कि इन चारों का क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर योगदान अद्वितीय है, और उनकी विशेषज्ञता संसद की कार्यवाही को समृद्ध करेगी।

दक्षिण के...

इंडस्ट्री की बहुत बड़ी क्षति कहा। सीएम नायडू ने कहा, अपनी बहुमुखी भूमिकाओं से सिनेमा दर्शकों का दिल जीतने वाले प्रसिद्ध अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन अत्यंत दुखद है। लगभग चार दशकों में सिनेमा और रंगमंच के क्षेत्र में उनका कलात्मक योगदान और उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाएं अविस्मरणीय रहेंगी। खलनायक और चरित्र कलाकार के रूप में उनके द्वारा निभाई गई अनगिनत यादगार भूमिकाएं तेलुगु दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए अंकित रहेंगी। उनका निधन तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

1999 में, उन्होंने विजयवाड़ा से विधायक के रूप में जीत हासिल की और जनता की सेवा की। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनके निधन पर फिल्म अभिनेता चिरंजीवी, जूनियर एनटीआर, महेश बाबू, रवि तेजा, विष्णु मांचू, मोहन बाबू, नंदमुरी कल्याण राम, एसएस राजामौली, राम गोपाल वर्मा, सामंथा रुथ प्रभु, रश्मिका मंदाना, ब्रह्मानंदम, कार्तिकेय गुम्माकोंडा समेत तमाम फिल्म कलाकारों ने श्रद्धांजलि दी है।

कोटा श्रीनिवास राव तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। उन्होंने 1978 में फिल्म प्राणम खरीदु से डेब्यू किया था। लगभग 40 साल से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने 750 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में विलेन, सर्पोटिंग एक्टर और कॉमेडियन का किरदार निभाने के लिए उन्हें 9 बार नंदी अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

2015 में एक्टर को पद्म श्री से नवाजा गया। उनकी प्रमुख फिल्में दम्मू, सन ऑफ सत्यमूर्ति और डेंजरस खिलाड़ी थीं। तेलुगु के अलावा राव ने तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की थीं। राव ने राजनीति में भी अपनी सेवाएं दी थीं। साल 1999 से लेकर 2004 तक वे आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा ईस्ट से विधायक रहे थे।

काडर पदों पर...

इसके लिए बाकायदा छह माह की समय-सीमा भी तय की गई है। चार वर्ष से लंबित कैडर रिव्यू प्रक्रिया, उक्त अवधि में ही पूरी की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन (एनएफएफयू) कैसे देना है, इसके लिए समय-सीमा सुनिश्चित की जानी चाहिए। सीएपीएफ में केवल एनएफएफयू के लिए नहीं, बल्कि सभी कार्यों के लिए ओजीएएस पैटर्न लागू होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि सीएपीएफ अधिकारी, देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। इसके बावजूद, सीएपीएफ के कैडर अधिकारी, अपने करियर में बहुत अधिक ठहराव का सामना कर रहे हैं। अदालत ने इन बलों में बतौर प्रतिनियुक्ति बाहर से आने वाले अधिकारियों की संख्या (सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड के स्तर तक) को धीरे-धीरे कम किया जाए। साथ ही उनकी सेवा अवधि अधिकतम 2 वर्ष तक सीमित हो। इस ग्रेड में आईजी रैंक वाले अधिकारी आते हैं। यानी कुछ वर्षों के दौरान इन बलों में आईजी रैंक तक आईपीएस प्रतिनियुक्ति को खत्म किया जा सकता है। मई और जून में यूपी कैडर के आईपीएस स्वप्निल ममगई को बीएसएफ में डीआईजी, त्रिपुरा कैडर के आईपीएस शाश्वत कुमार को एसएसबी में कमांडेंट और उत्त-राखंड कैडर की आईपीएस प्रीति प्रियादर्शनी ने आईटीबीपी में बतौर कमांडेंट ज्वाइन करने के आदेश जारी हुए। इनके अलावा करीब आधा दर्जन दूसरे आईपीएस भी सीएपीएफ में आ गए। कैडर अफसरों को उसी वक्त ऐसा लगने लगा था कि इस फैसले को लेकर सरकार की मंशा ठीक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से कहा था कि सीएपीएफ अधिकारियों को ओजीएएस आदि प्रक्रियाओं में शामिल किया जाना चाहिए। सरकार, सीएपीएफ प्रतिनिधियों को उनकी सेवा शर्तों और पदोन्नति से संबंधित सभी चर्चाओं और निर्णयों में शामिल करे। केंद्रीय अर्धसैनिक बल, अब पूर्ण रूप से ओजीएएस के दायरे में माने गए हैं। इनके हितों को लेकर सरकार जो भी निर्णय ले, उसमें ओजीएएस का दृष्टिकोण मान्य रहे। सीएपीएफ के पूर्व कैडर अफसरों का कहना था कि इन बलों में समूह ए अधिकारियों की सेवाएं 1986 से संगठित हैं, मगर अफसरों को उसका लाभ नहीं मिल सका।

2006 के दौरान जब छठे केंद्रीय वेतन आयोग ने आईएएस, आईपीएस व आईआरएस सहित अन्य सभी संगठित समूह ए सेवाओं ओजीएएस के लिए गैर कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन एनएफएफयू योजना शुरु की तो कैडर अधिकारियों ने भी इसका लाभ देने की मांग की। हालांकि तब सीएपीएफ को संगठित समूह ए सेवा के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद कैडर अफसरों ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद 3 सितंबर 2015 के दिन अदालत ने अपने फैसले में सीएपीएफ को 1986 से संगठित समूह ए सेवा घोषित कर दिया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें फायदा नहीं मिल सका। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई।सर्वोच्च न्यायालय ने 5 फरवरी 2019 को दिए अपने फैसले में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 जुलाई 2019 को अपनी एक घोषणा के जरिए सीएपीएफ संगठित सेवा ए को मंजूरी प्रदान कर दी। तब कैडर अफसरों में यह उम्मीद जगी थी कि उन्हें एनएफएफयू के परिणामी लाभ मिल जाएंगे। रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ भी सीएपीएफ के साथ न्यायालय में सह-याचिकाकर्ता था। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद रेल मंत्रालय ने न्यायालय के आदेश को अक्षरश: लागू कर दिया। आरपीएफ को संगठित सेवा का दर्जा मिल गया। उन्हें एनएफएफयू के सभी लाभ मिल गए और साथ ही उनकी सेवा का नाम बदलकर आईआरपीएफएस कर दिया। कैडर अफसरों के मुताबिक, सीएपीएफ में पुराने सेवा नियमों की आड़ में खंडित एनएफएफयू को न्यायालय के आदेश की व्याख्या कर लागू किया गया है। नतीजा, इससे सीएपीएफ कैडर अफसरों की बहुत छोटी संख्या को ही उसका लाभ मिल सका। अधिकांश कैडर अफसर फायदों से वंचित रहे।

इसके बाद भी अधिकांश अफसरों की पदोन्नति से जुड़ी समस्याएं जस की तस बनी रही। एक ही न्यायालय के आदेश की विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अलग-अलग व्याख्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक, जब तक ओजीएएस संगठित सेवा पैटर्न के अनुसार, भर्ती नियमों/सेवा नियमों में संशोधन नहीं किया जाता है, तब तक ओजीएएस का लाभ नहीं दिया जा सकता। सीएपीएफ के अधिकारियों की मांग थी कि ओजीएएस पैटर्न के अनुसार, संशोधित भर्ती नियम/सेवा नियमों के साथ कैबिनेट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूर्ण कार्यान्वयन किया जाए। अनेकों बार मांग करने के बाद भी उनके सेवा नियम/भर्ती नियम संशोधित नहीं किए गए। इसका नतीजा यह निकला कि वह केस दोबारा से अदालत में पहुंच गया।सीएपीएफ में कैडर रिव्यू काफी समय से लंबित है। बीएसएफ और सीआरपीएफ में पिछला कैडर रिव्यू 2016 में हुआ था। अब वह कैडर रिव्यू वर्ष 2021 से लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 6 महीने के भीतर कैडर रिव्यू पूरा किया जाना चाहिए। इन सेवाओं के भर्ती नियमों (आरआर) में संशोधन और समयबद्ध पदोन्नति का प्रावधान हो। भर्ती नियम (आरआर) और सेवा नियम (एसआर) को ओजी-एएस मानकों के अनुसार बदला जाए। एनएफएफयू, कैसे देना है, ये भी तय होगा। इसके लिए एक समय-सीमा सुनिश्चित की जानी चाहिए। जैसे, उप कमांडेंट को चार वर्ष में एनएफएफयू का फायदा मिले। सेकंड-इन-कमांड को 9 वर्ष बाद, कमांडेंट को 13 वर्ष और महानिरीक्षक को 18 वर्ष में उक्त फायदा दिया जाए। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को सभी नियमों में संशोधन और कैडर रिव्यू 3 महीने के भीतर करना होगा। सभी तरह की प्रक्रिया में सीएपीएफ प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। विशेषकर, सेवा नियमों और कैडर समीक्षा से जुड़े सभी निर्णयों में सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों की भागीदारी अनिवार्य होगी। अब केंद्र सरकार के रिव्यू पेटिशन में जाने से उक्त फैसले के लागू होने पर संदेह हो गया है।

यह सम्पूर्ण देश...

खंडेरी, सुवर्णदुर्ग और सिंधुदुर्ग पानी के बीच बने हैं। इन्हें द्वीप किले कहते हैं। ये सभी किले मिलकर एक मजबूत सैनिक व्यवस्था बनाते हैं।

12 किलों में सबकी खासियत अलग-अलग है। सालहेर किला महाराष्ट्र का सबसे ऊंचा किला है। यह नासिक जिले में है और यहां से बहुत सुंदर नजारा दिखता है। शिवनेरी किला पुणे जिले में है। छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म इसी किले में हुआ था। लोहगढ़ किला भी पुणे जिले में है। जैसा नाम से पता चलता है, यह किला लोहे जैसा मजबूत किला है। यह किला मराठा साम्राज्य की रक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। खंडेरी किला रायगढ़ जिले में समुद्र के बीच एक द्वीप पर स्थित है। शिवाजी महाराज ने इसे समुद्री रास्तों पर नियंत्रण के लिए बनवाया था। रायगढ़ किला शिवाजी महाराज की राजधानी था। शिवाजी महाराज को यहीं पर 1674 में छत्रपति बनाया गया था। राजगढ़ किला पुणे जिले में है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रथम राजधानी था। प्रतापगढ़ किला सतारा जिले में है। यह किला 1659 में अफजल खान के साथ हुए युद्ध के लिए मशहूर है। सुवर्णदुर्ग किला रत्नागिरी जिले में समुद्र के बीच एक द्वीप पर है। यह मराठा नौसेना की ताकत का प्रतीक है। पन्हाला किला कोल्हापुर जिले में है। शिवाजी महाराज ने इसे 1659 में जीता था। विजय दुर्ग यह सिंधुदुर्ग जिले में समुद्र किनारे स्थित है। यह भारत के सबसे मजबूत समुद्री किलों में से एक है। शिवाजी महाराज ने इसे नौसेना का केंद्र बनाया था। शिवाजी महाराज ने सिंधुदुर्ग किला समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए बनवाया था। यहां शिवाजी महाराज के हाथों के निशान भी हैं। जिंजी किला तमिलनाडु में स्थित है। इसे दक्षिण भारत का सबसे मजबूत किला माना जाता है। यह किला तीन पहाड़ियों पर फैला हुआ है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर में खुशी का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह सम्मान हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से इन किलों को देखने की अपील की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन किया और नागरिकों को बधाई दी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह सभी देशवासियों के लिए गर्व का पल है। उन्होंने बताया कि ये किले हिंदवी स्वराज के मुख्य आधार रहे हैं। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि ये किले छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की निशानी हैं।

सावन का पहला सोमवार आज

सौभाग्य योग में कुछ राशियों की किस्मत चमकाएंगे भगवान भोलेनाथ

सोमवार 14 जुलाई को सौभाग्य योग का समृद्धशाली योग बना है। साथ ही सावन के पहले सोमवार को शिव कृपा का लाभ भी सभी राशियों को मिलेगा। सावन के पहले सोमवार को शिवजी के आशीर्वाद और सौभाग्य योग के प्रभाव से कर्क और तुला सहित निम्न राशियों को धन और कारोबार के मामले में जबर्दस्त लाभ होने की उम्मीद है। आपका भाग्य साथ देगा और रुपये-पैसे से जुड़ा हर काम सफलता के साथ पूरा होगा।

मेष राशि : भविष्य में आर्थिक लाभ संभव है

मेष राशि वालों का दिन आर्थिक और पेशेवर दृष्टि से आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आपके अनुभव और आत्मविश्वास को मजबूत करेंगी। पुरानी जान-पहचान या पुराने दोस्तों से वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकती है, जिससे किसी रुके काम में गति आएगी। यदि आप किसी नई व्यापारिक योजना पर काम कर रहे हैं, तो सोचकर करें। सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों में प्रगति हो सकती है, जिससे भविष्य में आर्थिक लाभ संभव है। निवेश से जुड़े निर्णयों में सोच-समझकर आगे बढ़ें, विशेषकर यदि वह दीर्घकालिक हैं।

वृषभ राशि : थोड़ी राहत महसूस होगी

वृषभ राशि के लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। विशेषकर संपत्ति या जमीन से जुड़े झगड़ों या कागजी मामलों से दूर रहना आपके लिए हितकर होगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अपने कार्यों में पूरी तत्परता के साथ लगे रहेंगे। व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं पर अत्यधिक खर्च होने के संकेत हैं, जो बजट को प्रभावित कर सकते हैं। फाइनेंस से जुड़ा कोई पुराना विवाद या अटका हुआ मामला हल हो सकता है, जिससे थोड़ी राहत महसूस होगी। निवेश करने से पहले दोबारा जांच करें और सलाहकार की राय लेना न भूलें।

मिथुन राशि : सोच सकारात्मक परिणाम दे सकती है

मिथुन राशि के लोगों को व्यापार की योजना बना सकते हैं या किसी पुराने व्यवसाय में नए तरीके अपनाने की कोशिश करेंगे। यह सोच सकारात्मक परिणाम दे सकती है, लेकिन आपको बाजार की स्थिति की पूरी जानकारी रखनी होगी। पुराने कर्ज से कुछ राहत मिलने के योग हैं, जिससे मानसिक बोझ कम होगा। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं यदि आप नई स्किल्स सीखने और उन्हें लागू करने को तैयार हैं। हालांकि, शेयर बाजार जैसे अस्थिर क्षेत्रों से निवेश से बचना उचित रहेगा। अत्यधिक भावनात्मक निर्णय से नुकसान हो सकता है, विशेषकर धन से जुड़े मामलों में।

कर्क राशि : आमदनी के नए स्रोत खुल सकते हैं

कर्क राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है। धन और समृद्धि के लिए दिन आपके पक्ष में है। आमदनी के नए स्रोत खुल सकते हैं, खासकर यदि आप शिक्षा, कंसल्टेंसी, धार्मिक कार्य या रियल एस्टेट से जुड़े हुए हैं। कार्यस्थल पर आपके योगदान को सराहा जाएगा, जिससे भविष्य में पदोन्नति या आर्थिक लाभ संभव है। यदि आप कोई नया निवेश करने का सोच रहे हैं, तो यह समय उचित रहेगा। विशेषकर अचल संपत्ति या लॉन्ग टर्म सेविंग्स प्लान्स में आपको लाभ होगा। परिवार और सहकर्मियों का सहयोग भी कार्यक्षेत्र में आपके लिए सहायक रहेगा।

सिंह राशि : आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा है

सिंह राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा है। आप कुछ नई व्यावसायिक योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं, जो आने वाले समय में अच्छा लाभ देंगी। व्यापार विस्तार के लिए समय अनुकूल है, विशेषकर यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं। उच्च अधिकारियों से संवाद करते समय सावधानी बरतें, क्योंकि अनावश्यक बहस से नुकसान हो सकता है। शाम के समय आपकी वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर होगी, और कोई रुका हुआ भुगतान मिल सकता है। हालांकि, अचानक आए मेहमानों या सामाजिक दायित्वों के कारण खर्च बढ़ सकता है।

कन्या राशि : दिन सफलता से भरा होगा

कन्या राशि के लोगों का दिन सफलता से भरा होगा और पुराने वित्तीय विवाद या उलझनों का समाधान संभव है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे, जिससे भविष्य में लाभ के संकेत हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने से बचत बढ़ेगी, विशेषकर अनावश्यक तकनीकी उपकरण या लग्जरी आइटम पर पैसे खर्च करने से बचें। यदि आप संपत्ति में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है लेकिन पूरी जांच और दस्तावेज़ों की स्पष्टता के साथ ही आगे बढ़ें। परिवार में ईर्ष्या या आलोचना से प्रभावित हुए बिना अपने आर्थिक फैसले पर डटे रहें।

तुला राशि : आय के नए स्रोत खुल सकते हैं

तुला राशि के लोगों का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से शुभ है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, खासकर जिनका सरकारी विभागों, शिक्षा या बैंकिंग क्षेत्र से संबंध है। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी में बढ़ोतरी या बोनस मिलने की संभावना है। व्यापारी वर्ग को सरकारी टेंडर या अनुबंध मिल सकते हैं, जो भविष्य में आर्थिक स्थिरता देंगे। निवेश के लिए समय अनुकूल है, लेकिन लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण से निवेश करना ही फायदेमंद रहेगा। राजनीति, कानून या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक राशि : नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं

वृश्चिक राशि के लोगों का दिन सफलता से भरा होगा। करियर में नई ऊंचाइयां छूने के संकेत हैं। ऑफिस या व्यवसाय में किसी वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए की गई यात्राएं आर्थिक लाभ लेकर आ सकती हैं, विशेषकर यदि वह किसी डील या मीटिंग से जुड़ी हों। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यों से सीनियर्स का भरोसा मिलेगा, जिससे प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। दिन का उत्तरार्द्ध धन के लिए शुभ रहेगा। कुछ निवेश योजनाओं से लाभ मिल सकता है।

धनु राशि : नए क्लाइंट मिल सकते हैं

धनु राशि के लोगों का दिन आर्थिक दृष्टि से स्थिरता और विकास के संकेत दे रहा है। धार्मिक या सामाजिक कार्यों में सहभागिता से मानसिक संतुलन मिलेगा, जो आपकी निर्णय क्षमता को और मजबूत करेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए क्लाइंट मिल सकते हैं, जिससे भविष्य की इनकम सुनिश्चित होगी। भाई-बहनों से आर्थिक सहयोग या सलाह मिल सकती है। दोपहर के बाद आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप पिछली अटकी योजनाओं को पूरा कर पाएंगे। यदि आप किसी नेटवर्किंग या बिजनस मीटिंग में भाग ले रहे हैं, तो यह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मकर राशि : लेन-देन में पूरी पारदर्शिता रखें

मकर के लोगों को आर्थिक मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपके विरुद्ध योजना बना सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। लेन-देन में पूरी पारदर्शिता रखें, और उधार देने या लेने से यथासंभव बचें। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें। हर पक्ष की जांच के बाद ही कोई बड़ा फैसला लें। निवेश को फिलहाल टालना ही बेहतर होगा। यदि पहले से कोई फाइनेंशियल प्लानिंग की है, तो उसे दोबारा रिव्यू करना उपयुक्त रहेगा।

कुंभ राशि : दिन सफलता से भरा होगा

कुंभ राशि के लोगों का दिन सफलता से भरा होगा। आपके रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं, जिससे आर्थिक लाभ होगा। कोई पुराना फाइनेंशियल विवाद आपकी समझदारी और शांत स्वभाव से सुलझ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना और दृष्टिकोण को सराहना मिलेगी। बैंकिंग, फाइनेंस या टेक्नॉलॉजी से जुड़े लोग आज किसी विशेष अवसर का लाभ ले सकते हैं। निवेश के मामले में आपके मन की बात सुनकर ही कोई फैसला लेना सही होगा। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो इसकी योजना बनाना उचित रहेगा।

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए ऐसे होने चाहिए बेलपत्र

सावन मास में भगवान शिव की पूजा विशेष रूप से की जाती है, और बेलपत्र को शिवजी पर अर्पित करना अत्यंत पुण्यदायक माना गया है। लेकिन बेलपत्र चढ़ाने की भी कुछ धार्मिक और शास्त्रीय नियम पुराणों और धर्म शास्त्रों में बताए गए हैं। अगर बेलपत्र शुद्ध न हो, तो पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता। शास्त्रों में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि भगवान शिव को अर्पित करने के लिए बेलपत्र विशेष गुणों से युक्त होना चाहिए। यदि बेलपत्र अशुद्ध, मुरझाया हो तो वह पूजन में निष्फल हो सकता है। ऐसे में आपका व्रत भी फल नहीं देगा और आपकी पूजा व्यर्थ चली जाएगी।

तीन पत्तियों वाला बेलपत्र होना चाहिए

भगवान शिव को चढ़ाने के लिए बेलपत्र हमेशा त्रिदल होना चाहिए, अर्थात उसकी एक डंडी में तीन पत्तियां जुड़ी हों। यह त्रिदेव - ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक होता है, साथ ही शिव के त्रिनेत्र और त्रिशूल को भी दर्शाता है। एक या दो पत्ती वाले बेलपत्र को पूजन में मान्य नहीं माना गया है। त्रिदल बेलपत्र शिवभक्ति की पूर्णता का संकेत होता है और इसे अर्पण करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

बेलपत्र ताजा, हरा और स्वच्छ होना चाहिए

शिव को अर्पित किया जाने वाला बेलपत्र पूरी तरह से ताजा, हरा और साफ-सुथरा होना चाहिए। पीला, सूखा, मुरझाया हुआ या कीड़े-मकोड़ों से क्षतिग्रस्त बेलपत्र अर्पित नहीं करना चाहिए। बेलपत्र जितना हरा और ताजा होगा, उतना ही वह शिव को प्रिय होता है। गिरे हुए या गंदे पत्तों का उपयोग करने से पूजा का प्रभाव कम हो जाता है।

बेलपत्र का मध्य भाग फटा हुआ न हो

बेलपत्र का बीच का भाग यदि फटा हुआ हो, तो उसे शिवलिंग पर अर्पित नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में ऐसा बेलपत्र अपवित्र माना गया है। मध्य से कटा या फटा बेलपत्र शिव की पूजा में निषिद्ध है क्योंकि यह अशुद्धता का प्रतीक माना जाता है। केवल संपूर्ण, अखंड और सुंदर त्रिदली बेलपत्र ही अर्पण के योग्य होता है।

बेलपत्र अर्पण करते समय उसकी दिशा सही हो

बेलपत्र चढ़ाते समय उसकी चिकनी सतह ऊपर की ओर रहनी चाहिए और डंडी की ओर आपकी तरफ होनी चाहिए। यह परंपरागत नियम है, जो धार्मिक दृष्टिकोण से पूजन की पूर्णता को दर्शाता है। उल्टे या गलत दिशा में अर्पण किया गया बेलपत्र पूजा के फल को कम करता है।

पहले चढ़ाया गया बेलपत्र पुनः चढ़ाया जा सकता है

भगवान शिव की एक विशेषता यह है कि वे पुनः अर्पण किए गए बेलपत्र को भी स्वीकार करते हैं। यदि कोई बेलपत्र पहले चढ़ाया गया हो और वह अभी भी साफ, त्रिदली और अखंड अवस्था में है, तो उसे धोकर पुनः चढ़ाया जा सकता है। यह शिव की उदारता का प्रतीक है और यह दर्शाता है कि वे भक्ति और भावना को अधिक महत्व देते हैं।

ग्रहों के न्यायाधीश शनि 138 दिन चलेंगे उल्टी चाल

शनि देव अभी मीन राशि में हैं और 29 मार्च 2025 को उन्होंने अपनी स्वयं की राशि कुंभ से मीन राशि में प्रवेश किया था, जहाँ वे अब लगभग 138 दिन तक यानी 13 जुलाई से 28 नवंबर 2025 तक वक्री अवस्था में रहेंगे। यह एक लंबी अवधि है और इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन पर ही नहीं, बल्कि देश, समाज और वैश्विक घटनाओं पर भी पड़ेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि देव 13 जुलाई 2025 को सुबह 9:37 मिनट पर मीन राशि में वक्री होंगे यानी शनि मीन राशि में ही उल्टी दिशा में चलने लगेंगे और 28 नवंबर को सुबह 9:20 मिनट पर मार्गी होंगे यानी सीधी चाल चलेंगे। इस तरह से शनि कुल 138 दिन वक्री अवस्था में रहेंगे। शनि के वक्री होने पर इसका प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। शनि ढाई वर्षों में एक से दूसरी राशि में गोचर करते हैं। लेकिन शनि वक्री और मार्गी होते रहेंगे। शनिदेव को न्याय व कर्म का देवता माना गया है। जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है शनिदेव उसे वैसा ही फल देता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह-नक्षत्रों में शनि सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह माने जाते हैं।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। शनिदेव सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते फिर इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष में शनि को न्याय और कर्मफल दाता माना गया है। शनि देव मौजूद समय में राशि मीन में विराजमान हैं। शनि देव 138 दिनों तक वक्री रहेंगे। शनि देव की वक्री चाल का सभी 12 राशियों पर प्रभाव अवश्य ही पड़ेगा।

वैदिक ज्योतिष में शनि को दायित्व कारक ग्रह माना गया है। वह एक शिक्षक हैं और लोगों को व्यवस्थित तरीके से रहना सिखाते हैं। इन विशेषताओं के आधार पर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। शनि व्यक्ति को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करने की भी अनुमति देता है। यदि आप अपनी ऊर्जा का सही उपयोग करते हैं, तो आपके कार्य सकारात्मक परिणाम लाएंगे, लेकिन यदि आप अपनी ऊर्जा का उपयोग गलत उद्देश्य या गलत दिशा में करते हैं, तो आपको नकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

138 दिन शनि रहेंगे वक्री

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव 13 जुलाई 2025 को सुबह 9:37 मिनट पर मीन राशि में वक्री होंगे यानी शनि मीन राशि में ही उल्टी दिशा में चलने लगेंगे और 28 नवंबर को सुबह 9:20 मिनट पर मार्गी होंगे यानी सीधी चाल चलेंगे। इस तरह से शनि कुल 138 दिन वक्री अवस्था में रहेंगे।

देश-दुनिया पर असर

अनाज की अच्छी पैदावार के साथ बाजार में उछाल आने के आसार हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रगति होगी। महत्वपूर्ण पद वालों को सुरक्षा और सेहत का खासतौर से ध्यान रखना होगा। देश-दुनिया में अनचाहे बदलाव और दुर्घटनाएं होती हैं। तनाव, अशांति और डर का माहौल भी बनता है। ज्यादातर लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कई लोग मानसिक और शारीरिक तौर से तो परेशान रहेंगे ही साथ ही सेहत संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। मोदी सरकार में मंत्रिमंडल में कई चौंकाने वाले नाम होंगे और समय थोड़ा कठिन रहेगा स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मोदी की यात्रा में थोड़ा बदलाव होगा। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

वक्री शनि का प्रभाव

शनि के शुभ प्रभाव से लोगों के रुके हुए काम पूरे होंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े मामले सामने आएंगे। कुछ नौकरीपेशा लोगों के ट्रांसफर की स्थिति बन सकती है। प्रमोशन हो सकता है। कामकाज की जिम्मेदारी भी बढ़ने के योग हैं। बिजनेस करने वालों के भी काम करने की जगह पर बदलाव होगा। रहने की जगह भी बदल सकती है। वहीं, इसके अशुभ प्रभाव से कुछ लोगों को पैर में या हड्डी की चोट लग सकती है। ऑपरेशन की स्थिति भी बनेगी। साढ़ेसाती वालों को कर्जा लेना पड़ सकता है। कामकाज में बार-बार बदलाव की स्थितियां बनेंगी।

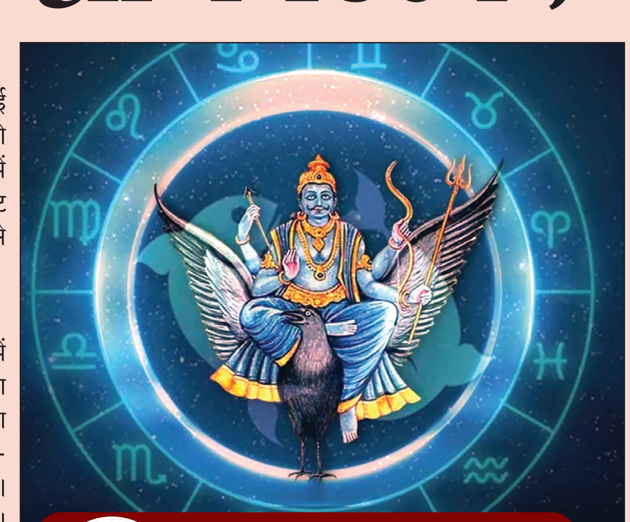

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

उपाय

शिव उपासना और हनुमत उपासना करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को सरसों के तेल का दीपक जलाएं, दर्शन का लाभ लें। मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें। शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें। गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं। पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें। तेल का दान भी करना चाहिए। तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है। शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए। इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं। लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है। रुद्राक्ष की माला लेकर एक सौ आठ बार ॐ शं शनैश्चराय नमः का जप करें, शनिदेव की कृपा बनेगी और कष्ट दूर होंगे। काले कुत्ते को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

इन गलतियों को करने से बचें

किसी असहाय को बेवजह परेशान नहीं करें। मांस, मदिरा का सेवन बिल्कुल नही करें। कमजोर व्यक्तियों का अपमान न करें। अनैतिक कार्यों से दूर रहें।

शनि के वक्री का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मेष राशि

करियर की बात करें तो नौकरीपेशा लोगों के लिए शनि का वक्री होना अनुकूल माना जा रहा है। इस दौरान तमाम कठिनाइयों के बावजूद आप अपने काम में अच्छी सफलता हासिल करेंगे।

वृषभ राशि

करियर में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। हम पारिवारिक वृद्धि में भी ऐसे ही परिणाम देखते हैं। वृषभ राशि वालों पर काम का भारी बोझ हो सकता है जिससे उनकी ऊर्जा और समय बर्बाद हो सकता है।

मिथुन राशि

अपनी वर्तमान नौकरी में कुछ बेहतरीन अवसर गँवा सकते हैं। इस बात की भी संभावना है कि कार्यस्थल पर आपका सम्मान कम हो जाए और आपकी मेहनत की सराहना नहीं की जाएगी।

कर्क राशि

आपका जीवन अचानक विकास के पथ पर अग्रसर हो जाता है। जैसा कि आप अपने करियर पर विचार कर रहे हैं, इस दौरान आप अपने कार्यस्थल पर अच्छे अवसरों से चूक सकते हैं।

सिंह राशि

पेशेवर माहौल में आपको काम के सिलसिले में अनावश्यक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपको पसंद नहीं आएगी। सिंह राशि के जो लोग व्यापार करते हैं उन्हें व्यापार में कुछ असफलताओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए आपको सावधान रहने की जरूरत है।

कन्या राशि

आपको अपने खर्चों को पूरा करने के लिए ऋण लेना पड़ सकता है।जो लोग अपना खुद का व्यवसाय करते हैं उन्हें व्यावसायिक प्रयासों की कमी के कारण प्रतिस्पर्धियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है।

तुला राशि

आपके आर्थिक जीवन में धन की कमी की समस्या हो सकती है और इसका कारण बजट का पालन न कर पाना है। अपने प्रेम जीवन में इन लोगों को भावनात्मक समस्याओं से जूझना पड़ सकता है ।

वृश्चिक राशि

अपने परिवार पर ध्यान दें। इन लोगों को अपने जीवन में गिरावट महसूस हो सकती है। इसके अतिरिक्त, आपका आराम भी सीमित हो सकता है। आर्थिक जीवन में यात्रा के दौरान लापरवाही के कारण आपको आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

धनु राशि

आपका अधिकांश समय यात्रा करने में भी व्यतीत होगा। इसलिए इन लोगों को अपनी तरक्की पर ध्यान देना चाहिए। आर्थिक तौर पर घरेलू कामकाज के कारण आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं।

मकर राशि

आप अपना अधिकतर समय अपने परिवार के साथ बिताएंगे। इसके अलावा आप अपनी आर्थिक स्थिति पर भी काम कर रहे हैं। आपको को अपने शब्दों के चयन में बेहद सावधानी बरतने की ज़रूरत है।

कुंभ राशि

अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। वहीं दूसरी ओर आपको अनावश्यक खर्च वाली अनावश्यक यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं। अप्रत्याशित स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी जिससे आपको लाभ होगा।

मीन राशि

इस समय आपको अपनी आर्थिक स्थिति पर ध्यान देने और सोच-समझकर खर्च करने की जरूरत है। मीन राशि में शनि के वक्री होने से आपको आर्थिक जीवन में लाभ और हानि दोनों का सामना करना पड़ सकता है।

14 साल तक चली लड़ाई

एक विज्ञापन ने मधु सप्रे की बदल दी जिंदगी

मधु सप्रे 1990 के दशक में भारत की मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया के चर्चित नामों में से एक है। उन्होंने अपनी खूबसूरती, स्टाइल और हिम्मत के चलते मॉडलिंग की दुनिया में खास पहचान बनाई। 1992 में मिस इंडिया बनीं और 'मिस यूनिवर्स' जैसी बड़ी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, यहां वो दूसरी रनर-अप रहीं। वह करियर में अपना नाम कमा रही थीं, लेकिन इस बीच एक विज्ञापन के कारण वह विवादों में आ गईं, जिसका असर उनके न सिर्फ करियर पर, बल्कि जीवन पर भी पड़ा।

मधु सप्रे का नाम सबसे ज्यादा उस समय सुर्खियों में आया, जब उन्होंने अपने उस समय के अपने बॉयफ्रेंड और मशहूर मॉडल मिलिंद सोमन के साथ जूते की कंपनी फीनिक्स के लिए एक बोल्ड फोटोशूट किया। इस विज्ञापन में दोनों के शरीर पर एक अजगर सांप लिपटा हुआ था और उन्होंने सिर्फ उस कंपनी के जूते पहने हुए थे। इस विज्ञापन ने उस वक्त बड़ा विवाद खड़ा किया था, क्योंकि उस समय भारत में इस तरह के फोटोशूट को समाज और मीडिया दोनों ही गलत समझते थे। कई लोगों ने इसे अश्लीलता करार दिया।

यह विवाद इतना बढ़ा कि मुंबई पुलिस ने उनके खिलाफ अश्लीलता फैलाने का केस दर्ज कर लिया। यह मामला लगभग चौदह साल तक कोर्ट में चला। इस दौरान मधु और मिलिंद दोनों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले ने भारत में ग्लैमर और बोल्डनेस के

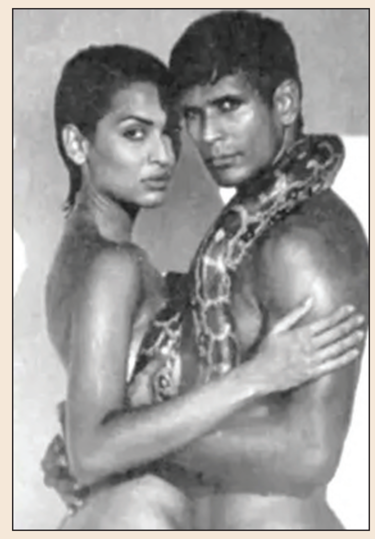

विषय पर एक नई बहस छेड़ दी।मधु सप्रे ने इस मामले पर एक इंटरव्यू में कहा था कि यह फोटोशूट उनके करियर का एक हिस्सा था और इसमें कुछ भी गलत या अश्लील नहीं था।

14 जुलाई 1971 को महाराष्ट्र के नागपुर शहर में जन्मी मधु बचपन में एथलीट बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया में लाकर खड़ा कर दिया। एक दिन मशहूर फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने उनकी खूबसूरती और स्टाइल देख उन्हें मॉडलिंग में आने का सुझाव दिया। गौतम ने मधु के कुछ फोटोशूट भी किए। उस समय मधु की उम्र महज 19 साल थी। फोटोज में खुद को देख मधु ने एथलीट बनने का सपना त्याग दिया और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। अपनी मेहनत और अलग अंदाज से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 1992 में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब जीतकर देश भर में पहचान बनाई।मधु ने उसी साल 'मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनके करियर का बड़ा मुकाम था। इसके बाद उन्हें कई विज्ञापनों के ऑफर मिलने लगे और वह जल्दी ही मॉडलिंग की दुनिया की चमकती हुई सितारा बन गईं। लेकिन टफ शूज के विज्ञापन ने उन्हें विवादों में फंसा दिया।

मधु ने बॉलीवुड में भी डेब्यू किया। उन्होंने 2003 में फिल्म 'बूम' में अमिताभ बच्चन और कटरीना कैफ के साथ काम किया, लेकिन यह उनकी पहली और आखिरी फिल्म रही।मधु ने 2001 में इटली के बिजनेसमैन जियान मारिया से शादी की और अब वह इटली में अपने परिवार के साथ रह रही हैं। एक बेटी, जिसका नाम इंदिरा है, के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही है।

मिसेज़ की सफलता के बाद सान्या मल्होत्रा एक्शन-कॉमेडी फिल्म में निभाएंगी मुख्य भूमिका

हाल ही में अपनी फ़िल्म मिसेज़ के लिए सराहना बटोरने के बाद, बहुमुखी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अब बड़े पर्दे पर एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाली हैं। इस बार वह एक पूरी तरह से मसालेदार एक्शन-कॉमेडी फ़िल्म में दिखाई देंगी, जो 2025 में रिलीज़ होने वाली है। आज इस फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा की गई, जहाँ सान्या फ़िल्म की कोर टीम के साथ नज़र आईं। यह प्रोजेक्ट सान्या मल्होत्रा के करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहाँ वह हाई-कॉन्सेप्ट कमर्शियल एंटरटेनर्स की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं। अपनी अभिनय क्षमता और विविध किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली सान्या का यह नया एक्शन-कॉमेडी अंदाज़ दर्शकों को हास्य, साहस और सिनेमाई प्रभाव का एक ताज़ा मिश्रण पेश करता है। अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, सान्या ने लिखा: आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है सिनेमाघरों में मिलते हैं।

सान्या मल्होत्रा, जिन्होंने लगातार दमदार अभिनय किया है, चाहे वो दमदार ड्रामा हो या कमर्शियल हिट, अपनी पीढ़ी की सबसे रोमांचक प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। अब वह आगाज़ एंटरटेनमेंट के साथ एक एक्शन-कॉमेडी अवतार में कदम रख रही हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और उम्मीदें दोनों बढ़ गई हैं।

ठग लाइफ के हिट ट्रैक झिंगुचा में उनकी दमदार उपस्थिति ने पहले ही तहलका मचा दिया है जिसने रिलीज़ के साथ ही काफी सुर्खियाँ बटोरी थीं। इसके अलावा सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ बहुप्रतीक्षित कोलैबोरेशन के चलते यह साफ है कि सान्या इस वक्त अपने करियर के शिखर पर हैं और अब वही स्टार पावर और चमक इस नई एक्शन-कॉमेडी की घोषणा में भी देखने को मिल रही है।

बॉबी और अक्षय के साथ बॉलीवुड में दी दस्तक, ऐसा रहा अभिनेत्री उर्वशी शर्मा का करियर

नकाब से बॉलीवुड में दस्तक देने वाली मॉडल से अभिनेत्री बनी उर्वशी शर्मा को 'एक दिन तेरी बाहों में' गीत से दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म में उनकी आकर्षक मौजूदगी और डायलॉग डिलीवरी ने खास पहचान दिलाई। वह एक खुले विचारों वाले पंजाबी परिवार से हैं और अपने हर फैसले, जैसे मॉडलिंग शुरू करना और लिव-इन रिलेशनशिप, को लेकर बेबाक रही हैं। कुछ मिलती जुलती सी कहानी सोनल सहगल की भी है। सोनल अभिनेत्री होने के साथ ही अच्छी सिंगर और गीतकार भी हैं। दोनों ही हुनरमंद 13 जुलाई को जन्मी हैं। 'नकाब' के बाद उर्वशी का करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, और कुछ फिल्मों के बाद उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली।

उर्वशी शर्मा का जन्म 13 जुलाई 1984 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और पॉन्ड्स, गार्नियर जैसे ब्रांड्स के लिए विज्ञापनों में काम किया। उन्होंने आतिफ असलम के म्यूजिक वीडियो 'दूरी' में भी अभिनय किया, जो ब्लॉकबस्टर हिट रहा। नकाब फिल्म के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड' के लिए नामांकित किया गया था। इसके अलावा उन्होंने 'खट्टा मीठा' (2010) में अक्षय कुमार की छोटी बहन का किरदार निभाया था।फिल्मों के अलावा उर्वशी शर्मा ने टेलीविजन में भी अपना हाथ आजमाया। 2008 में प्रसारित रियलिटी शो 'फीयर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' की फाइनलिस्ट थीं। उन्होंने 2016 में जीटीवी के शो 'अम्मा' में मुख्य भूमिका निभाकर टेलीविजन पर वापसी की, लेकिन यह शो ज्यादा सफल नहीं रहा। अभिनेता और बिजनेसमैन सचिन जोशी के साथ ढाई साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद उन्होंने 2012 में शादी की। शादी के बाद उन्होंने अपना नाम रैना जोशी रख लिया। अब उनके दो बच्चे हैं।

उर्वशी शर्मा का करियर भले ही बॉलीवुड में छोटा रहा, लेकिन उनकी शुरुआती सफलता और बेबाक व्यक्तित्व ने उन्हें यादगार बनाया। वह अब अपनी फैमिली लाइफ और बच्चों के साथ समय बिता रही हैं। वहीं, टेलीविजन और फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी अभिनेत्री सोनल सहगल का जन्मदिन 13 जुलाई को है। वह एक भारतीय अभिनेत्री, गायिका और गीतकार हैं। सोनल सहगल ने अपने करियर की शुरुआत 2001 में टेलीविजन से की थी। वह स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक 'सारा आकाश' (2003-2005) में संजना मलिक के किरदार से घर-घर में मशहूर हुईं। उनकी मासूम और प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। सोनल को संगीत से गहरा लगाव है। उन्होंने हिंदी और पंजाबी म्यूजिक एल्बम में काम किया है और जस्सी बी, पंकज उधास, बैली सागो और हरभजन मान जैसे प्रसिद्ध गायकों के साथ सहयोग किया है। उन्होंने फिल्म 'फ्यूचर तो ब्राइट है जी का टाइटल ट्रैक भी लिखा था। सोनल ने बॉलीवुड फिल्म 'गजनी' में एक सहायक अभिनेत्री के रूप में काम किया, जिसमें आमिर खान मुख्य भूमिका में थे।

इसके अलावा, वह 'आशाएं,' 'दम मारो दम,' और 'मंटो' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। 1981 में जन्मीं सोनल सहगल 42 साल की उम्र में भी अपनी खूबसूरती और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी पसंद की जाती हैं।

टीवी और मोबाइल से पहले, सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं: काजोल

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल बाजीगर, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, गुप्त, इश्क, दुश्मन, और कुछ कुछ होता है जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं।

जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था।

अभिनेत्री ने कहा, उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है।

उन्होंने कहा, जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में हैं।

इसके अलावा, वह फिल्म 'महारागिनी- क्वीन ऑफ क्वीन' में भी दिखाई देंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा।

'डचेस ऑफ डिप्रेशन' हिंदी सिनेमा की पहली ग्रेसफुल मां बनीं लीला चिटनिस

लीला चिटनिस का नाम जब सिनेमा के इतिहास में लिया जाता है, तो वह एक किरदार से नहीं, बल्कि एक सोच से जुड़ता है। उन्होंने जब अभिनय की दुनिया में कदम रखा, तब पर्दे पर महिलाएं या तो सजावट के तौर पर पेश की जाती थीं या दुख का प्रतीक होती थीं। लेकिन लीला ने इन दोनों छवियों को तोड़ा- पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर और संवेदनशील महिला की छवि को पहली बार हिंदी सिनेमा ने उन्हीं के माध्यम से महसूस किया। समय के साथ खुद को ढालना भी बखूबी सीखा और इसका जिक्र अपनी आत्मकथा 'चंदेरी दुनियेत' में किया। रुपहले पर्दे पर निरुपा रॉय या सुलोचना से पहले करुणामयी मां का किरदार इन्होंने ही निभाया। इसलिए तो इन्हें हिंदी सिनेमा की 'डचेस ऑफ डिप्रेशन' और पहली ग्रेसफुल मां के भी तमगे से नवाजा गया।

उनके जीवन के उतार-चढ़ाव भी किसी फिल्मी पटकथा जैसे नहीं थे-बल्कि एक गहरे आत्ममंथन और स्वाभिमान से भरी यात्रा थी। उन्होंने सिनेमा को अपनी आवाज दी, और उस आवाज में कभी सिसकियां थीं, कभी विचार, और कभी मूक विद्रोह झलकता था। एक संभ्रांत घर की पढ़ी-लिखी और चार बच्चों की मां का फिल्मी पर्दे पर छाना उस दौर में किसी चमत्कार से कम नहीं था। एक ऐसी अदाकारा जिन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को पहली बार ब्लॉकबस्टर का स्वाद चखाया, जिन्होंने पहली बार लक्स का एड किया और पर्दे पर उस दौर के तीन बड़े कलाकारों-दिलीप कुमार, राज कपूर और देवानंद-की मां बनने का दिलेर फैसला लिया।

लीला चिटनिस की उपस्थिति हमेशा कैमरे के फ्रेम से बाहर तक फैलती रही। वह जब किसी दृश्य में होतीं, तब केवल अभिनय नहीं होता-वह उस दृश्य को जीवित कर देती थीं। शायद यही कारण था कि उन्होंने मां की भूमिका को केवल त्याग की नहीं, बल्कि मनुष्य की गरिमा की भूमिका बना दिया। उनका जीवन भी ऐसा ही था-सम्मान से भरा, लेकिन अकेलेपन से गुजरता हुआ। उन्होंने कभी लोकप्रियता के लिए खुद को नहीं बदला, और यही उनकी खूबी भी थी और त्रासदी भी। अंतिम वर्षों में जब वह अमेरिका के एक वृद्धाश्रम में रहीं, तब उनके आसपास कोई कैमरा नहीं था।

चंदेरी दुनियेत में जन्म, परिवार, पति से कॉलेज में पहली मुलाकात सबका जिक्र है। जन्म 9 सितंबर 1909 को धारवाड़ (वर्तमान कर्नाटक) में हुआ था, एक मराठी ब्राह्मण परिवार में। उनके पिता अंग्रेजी के प्राध्यापक थे और इस पारिवारिक माहौल ने उन्हें शिक्षा के प्रति सजग बनाया। शादी 15-16 साल की उम्र में हो गई। डॉक्टर पति के साथ विदेश चली गईं। चार बेटों को जन्म दिया। बाद में पति से डिवोर्स हुआ तो मुंबई आ गईं। ग्रेजुएट लीला फिर एक स्कूल में नौकरी करने लगीं। लेकिन चार बच्चों की जिम्मेदारी थी, गुजर-बसर मुश्किल थी, ऐसे समय में ही मराठी थिएटर किया। उन्होंने अपने नाटकों और फिल्मों के ज़रिये जातिवाद, महिलाओं की स्थिति और सामाजिक दबावों पर सवाल उठाए।

इसके पश्चात फिल्मों में बतौर एक्स्ट्रा उपस्थिति दर्ज कराई। संघर्ष करते हुए अभिनेत्री बनीं। फिर आई वो फिल्में-कंगन, बंधन, झूला-जहां वो अशोक कुमार के साथ एक आधुनिक, आत्मनिर्भर महिला के रूप में सामने आईं। उस समय की फिल्मों में उनका किरदार बोलता था, सोचता था, और लड़ता था। यह एक नई नायिका थी, जो फूलों और साड़ियों से परे जाकर समाज को आईना दिखा रही थी।1930 के दशक में ग्रैजुएशन बड़ी उपलब्धि थी। 1937 में आई डाकू जैंटलमैन ने इन्हें काफी शोहरत दिलाई। फिल्म के विज्ञापन में बड़े शान से लिखा था: विशेषता: लीला चिटनिस, बी.ए., महाराष्ट्र से स्क्रीन पर पहली सोसाइटी लेडी ग्रेजुएट।

लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, और इंडस्ट्री की नजरों में नायिकाओं की उम्र घटती गई, लीला चिटनिस को मां के किरदार मिलने लगे। आवारा, गंगा-जमना, गाइड, काला बाजार जैसी फिल्मों में वो मां थीं-पर हर बार अलग। कभी सख्त, कभी टूटी हुई, कभी संघर्षशील। उन्होंने मां के किरदार को महज त्याग की प्रतिमा नहीं, एक जिंदा इंसान की तरह पेश किया। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने खुद फिल्म निर्माण और निर्देशन भी किया। किसी से ना कहना जैसी फिल्में बनाईं और आज की बात जैसी सामाजिक फिल्मों में अपनी सोच को पर्दे पर उतारा। उनका लिखा नाटक एक रात्रि अर्ध दिवस आज भी रंगमंच के गंभीर साहित्य में गिना जाता है। उनकी असली चुनौती तब शुरू हुई जब 1970 के दशक में उन्होंने भारत छोड़ दिया और अमेरिका चली गईं। उनके बच्चे वहीं बस चुके थे। पर वृद्धावस्था में, वह एक नर्सिंग होम में रहीं और यहीं 14 जुलाई 2003 को अंतिम सांस ली, बिना शोर के, जैसे उनके किरदार अक्सर खत्म होते थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सह–कर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालांकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जुलाई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 12:02 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रात: 06:50 तक
योग : आयुष्मान सायं 06:13 तक
करण : बव दोपहर 12:36 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:39

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महाराजा दक्ष प्रजापति एक महान राजा, दूरदृष्टा कुशल प्रशासक और सृष्टि के विस्तारक थे : सैनी

चण्डीगढ़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मिट्टी से बर्तन बनाने की कला हमारी अमूल्य धरोहर है, मिट्टी के बर्तन बनाना मात्र एक कला ही नहीं है बल्कि प्रजापत समाज की कलात्मक सोच, उसकी कुशलता और कौशल का प्रतीक है। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि हरियाणा के हर मेहनतकश को सम्मान मिले, उसे ताकत मिले और उसकी प्रगति के नए रास्ते खुलें।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज जिला भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कही। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अनेक बड़ी घोषणाएं की और भिवानी जिला को विकास कार्यो की सौगात देते हुए 234 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 87 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत की 6 परियोजनाओं के उद्घाटन और लगभग 147 करोड़ रुपये लागत की 13 परियोजनाओं के शिलान्यास शामिल हैं।

उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि अगले 15 दिनों में प्रदेश के 2 हजार गांवों में जहां पंचायती भूमि उपलब्ध है, वहां पर प्रजापति समाज को भूमि उपलब्ध करवा दी जाएगी ताकि कि उन्हें मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी जुटाने में दिक्कत न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खसरा नम्बर सहित जमीन की पूरी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने भिवानी जिला के प्रजापति समाज के लाभार्थियों को जमीन के अधिकार पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने यह भी घोषणा की सूक्ष्म उद्यम शुरू करने वाले प्रजापति समुदाय के लोगों को 'हरियाणा ग्रामीण औद्योगिक योजना' के तहत वितीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके तहत प्रदेश के बी, सी तथा डी श्रेणी के ब्लॉकों में मशीनरी तथा भवन निर्माण पर किए गए निवेश पर 15 प्रतिशत की दर से पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, 7 वर्षों के लिए सावधि ऋण पर 7 प्रतिशत या अधिकतम 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष की दर से ब्याज सब्सिडी भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने समाज के मांग पत्र को स्वीकार करते हुए प्रदेश में समाज की धर्मशालाओं में विभिन्न कार्यो के लिए कुल 1 करोड़ 29 लाख रूपये देने की घोषणा की। जिसमें मुख्यमंत्री ने 31 लाख रूपये, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने 21 लाख रूपये और कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा, डॉ अरविंद शर्मा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, सांसद धर्मबीर सिंह व रामचंद्र जांगडा की ओर से 11–11 लाख रूपये की राशि शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जिला भिवानी के गांव हालूवास माजरा, धिराणा माजरा और देवसर के उप स्वास्थ्य केंद्रों के नवीनीकरण के लिए 1 करोड़ 66 लाख रूपये, भिवानी नई अनाज मंडी में अतिरिक्त दो कवर शैड के निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख रूपये, भिवानी नई अनाज मंडी में नई सड़क के निमार्ण के लिए 4 करोड़ 50 लाख रूपये, नई अनाज मंडी की चारदिवारी के लिए 80 लाख रूपये, अनाज मंडी के साथ लगते मार्किट बोर्ड के गोदामों को ऊंचा उठाने के लिए 3 करोड़ 50 लाख रूपये, पशुओं के पीने के पानी की व्यवस्था के लिए जिला के नंदगांव से बाबा वाला जोहड को राजगढ माइनर से पाइपलाइन के माध्यम से जोड़ने के लिए 49 लाख 33 हजार रूपये, नदंगांव में दोनों जोहडों की रिटेनिंग वॉल के निर्माण और सौंदर्यकरण के लिए 2 करोड़ रूपये, भिवानी की 6 विभिन्न धर्मशालाओं दुर्बलनाथ खटीक धर्मशाला, धानक धर्मशाला, कबीर धर्मशाला, स्नातन धर्मशाला, वीरवान पाना धर्मशाला और भाटाभगडी धर्मशाला में हॉल व विभिन्न कार्यो के लिए 1 करोड़ 50 लाख रूपये, गावं कोट, हालूवास और हालूवास माजरा देवसर में सामुदायिक केंद्रों के निर्माण के लिए 3 करोड़ 5 लाख रूपये देने की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने भिवानी विधानसभा के शहर व गांव में विभिन्न विकास कार्यो के लिए अलग से 5 करोड़ रूपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने महाराजा दक्ष प्रजापति को नमन करते हुए कहा कि वें एक महान राजा, दूरदृष्टा, कुशल प्रशासक और सृष्टि के विस्तारक थे।

नायब सैनी ने हाफ मैराथन से की नशा मुक्त हरियाणा अभियान की शुरुआत

कैथल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल में रविवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित हाफ मैराथन की शुरुआत की। उन्होंने मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया और धावकों पर फूल बरसाए। इस आयोजन के ब्रांड एंबेसडर पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और पद्मश्री तीरंदाज हरविंदर सिंह थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'हरियाणा उदय कार्यक्रम' और 'नशा मुक्ति अभियान' के अंतर्गत रविवार को कैथल में हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हजारों बच्चों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैं सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। नायब सिंह सैनी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसको लेकर देश में गति से काम हो रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हमारा युवा स्वस्थ और तंदुरुस्त हो। जब युवा स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा। जब समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र स्वस्थ होगा। जब राष्ट्र स्वस्थ होगा, तब प्रधानमंत्री मोदी का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और प्रदेश को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

कैदी चलाएंगे पेट्रोल पंप, जेल प्रशासन की अनूठी पहल

करनाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल जिले में जेल प्रशासन ने कैदियों के सुधार और पुनर्वास के उद्देश्य से नई पहल की शुरुआत की है। जेल विभाग की ओर से एक पेट्रोल पंप खोला गया है, जिसे जेल के कैदी और बंदी चलाएंगे। रविवार को हरियाणा के जेल महानिदेशक (डीजी) मोहम्मद अकील ने पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया।

जेल डीजी मोहम्मद अकील ने बताया कि यह पहल कैदियों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा, कैदियों को काम करने का मौका मिलेगा, जिससे उनमें सुधार होगा। काम में व्यस्त रहने से जेल में अनुशासन बना रहता है और आपसी झगड़े भी नहीं होते। साथ ही उन्हें इस कार्य के बदले मेहनताना भी मिलेगा। पुलिस अधिकारी ने कहा, पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल के साथ आने वाले समय में सीएनजी और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पूरी परियोजना में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है।डीजीपी मोहम्मद अकील ने बताया कि कुरुक्षेत्र में पंप सफलतापूर्वक चल रहा है। अंबाला, यमुनानगर और हिसार में भी इस तरह के पंप शुरू किए जा चुके हैं। आगामी समय में फरीदाबाद, नूंह और सिरसा में भी इस मॉडल को लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन पेट्रोल पंपों पर तेल की गुणवत्ता की पूरी जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यहां तेल की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। ग्राहक निश्चिंत होकर पेट्रोल भरवा सकते हैं, उनकी गाड़ी अच्छे से चलेगी। जेल महानिदेशक के मुताबिक, यह पंप 24 घंटे चालू रहेगा। रात के समय अतिरिक्त स्टाफ तैनात रहेगा। इस पेट्रोल पंप से होने वाला मुनाफा सीधा सरकार के खाते में जाएगा। डीजीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की तरफ से किसी भी प्रकार के फंड की कमी नहीं है, चाहे वह नए जिलों में ऐसी सुविधाएं शुरू करने की बात हो या फिर कैदियों की जरूरतों की पूर्ति। उन्होंने कहा कि कैदियों के जीवन सुधार के लिए जेल में और भी कई तरह के काम चल रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का महाराष्ट्र दौरा

विधायी आदान–प्रदान और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण पर रहेगा फोकस

चंडीगढ़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण 12 जुलाई से 16 जुलाई तक महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के आधिकारिक दौरे पर हैं। यह दौरा विधायी आदान–प्रदान और संसदीय प्रक्रिया के अध्ययन हेतु आयोजित किया जा रहा है।

14 जुलाई को विस अध्यक्ष कल्याण महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन करेंगे और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट करेंगे। इस दौरान वे महाराष्ट्र के विधान सभा अध्यक्ष व अधिकारियों से विधायी कार्यों पर चर्चा करेंगे। यह दौरा दोनों राज्यों की विधानसभाओं के बीच पारस्परिक समझ और सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि हाल ही में गुरुग्राम में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के सम्मेलन में भी लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने पर चर्चा हुई थी। कल्याण के महाराष्ट्र दौरे से दोनों प्रदेशों की विधायी परंपराओं को समझा व साझा किया जाएगा।दौरे के दौरान कल्याण 15 जुलाई को प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन करेंगे तथा मुंबई शहर के प्रमुख स्थलों का भ्रमण भी करेंगे।

स्कूल व्याख्याता भर्ती पेपर लीक मामले में

महिला व्याख्याता समेत चार गिरफ्तार, अब तक 14 गिरफ्तारी

दौसा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एसओजी द्वारा प्राध्यापक स्कूल शिक्षा भर्ती परीक्षा 2022 का अर्थशास्त्र विषय का पेपर परीक्षा पूर्व लीक करने के मामले में दौसा जिले के सिकराय तहसील के ब्रह्म बाल ग्राम निवासी व्याख्याता सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है। एसओजी के महानिदेशक वी.के सिंह ने बताया कि वैदेही मीणा पुत्री हरिसिंह पत्नी विशम्बर निवासी ब्रह्मबाद सिकराय जिला दौसा हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाश्मा ब्लॉक भोपालसागर जिला चित्तौडगढ, रोशन बांगड़वा पुत्री बक्शाराम पत्नी दिनेश चौधरी निवासी बिरमपुरा मुंडियागढ पुलिस थाना रेनवाल जयपुर हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बासनी जिला नागौर, ओमप्रकाश पुत्र उदाराम निवासी भीमसागर ओसियां जिला जोधपुर हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचौडी जिला नागौर एवं पदमा पुत्र भागीरथ राम पत्नी कृष्ण कुमार निवासी सोनडी सेडवा जिला बाडमेर हाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सनावडा जिला बाडमेर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

नीलाम खनिज ब्लॉकों के संचालन में तेजी लाने को साझा मंच तैयार: टी. रविकान्त

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने ऑक्शन खनिज ब्लॉकों व प्लाटों को जल्द परिचालन में लाने की दिशा में कवायद तेज कर दी है। प्रमुख सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि ऑक्शन ब्लॉकों के परिचालन में होने वाली देरी के निराकरण के लिए 16 जुलाई को जयपुर में खान व भूविज्ञान, राजस्व, वन एवं पर्यावरण, भारतीय खान ब्यूरों आईबीएम और स्टेट एनवायरमेंट इम्पेक्ट एसेसमेंट अथारिटी सीया सहित संबंधित विभागों और स्टेक होल्डर्स को साझा मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रक्रिया की जानकारी के साथ ही संभावित बाधाओं के निराकरण पर मंथन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ऑक्शन खनिज ब्लॉकों को शीघ्र परिचालन में लाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने इसके लिए संबंधित विभागों को परस्पर समन्वय और सहयोग के साथ आपसी संवाद बढ़ाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है ताकि राज्य में नीलाम मिनरल ब्लॉकों को व्यावहाारिक कठिनाइयों और जानकारी के अभाव में परिचालन में लाने में अनावश्यक देरी ना हो। उन्होंने कहा कि खानों के परिचालन में आने से अवैध खनन पर अंकुश और राज्य में खनन क्षेत्र में निवेश, रोजगार और राजस्व के नए द्वार खुलेंगे। रविकान्त ने बताया कि मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देश में पहले पायदान पर आ गया है। अब इन्हें शीघ्र परिचालन में लाना बड़ी जिम्मेदारी है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मिनी बस ट्रक में घुसी, एक ही परिवार के 4 की मौत

कोटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा दिल्ली–मुंबई एक्–सप्रेस–वे पर चंबल पुल के पास उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार मिनी बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक ज्वेलर परिवार सवार था।

पुलिस और चश्मदीदों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। मिनी बस में चालक को झपकी आ गई, जिससे उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। बस में सवार 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान गीता सोनी (63), उनके दो बेटे ब्रजेश सोनी (45) और अनिल सोनी (48), तथा दामाद सुरेश सोनी (45) के रूप में हुई है। गीता सोनी के बेटे अनिल और ब्रजेश ज्वेलरी का कारोबार करते थे, जबकि दामाद सुरेश भरतपुर में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसे का कारण ड्राइवर को नींद आना माना जा रहा है। बस की रफ्तार काफी तेज थी और चंबल पुल पर वह सीधे ट्रक में जा घुसी। मिनी बस की स्थिति देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सोनी परिवार शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर गया था, जहां परिवार के एक सदस्य का सगाई और गोदभराई समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के 14 लोग एक मिनी ट्रैवलर बस से रात करीब 9 बजे इंदौर से करौली के लिए रवाना हुए थे। सुबह तड़के कोटा के पास यह हादसा हो गया।

घटना के बाद बुढ़ादित पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। चार गंभीर रूप से घायलों को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। बाकी का इलाज एमबीएस अस्पताल में ही चल रहा है। तीन घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। अनिल सोनी के भतीजे संजय सोनी के मुताबिक बस में मौजूद सानिया, ममता, संजू, छोटू सहित कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से 7 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, कुछ घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर से लंबी दूरी की यात्राओं में ड्राइवरों की सतर्कता और पर्याप्त विश्राम की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि, मिनी बस के ड्राइवर की स्थिति की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है – वह भी घायल हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बस की हालत देखकर साफ है कि उसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम नहीं रही होगी। नींद की एक झपकी ने एक खुशहाल परिवार को उजाड़ दिया।

करौली के सीताबाड़ी इलाके में इस हादसे की खबर जैसे ही पहुंची, पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया। सोनी परिवार इलाके में प्रतिष्ठित और सामाजिक रूप से सक्रिय माना जाता था। एक ही परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी सरकारी मुआवजे की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

नीतीश सरकार में बढ़ते अपराध को लेकर सवाल उठाने वाले चिराग को मांझी की खरी–खरी

माफियाओं की खातिरदारी नहीं होती, उनको ठोक दिया जाता है

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान द्वारा अपने ही सरकार को घेरने वाले बयान के बाद सियासी घमासान जारी है। अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और उनके बेटी मंत्री संतोष सुमन इस पर प्रतिक्रिया दी है। जीतन राम मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि हमारे यहां एक कहावत है कि गुड़ खाते, गुड अम्मे से परहेज़ यह ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि अपराध करवाएं राजद वाले, तोहमत सरकार पर, वाह रे गठबंधन धर्म। अब बिहार के मुख्यमंत्री निवास में माफियाओं की खातिरदारी नहीं होती बल्कि उन माफियाओं को ठोक दिया जाता है।

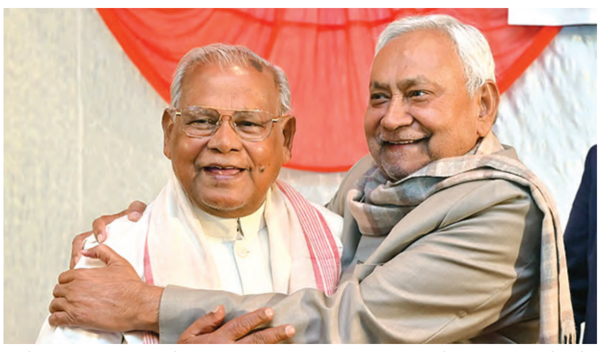

वहीं बिहार सरकार आईटी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने नसीहत दी है कि इस तरह की टिप्पणियों से गठबंधन में असहजता महसूस होती है।

चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि बिहार अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेगा, यह समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है। संतोष कुमार सुमन ने गया जिले के गोदावरी स्थित आवास पर शनिवार को कहा कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर चुस्त और दुरुस्त है। उन्होंने बताया कि प्रशासन और सरकार पूरी तरह सक्षम हैं। कोई भी घटना घटने पर उसका बचाव नहीं किया जा सकता। घटनाएं घटती हैं और उनके पीछे बहुत सारे कारण होते हैं। इन कारणों का पता लगाकर अपराधियों को पकड़ा जाता है और उन्हें सजा भी दी जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका के हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने ढूंढ निकाला और एनकाउंटर भी हुआ। तुरंत उद्भेदन हुआ और सजा देने का काम भी किया गया।

मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि उन्होंने स्वीकार किया कि समाज में हर तरह के लोग होते हैं और कुछ सामाजिक लड़ाइयों के कारण ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन पहले की अपेक्षा अब इनकी संख्या बहुत कम हो गई है। जहां साल भर में 50,000 घटनाएं होती थीं, वहां अब 500 से 1,000 घटनाएं हो रही हैं। बिहार में बहुत सुधार हुआ है और इसे शून्य करने के लिए हम काम कर रहे हैं।

चिराग पासवान द्वारा बिहार में बढ़ती घटनाओं पर सरकार पर निशाना साधने पर सुमन ने कहा कि हम सब गठबंधन के सहयोगी हैं और सभी के तालमेल से सरकार चल रही है। चिराग पासवान ने कुछ घटनाओं के बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित किया है, जो राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कभी–कभी राजनीति में अपने विचारों को व्यक्त करना पड़ता है। कहीं–कहीं गलतियां और परेशानियां होती हैं, जिन्हें बैठकर चर्चा की जा सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी के लिए उपलब्ध हैं और उनसे बात की जा सकती है।

चुनाव से पहले सीएम नीतीश का एलान

अगले पांच साल में एक करोड़ युवाओं को नौकरी–रोजगार देने का लक्ष्य

पटना (एजेंसियां)। बिहार चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने बड़ा वादा कर दिया है। उन्होंने नौकरी के लेकर किए गए अपने वादे को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहा कि अगले पांच साल में बिहार के एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इतना ही नहीं सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। सीएम नीतीश कुमार ने और भी कई बातें कहीं, आइए जानते हैं...

सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमारी सोच रही है। वर्ष 2005 से 2020 के बीच राज्य में आठ लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी

दी गई। राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने की गति को और बढ़ाने के लिए वर्ष 2020 में हमने सुशासन के कार्यक्रम सात निश्चय–2 में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया था। बाद में इसे बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कुल 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है और 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने लिखा कि अगले पांच साल में (2025 से 2030) वर्ष 2020–25 के लक्ष्य को दोगुना करते हुए एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इसके लिए निजी विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है। वर्तमान में सात निश्चय के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए सात निश्चय के तहत चल रहे कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा।

शिक्षक की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

छपरा (एजेंसियां)। छपरा जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक सनसनीखेज वारदात में अज्ञात अपराधियों ने एक शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बिसाही गांव की है, जहां उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिसाही के प्रधान शिक्षक संतोष राय को कार से जाते समय अपराधियों ने गोली मार दी। हमले में कार चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूत्रों के अनुसार, शिक्षक संतोष राय किसी निजी कार्य से कार से जा रहे थे, तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। गोली लगने से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, घायल चालक को प्राथमिक इलाज के बाद पीएमसीएच, पटना रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। हत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

सीतामढ़ी में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, आक्रोशित भीड़ ने किया सड़क जाम

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी शहर में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे खुलेआम रिहायशी इलाकों में हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे हैं। शनिवार सुबह करीब 8:56 बजे सीतामढ़ी के मेहसौल चौक के पास प्रॉपर्टी डीलर वसीम खान उर्फ पुटू खान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन्हें उनके ही घर के पास गली में तीन गोलियां मारीं, जिसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई है।

हत्या की इस घटना के बाद शहर में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोग और मृतक के परिजनों ने शनिवार रात शव को मेहसौल चौक पर रखकर सड़क जाम कर दिया। भीड़ ने सरकार और पुलिस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। जाम हटाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। एसपी अमित रंजन खुद मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा–बुझाकर जाम समाप्त कराया, लेकिन रविवार सुबह दोबारा गुस्साई भीड़ ने चौक को फिर दो घंटे के लिए जाम कर दिया।

स्थानीय निवासी तौकीर अहमद उर्फ सिकंदर ने कहा कि अपराधियों को जल्द चिन्हित कर उनका एनकाउंटर किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि अपराधी खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि 'तुम्हें घर के पास मारेंगे', जो पुलिस प्रशासन के लिए सीधी चुनौती है। वहीं सदाम हुसैन नामक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि जिस चौक के चारों ओर पुलिस थाने और चौकियां हैं, वहां इस तरह की घटना पुलिस की नाकामी को उजागर करती है।

बताया गया कि मृतक वसीम खान प्रॉपर्टी डीलिंग के अलावा अपने भाइयों के साथ पांच दुकानों का संचालन भी करते थे। उनका परिवार मेहसौल चौक स्थित उसी इलाके में रहता है जहां यह घटना हुई। इस वारदात के बाद कारोबारी वर्ग में भारी दहशत है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही और कमजोर व्यवस्था के चलते अपराधी बेखौफ होकर वारदातें कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में व्यवसायियों के शहर छोड़ने की आशंका जताई जा रही है।

सड़क हादसे में कपड़ा व्यवसायी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पटना (एजेंसियां)। रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत दढ़ाव गांव के समीप शनिवार की देर रात एक सड़क दुर्घटना में कपड़ा व्यवसायी की मौत हो गई। मृतक की पहचान कोचस नगर पंचायत के वार्ड संख्या–5 निवासी लगभग 30 वर्षीय ओमप्रकाश गुप्ता के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश गुप्ता अपने व्यवसाय के सिलसिले में बाइक से दिनारा प्रखंड स्थित दढ़ाव गांव जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात और अनियंत्रित वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें आनन–फानन में कोचस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता सुरेंद्र शाह ने बताया कि उनका बेटा कपड़े का व्यवसाय करता था और हमेशा की तरह व्यवसायिक कार्य से दढ़ाव गांव जा रहा था, लेकिन दुर्भाग्यवश सड़क हादसे का शिकार हो गया। दिनारा थाने के चौकीदार लालजी राम ने जानकारी दी कि मृतक ओमप्रकाश गुप्ता के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है।

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी का अपमान पदयात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थल से हटाया गया

मोतिहारी (एजेंसियां)। महात्मा गांधी की ऐतिहासिक कर्मभूमि पर उनके प्रपौत्र तुषार गांधी का अपमान किए जाने का मामला सामने आया है।

यह घटना पश्चिम चंपारण जिले के तुरकौलिया क्षेत्र की है, जहां तुषार गांधी को कार्यक्रम स्थल से जबरन हटाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार, तुषार गांधी 12 जुलाई से चंपारण सत्याग्रह की याद में पश्चिम चंपारण से पदयात्रा पर निकले हैं।

रविवार को वे अपनी यात्रा के क्रम में तुरकौलिया के ऐतिहासिक नीम के पेड़ के पास पहुंचे थे, जहां महात्मा गांधी ने कभी किसानों के हक में आवाज बुलंद की थी।लेकिन कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही स्थानीय मुखिया विनय साह द्वारा उन्हें कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया।

इस घटना को लेकर तुषार गांधी ने गहरा आक्रोश जताया और कहा, 'चंपारण में लोकतंत्र की हत्या हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह न सिर्फ उनका, बल्कि महात्मा गांधी की विरासत और विचारों का अपमान है।

इस घटना के बाद मौके पर हल्का तनाव का माहौल भी बन गया। तुषार गांधी के समर्थकों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।

पोखर के किनारे मिला किशोर का गला कटा शव

दरभंगा (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरवा दक्षिण पंचायत के खुद एकटर गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक पोखर के किनारे 14 वर्षीय किशोर का रक्तरंजित शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र के नौआचक पंचायत निवासी अमरजीत राय के पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक प्रिंस अपने पिता का बड़ा बेटा था और मंगलवार दोपहर 2 बजे क्रिकेट खेलने के लिए निकला था, लेकिन वह देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह लगभग 6 बजे ग्रामीणों को पोखर के किनारे एक किशोर का गला कटा शव मिला, जिसकी पहचान प्रिंस कुमार के रूप में की गई।

घटनास्थल के पास ही उसकी साइकिल भी बरामद हुई है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि हत्या के बाद शव को वहीं फेंका गया। ग्रामीणों का शक है कि यह हत्या किसी पुराने जमीन विवाद को लेकर की गई है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इस जघन्य हत्याकांड से इलाके में दहशत का माहौल है।

स्वास्थ्य मेला 2025 का दूसरा दिन रहा ऐतिहासिक

10 हजार से अधिक लोगों ने डॉक्टरों से ली सलाह

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां) बिहार की राजधानी में आयोजित स्वास्थ्य मेला 2025 के दूसरे दिन ज्ञान भवन में लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। राज्य सरकार की ओर से आयोजित इस आयोजन ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने का कार्य किया, बल्कि यह चिकित्सा, परामर्श, जागरूकता और मनोरंजन का संगम बन गया। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने मेले में पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य स्टॉलों का निरीक्षण किया और चिकित्सकों व मरीजों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। स्वास्थ्य मेला इसी प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है।

मेले के दूसरे दिन 10,000 से अधिक नागरिकों ने ओपीडी रजिस्ट्रेशन कर मुफ्त चिकित्सकीय सलाह ली।

ऑर्थोपेडिक और नेत्र रोग विभागों में मरीजों की सर्वाधिक भीड़ देखी गई। नेत्र जांच के बाद वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। वहीं, 25 नर्सिंग काउंटरों पर 7,000 से अधिक लोगों की बीपी, शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच की गई।

टेली–मानस सेवा के जरिए बड़ी संख्या में युवाओं ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं साझा कीं। डिप्रेशन, ओसीडी जैसी मानसिक समस्याओं की पहचान कर विशेषज्ञों द्वारा उपचार प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य पर एक विशेष सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसमें एम्स पटना और एनएमसीएच के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया।

कैंसर जांच काउंटर पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान एक 4 वर्षीय बच्चे में कैंसर की आशंका जताई गई, जिसे बायोप्सी के लिए रेफर किया गया है। एक अन्य मरीज में मुख कैंसर की पुष्टि हुई, जिसे आगे की जांच के लिए भेजा गया।

स्वस्थ मातृत्व को बढ़ावा देने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव, नियमित जांच और टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। यह प्रस्तुति दर्शकों के बीच अत्यंत सराही गई। बीएमएसआईसीएल द्वारा पीएमसीएच, सदर अस्पताल जहानाबाद, मुंगेर मॉडल अस्पताल और बिहार यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के मॉडल्स प्रदर्शित किए गए, जिनसे लोगों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे नवाचार और अधोसंरचना विकास को समझा।

बिहार के बाद अगले महीने से देशभर में एसआईआर शुरू करने का प्लान बना रहा चुनाव आयोग!

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव से पहले जिस तरह बिहार में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन किया जा रहा है, ठीक इसी तरह का सत्यापन देशभर में करने की तैयारी चल रही है। चुनाव आयोग पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) करने का प्लान बना रहा है। ये काम अगले महीने (अगस्त) से शुरू हो सकता है। राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को एसआईआर के लिए तैयार रहने को कहा गया है। कई सीईओ ने अपनी वेबसाइट पर पिछली बार हुए रिवीजन की मतदाता सूची डालना भी शुरू कर दिया है। इससे मतदाता अपना नाम आसानी से देख सकेंगे।

चुनाव आयोग ने बूथ लेवल पर अधिकारियों की भर्ती और ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। इससे पहले चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआइआर की घोषणा की थी। चुनाव आयोग का कहना है कि वह मतदाता सूची की प्रामाणिकता बनाए रखना चाहती है। लगभग 30 साल बाद पूरे देश में मतदाता सूची का रिवीजन होगा। इस मुद्दे पर नागरिकता और दस्तावेजों को लेकर बहस भी चल रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है और 28 जुलाई को

इस पर सुनवाई है।

राज्यों के सीईओ ने वेबसाइट पर मतदाता सूची डालनी शुरू कर दी है। दिल्ली के सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है। उत्तराखंड ने 2006 की और हरियाणा सीईओ ने 2002 की मतदाता सूची डाली है। पंजाब सीईओ ने 2006 की फाइनल मतदाता सूची डाली है। बिहार में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। ज्यादातर राज्यों में 2002–2004 के बीच मतदाता सूची का रिवीजन हुआ था।

एक अधिकारी के मुताबिक जल्द ही एसआइआर की शुरुआत हो सकती है। बिहार में चल रहे एसआईआर को देखते हुए, पिछले रिवीजन की मतदाता सूची डालना अच्छा है। इससे लोग आसानी से अपना नाम देख पाएंगे। इसके अलावा राज्यों में सीईओ खुद बूथ लेवल पर अधिकारियों की भर्ती कर उन्हें ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसमें पहले से प्रिटेंड फॉर्म होगा। यह फॉर्म मतदाताओं को 1987 से पहले, 2004 तक और 2004 के बाद पैदा हुए लोगों में बांटा जाएगा। जन्म, नागरिकता और निवास के प्रूफ के लिए 11 दस्तावेज इस्तेमाल होंगे।